वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 220 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली बुधवार 28 अक्टूबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

मोदी सरकार ने 18 देशद्रोहियों को घोषित किया आतंकवादी

संसद अटैक, कांधार कांड, दिल्ली ब्लास्ट, मुबंई ब्लास्ट, अक्षरधाम मंदिर हमले में शामिल रहे हैं आतंकवादी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्दता के तहत और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता नीति के अंतर्गत 18 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया है। साथ ही उनका नाम उक्त अधिनियम की चौथी अनुसूची में शामिल करने का ऐलान किया है।

ये सभी व्यक्ति सीमा पार से आतंकवाद की विभिन्न घटनाओं में शामिल हैं और अपने घृणित कृत्यों से लगातार देश को अस्थिर करने का प्रयास करते रहे हैं। इसमें लश्कर ए तोयबा कि 5 आतंकवादी, जैश ए मोहम्मद का 4, हिजबुल मुजाहिद्दीन के 3 आतंकवादी, इंडियन मुजाहिद्दीन के 2 और दाऊ द इब्राहिम की डी कंपनी से 4 आतंकवादी को भारत सरकार ने आतंकी घोषित किया है। इन लोगों ने संसद अटैक, दिल्ली सीरियल ब्लास्ट, अक्षरधाम मंदिर हमला, मुबंई ब्लास्ट, जयपुर ब्लास्ट, कांधार अपहरण कांड सहित देशभर में हुए बड़े आतंकवादी घटनाओं में शामिल रहे हैं। गृह मंत्रालय के मुताबिक इसमें लश्करएतोयबा से जुड़ा साजिद मीर पाकिस्तान में डेरा डाले लश्करएतोयबा का कमांडर तथा 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के प्रमुख योजनाकर्ताओं में से एक है। यह साजिद मजीद, वसी, खली, मोहम्मद वसीम के नाम से भी जाना जाता है। लश्कर ए तोयबा से ही जुड़ा दूसरा आतंकवादी अब्दुर रहमान मक्की है जो लश्करे प्रमुख हाफीज सईद का साला है। साथ ही लश्करएतोयबा के राजनीतिक मामलों का अंतर्राष्ट्रीय हेड है। तीसरा आतंकवादी भी लश्करए तोयबा से जुड़ा है, जिसका नाम शाहिद महमूद उर्फ शाहिद महमूद रहमेतुल्ला है। यह पाकिस्तान में डेरा डालकर प्रतिबंधित संगठन फलाए इंसानीयत का डिप्टी चीफ है। पांचवा आतंकवादी भी लश्कर से जुड़ा है जिसकी नाम फरहातुल्ला घोरी उर्फ अबू सूफियाना उर्फ सरदार साहेब फारु है। पाकिस्तान में पनाह लेकर यह अक्षरधाम मंदिर हमला (2002) और वर्ष 2005 में हैदराबाद के टास्क फोर्स आफिस में आत्मघाती हमले में शामिल था। यह भी पाकिस्तान में बैठकर पाकिस्तान नियंत्रित कश्मीर में आतंकवादी कैम्पों की स्थापना में शामिल है। साथ ही 13 दिसम्बर 2001 का संसद भवन हमलें का प्रमुख योजनाकर्ता है। अगला आतंकवादी भी जैशएमोहम्मद से जुड़ा है, जिसका नाम अथर इब्राहिम उर्फ अहमद अली मोहम्मद उर्फ जावेद अहजद सिददीकी उर्फ ए.ए. शेख है। यह भी पाकिस्तान में डेरा डालकर इंडियन एयरलाइंस के विज्ञान संख्या आई सी.814 के अपहरण (24

दिसम्बर 1999) में शामिल कांधार अपहरण मामले और संसद भवन हमले में शामिल रहा है। यह भी पाकिस्तान में बैठ कर सीयालकोट सेक्टर में लाचिंग कमांडर है। साथ ही भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाने, सहूलियत देने और आतंकी हमलों को अंजाम देने में शामिल है। हिजबुल मुजाहद्दीन से जुड़ा सैयद मोहम्मद युसूफ शाह उर्फ सैयद सलाहूद्दीन साहब है जो पाकिस्तान में डेरा डालकर हिजबुल मुजाहद्दीन का सुप्रीम कमांडर है। साथ ही युनाईटेड जिहाद काउंसील का चेयरमैन है। मुख्य रूप से भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए आतंकी वित्तपोषण में शामिल है।

हिजबुल मुजाहद्दीन से ही जुड़ा आतंकी गुलाम नबी खान उर्फ अमीर खान है जो पाकिस्तान में हिजबुल का उप सुप्रीम कमांडर है। अगला आतंकवादी जफ्फार हुसैन भट्ट उर्फ मोहम्मद जफर खान मौलवी है जो पाकिस्तान में डेरा डाले हिजबुल का उप प्रमुख है। साथ ही हिजबुल के वित्तीय मामलों को देखता है। कश्मीर घाटी में सक्रिय आतंकवादियों को धन उपलब्ध कराता है।

आईएम से ही जुड़ा मोहम्मद इकबाल उर्फ शाबन्द्री मोहम्मद इकबाल भटकल है। जिसपर इंडियन मुजाहिद्दीन संगठन के लिए फंड संग्रह की जिम्मेदारी थी। वह जयपुर सीरियल ब्लास्ट (2008), दिल्ली सीरियल ब्लास्ट (2008), अहमदाबाद और सूरत में सीरियल ब्लास्ट (2008), जर्मन बेकरी ब्लास्ट (2010), और चिन्नास्वामी स्टेडियम ब्लास्ट (2010) समेत कई आतंकवादी घटनाओं में शामिल था। अंडरवर्ल्ड (डी कंपनी) से जुड़ा शेख शकील उर्फ छोट शकील भी आतंकवादी घोषित किया गया है, जो पाकिस्तान में पनाह लिए दाऊद इब्राहिम का सहयोगी है। यह डी कंपनी के आपराधिक और अंडरवर्ल्ड गतिविधियों का देखरेख करता है। डी कंपनी के भारत स्थित अभियान को धन उपलब्ध कराता है। डीकंपनी से ही जुड़ा मोहम्मद अनीस शेख है जो दाऊ द इब्राहिम का सहयोगी और छोटा भाई है। 1993 मुबंई बम ब्लास्ट मामले में शामिल तथा हथियार गोला बारूद उपलब्ध कराने में जिम्मेदार रहा। डीकंपनी से ही जुड़ा इब्राहिम मेमन उर्फ टाईगर मेमन उर्फ मुश्ताक सिकन्दर उर्फ इब्राहीम अब्दुल रजाक मेमन है जो 1993 मुबंई बम धमाकों में शामिल तथा वर्तमान में पाकिस्तान में रह रहा है। आखिरी आतंकवादी जावेद चिकना उर्फ दाऊद टेलर है, जो डीकंपनी से जुड़ा है। यह दाऊ द इब्राहिम का साथी है और 1993 मुबंइ बम धमाकों में शामिल रहा है।

अब तक 13 आतंकवादी घोषित हुए थे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और सुदृढ नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने व्यक्ति को आतंकवादी घोषित करने के प्रावधान को शामिल करने के लिए अगस्त 2019 में विधिविरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1967 मे संशोधन किया था। संशोधन के बाद केन्द्र सरकार ने अब तक सितम्बर 2019 में 4 व्यक्तियों और जुलाई 2020 में नौ व्यक्तियों को आतंकवादी नामजद किया था।

सभी लड़कियां स्कूल जाएं तो अर्थव्यस्था 10% बढ़ जाएगी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । अगर विकासशील देश अपने यहां सौ फीसदी लड़कियों की माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करा दें तो यहां की अर्थव्यवस्था 2030 तक दस फीसदी बढ़ जाएगी। प्लान इंटरनेशनल ने भारत समेत आठ विकासशील देशों पर किए अध्ययन में यह दावा किया है। रिपोर्ट में बताया गया कि इन देशों को कोरोना महामारी से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था में गति लाने के लिए बालिका शिक्षा के लिए कदम उठाने चाहिए। प्लान इंटरनेशनल ने यह रिपोर्ट सिपी ग्लोबल इनसाइट्स टीम के सहयोग से की। रिपोर्ट में कहा गया है कि लड़कियों की शिक्षा व दूसरे हकों पर काम करते हुए अगर सरकार खर्च करती है तो हर एक

डॉलर के निवेश पर उसे 2.80 डॉलर वापस मिलेगा। यानी इससे जीडीपी में कई खरब डॉलर की राशि जुड़ जाएगी। प्लान इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी ऐनीबिरजिते ने कहा कि कोविड रिकवरी की योजनाओं में लड़कियों की शिक्षा व उनके कल्याण से जुड़ी योजनाओं को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। अध्ययन में बताया गया कि अगर लड़कियों का विकास किया जाएगा तो समाज के विकास में उनकी भागीदारी बढ़ेगी, जिससे विकासशील देशों का समाज समृद्ध होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि लड़कियों के सशक्तिकरण से ये देश उन तमाम पैरामीटर पर पहुंच सकेंगे जो संयुक्त राष्ट्र ने किसी देश के विकास के लिए बताए हैं।

बेका समझौता महत्वपूर्ण उपलब्धि: राजनाथ

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिका के साथ बेसिक एक्सचेंज एंड कॉपरेशन (बेका) समझौते को महत्वपूर्ण उपलब्धि करार देते हुए आज कहा कि इससे दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को और मजबूती मिलेगी। दोनों देशों के रक्षा और विदेश मंत्रियों के बीच मंगलवार को यहां तीसरे टू प्लस टू संवाद के दौरान इस समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो तथा रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा विदेश मंत्री एस जयशंकर की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। सिंह ने बाद में इसे महत्वपूर्ण उपलब्धि करार देते हुए कहा कि वर्ष 2016 में लेमोआ और 2018 में कोमकासा समझौतों पर हस्ताक्षर के बाद यह समझौता इस दिशा में बड़ा कदम है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके अलावा बातचीत में इस बात पर सहमति बनी है कि भारत और अमेरिका एक दूसरे के रक्षा प्रतिष्ठानों पर जरूरत के अनुसार लायजन अधिकारियों को भेजेंगे। इससे जानकारी का आदान प्रदान बढेगा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि दोनों देशों का सैन्य सहयोग बेहतर तरीके से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ सलाह के बाद हमने आस्ट्रेलिया को मालाबार अभ्यास में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

जम्मू-कश्मीर में अब कोई भी भारतीय खरीद सकेगा जमीन

(विशेष संवाददाता)

जम्मू । केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए भूमि कानून के तहत आज एक महत्वपूर्ण अधिसूचना केंद्र सरकार ने जारी की है। इसके बाद भारत का कोई भी नागरिक जम्मू कश्मीर में अब मकान, दुकान और कारोबार के लिए जमीन खरीद सकेगा और वहां पर बस सकेगा।

फिलहाल खेती की जमीन को लेकर रोक बरकरार रहेगी। इस आदेश को यूनियन टेरिटरी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर रिऑर्गनाइजेशन थर्ड ऑर्डर, 2020 के नाम से जाना जाएगा। पांच अगस्त, 2019 से पूर्व जम्मूकश्मीर राज्य की अपनी एक अलग संवैधानिक व्यवस्था थी। उस व्यवस्था में सिर्फ जम्मूकश्मीर के स्थायी निवासी ही राज्य में जमीन खरीद सकते थे। देश के किसी अन्य भाग का कोई भी नागरिक जम्मू कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकता था। इसके अलावा अनुच्छेद 370 व 35ए लागू होने के कारण पहले देश के बहुत सारे कानून इस राज्य में लागू नहीं होते थे। कुछ चंद कानूनों को छोड़कर अन्य कानून तभी लागू हो सकते थे, जब राज्य की विधानसभा में उन्हें मंजूरी मिल जाती थी। यहां तक कि पश्चिमी पाकिस्तान से आए हुए रिफ्यूजियों, पंजाब से लाए हुए सफाई कर्मचारियों व सदियों से रह रहे गोरखा लोगों को भी राज्य की नागरिकता प्राप्त नहीं थी। वे राज्य विधानसभा के चुनावों में वोट तक नहीं डाल सकते थे। सरकारी नौकरियों पर भी उनका कोई हक नहीं था और न ही वह जमीन खरीद सकते थे। इतना ही नहीं जम्मूकश्मीर की लड़की यदि अन्य राज्य के किसी लड़के से शादी करती थी तो उसका अपनी पैतृक संपत्ति से भी अधिकार खत्म हो जाता था। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 के अपने एक ऐतिहासिक फैसले में जम्मूकश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को खत्म कर दिया था।

दिल्ली-NCR, हरियाणा, पंजाब सहित 6 राज्यों में 42 स्थानों पर छापेमारी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली,27 अक्टूबर आयकर विभाग ने फर्जी बिल बनाकर बड़े पैमाने पर पैसों की हेराफेरी करने वाले लोगों के एक बड़े नेटवर्क का भांडाफोड़ करते हुए राजधानी दिल्ली सहित 6 राज्यों में राष्ट्रीय स्तर पर छापेमारी की है।

इस दौरान नकली बिलों के आधार पर 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की हेराफेरी के सबूत मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। छापेमारी की कार्रवाई दिल्लीएनसीआर के अलावा, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड और गोवा में करीब 42 स्थानों पर की गई है। इस दौरान फर्जी बिल के आधार पर पैसों की हेराफेरी करने वाले एंट्री ऑपरेटरों, बिचौलियों, लाभार्थियों और कंपनियों के खिलाफ कई सबूत जब्त किए गए। तलाशी के दौरान कई ऐसे सबूत हाथ लगे हैं, जिनसे पता चला है कि एंट्री ऑपरेटरों ने फर्जी बिल के आधार पर बेहिसाब धन की निकासी और असुरक्षित ऋण देने के लिए कई फर्जी

कंपनियों के नाम का इस्तेमाल किया। इसमें ऐसे ऑपरेटरों, उनके नकली भागीदारों एवं कर्मचारियों के साथसाथ लाभार्थियों के विवरण भी स्पष्ट रूप से दर्ज हैं। आयकर विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी की माने तो जिन लोगों के खिलाफ तलाशी की गई है उनके परिजनों और उनके करीबी कर्मचारियों के नाम पर कई बैंक खाते और लॉकर तथा फर्जी कंपनियां खोले जाने की जानकारी भी मिली है। ये सारे काम बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से किए गए हैं। इस फर्जी धंधे से लाभ उठाने वाले लोगों ने कई बड़े शहरों में रियल एस्टेट कारोबार में निवेश किया है और करोड़ों रुपये बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट किए हैं। इनकम टैक्स विभाग की ओर से हुई हाईलेवल छापेमारी एवं तलाशी के दौरान 2.37 करोड़ रुपये नकद और 2.89 करोड़ रुपये मूल्य के जवाहरात बरामद हुए हैं। इसके साथ ही ऐसे 17 बैंक लॉकरों का भी पता चला है जिनका अभी तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। आयकर विभाग इस मामले में आगे और जांच कर रहा है।

भारतीय सेना की बनेगी पांच थिएटर कमांड

नई दिल्ली, 28 अक्तूबर। चीन और पाकिस्तान सीमा पर चल रहे तनावों के बीच भारतीय सेना की तीनों सेवाओं के पुनर्गठन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अमरीका और चीन की तर्ज पर थिएटर कमांड बनाया जाएगा, जिसमें थल सेना, वायु सेना और जल सेना संयुक्त रूप से एक ऑपरेशनल कमांडर के अधीन काम करेंगी। ये थिएटर कमांड 2022 तक ऑपरेशनल मोड में आ जाएंगी। फिलहाल पांच थिएटर कमांड बनाना तय हुआ है, जिसमें चीन और पाकिस्तान सीमा की निगरानी के लिए समर्पित उत्तरी और पश्चिमी थिएटर कमांड होंगी। थिएटर कमांड का कांसेप्ट चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल बिपिन रावत का है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक रावत के इस कांसेप्ट को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी समर्थन मिल चुका है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने करीब दस दिन पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी सैनिकों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताते हुए सीमा पर बढ़ती चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया था। इसके बाद सरकार हरकत में आई और थिएटर कमांड के कांसेप्ट पर आगे बढ़ने का इशारा दिया। थिएटर कमांड सिस्टम अपनाने पर भारतीय सेना की तीनों सेवाओं (थल, नभ और जल) का पुनर्गठन करना होगा। वर्तमान में तीनों सेना अपने अलग अलग कमांडरों के निर्देशन में काम करती हैं। लेकिन थिएटर कमांड में तीनों सेनाओं को एक ही ऑपरेशनल कमांडर के अधीन काम करना होगा। तीनों सेनाओं के पास फिलहाल अलगअलग 17 सिंगल कमांड हैं। सात थल सेना के पास, सात वायु सेना के पास और तीन नौ सेना की हैं।

24 घंटे में 36,469 नए केस

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । भारत में कोरोना के मामले लगातार कम हो रहे हैं लेकिन कुछ राज्यों में अभी भी कोरोना मामलों की रफ्तार तेज है। देश में कोरोना से 79।45 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से करीब 72 लाख लोग ठीक होकर घर को लौट गए हैं। वहीं, 6।26 लाख मरीजों का इलाज जारी है।

इसके अलावा इस महामारी के कारण 1।19 लाख लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि, मिजोरम देश का ऐसा इकलौता राज्य है जहां कोरोना से अभी तक एक भी व्यक्ति की मौत नहीं हुई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के मुताबिक सोमवार तक कोरोना वायरस के कुल 10,44,20,894 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। इनमें से 9,58,116 सैंपल कल यानी सोमवार को टेस्ट किए गए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के मुताबिक भारत में कोरोना वायरस की मृत्यु दर लगातार घट रही है और अब मृत्यु दर 1।5% हो गई है। 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की मृत्य दर

1त्न से कम है। दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 2,832 नए कोरोना मामले सामने आए हैं और 3,736 मरीज ठीक हुए। वहीं, 24 घंटे में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 54 दर्ज हुआ। यहां कुल मामले बढ़कर 3,59,488 हो गए हैं, जिनमें 3,27,390 ठीक हो चुके हैं और 6,312 मरीजों की मौत हो चुकी है। राजधानी में इस समय 25,786 एक्टिव केस हैं। चुनावी राज्य बिहार में सोमवार को कोरोना वायरस के 513 नए मरीज सामने आने से राज्य में संक्रमण के मामले बढ़कर 2,12,704 हो गए जबकि 9 और मरीजों की मौत हो जाने से मृतक संख्या बढ़कर 1,058 हो गई। राज्य में एक्टिव केस 9,639 हैं। राज्य में पिछले 24 घंटे में 1,087 मरीज ठीक हुए हैं जिसके साथ ही 2,02,007 रोगियों को कोविड19 संक्रमण से निजात मिल गया है। विभाग के मुताबिक राज्य में कोविड 19 के मरीजों के स्वस्थ होने की दर 94।97 फीसदी है। दुनिया में कोरोना महामारी का कहर जारी है। संक्रमितों की संख्या 4।34 करोड़ के पार पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री ने यूपी के स्ट्रीट वेण्डर्स से की बात, बदलेगी सूरत

'दो गज की दूरी, मास्क है जरूरी' को सदैव अमल में लाना होगा, त्योहार के समय में विशेष सावधानी बरतनी होगी

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ/दिल्ली, 27 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश की सरकार गरीबों के उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है। आज गरीबों के लिए बनाई गई योजनाओं का लाभ उन्हें त्वरित गति से मिल रहा है। इन योजनाओं का लाभ लेने में आने वाली दिक्कतों को तकनीकी का प्रयोग कर खत्म किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार केन्द्रीय योजनाओं के साथ साथ अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर गरीबों को लाभ पहुंचाकर उनका जीवन सुगम बना रही है।

प्रधानमंत्री ने यह विचार आज पी0एम0 स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि (पी0एम0 स्वनिधि) योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के पी0एम0 स्वनिधि लाभार्थियों के साथ वर्चुअल संवाद के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि लाभार्थियों से बात करने पर पता चला कि आज बैंक खुद उनके पास पहुंचकर इस योजना का लाभ उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने गरीब रेहड़ी, ठेले वालों, पटरी दुकानदारों को ऋण के रूप में आर्थिक मदद पहुंचाने के लिए बैंकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस योजना को सफल बनाने के लिए बैंक कर्मियों ने बहुत मेहनत की है। आज का दिन आत्मनिर्भर भारत के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

यह दिन कठिन परिस्थितियों पर उत्तर प्रदेश के गरीब कैसे विजय प्राप्त करते हैं, इस बात को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान रेहड़ी, ठेले वालों और पटरी दुकानदारों के ऊपर रोजगार का संकट आ गया था।

सरकार इनकी आर्थिक दशा सुधारने और इन्हें फिर से रोजगार मुहैया कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही थी, जिसका प्रतिफल यह योजना है। कोरोना काल में गरीबों की सहायता के लिए

1.70 लाख करोड़ रुपये की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना शुरू की गई। इसके अलावा 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष अर्थिक पैकेज को भी लागू किया गया। इस पैकेज के माध्यम से कोविड19 से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने में काफी मदद मिल रही है। इसके तहत गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वनिधि योजना के माध्यम से रेहड़ी, ठेले वालों और पटरी दुकानदारों को अपना रोजगार खड़ा करने में काफी मदद मिल रही है। आज यह योजना तेजी से लागू हो रही है। आजादी के बाद इस प्रकार की योजना पहली बार बनी और इसे तेजी से लागू किया जा रहा है। जिसके कारण गरीबों को रोजगार में काफी मदद मिल रही है। यह योजना गरीबों के श्रम का सम्मान है। आत्मनिर्भर भारत बनाने में गरीबों के योगदान को इसके माध्यम से पहचान मिल रही है। इसके तहत इस बात का ध्यान रखा गया है कि गरीबों को ऋण प्राप्ति में कोई दिक्कत न हो। ज्यादा से ज्यादा तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए उन्हें लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत लाभार्थियों को लाभ लेने के लिए किसी गारन्टर, कागजी कार्यवाही की आवश्यकता नहीं है। योजना में दलालों की कोई भूमिका सम्भव नहीं है। योजना का लाभ लेने वाले अपना आवेदन स्वयं अपलोड कर सकते हैं। लाभार्थियों को लोन लेने कहीं नहीं जाना पड़ेगा। बैंक स्वयं उनके खाते में लोन पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में स्ट्रीट वेण्डर्स का बड़ा योगदान है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि रोजगार की तलाश में उत्तर प्रदेश से बड़े पैमाने पर पलायन को रोकने में स्ट्रीट वेण्डर्स की बड़ी भूमिका है। इस योजना के अन्तर्गत पूरे देश में अब तक 25 लाख आवेदन मिले हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना के अन्तर्गत पटरी दुकानदारों को 10,000 रुपये तक का सिक्योरिटी फ्री लोन उपलब्ध कराया जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना को लागू करने में उत्तर प्रदेश प्रथम स्थान पर है। इससे पता लगता है कि उत्तर प्रदेश सरकार पटरी दुकानदारों के रोजगार अवसरों के प्रति संवेदनशील है। देश का गरीब ईमानदारी और आत्मसम्मान से समझौता नहीं करता। इस योजना के तहत लाभ पाने वाले लोग दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। आज रेहड़ी वाले लोन लेकर काम भी कर रहे हैं और लोन भी चुका रहे हैं। उन्होंने लाभार्थियों को ज्यादा से ज्यादा रेहड़ी वालों, पटरी दुकानदारों इत्यादि को इस योजना के बारे में जानकारी देने के लिए कहा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस योजना के लाभार्थियों को ऋण के नियमित भुगतान पर 07 प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी दी जा रही है। इसके अलावा, डिजिटल लेनदेन पर साल भर में 1,200 रुपये तक कैशबैक की भी सुविधा दी जा रही है। साथ ही, लाभार्थी द्वारा समय से भुगतान करने पर अगली बार उसे बड़ा लोन देने पर भी विचार किया जाएगा।

एक नजर

बसों में लगा स्पीड गवर्नर ओवरस्पीड का चालान मिल रहा

नई दिल्ली। बस गति सीमा को नियंत्रित करने के लिए बसों में 40 की गति वाले स्पीड गवर्नर लगे हैं, लेकिन बस चालकों को ओवरस्पीड के चालान मिल रहे हैं। दिल्ली परिवहन मजदूर संघ के अनुसार, डीटीसी के कई चालकों को ओवरस्पीड के संबंध में चालान प्राप्त हुए हैं। दिल्ली परिवहन मजदूर संघ के महामंत्री कैलाश चंद मलिक ने बताया कि चालकों को ओवरस्पीड के चालान अब मिलने शुरू हुए हैं। यह चालान पिछले कुछ महीनों के हैं, जबकि बस चालक स्पीड गवर्नर लगे होने की वजह से 40 की गति से ज्यादा बस को चला नहीं सकता है। चालकों को ओवरस्पीड के चालान क्यों मिल रहे हैं। चार हजार रुपये की राशि वाला चालान चालक भरने में असमर्थ है। हमारी मांग है कि बस चालकों को मिलने वाले ओवरस्पीड के चालान की जांच हो। साथ ही इन चालान को निरस्त किया जाए। इसके अलावा बसों में लगे स्पीड गवर्नर की जांच हो, जिससे बस को तेज गति से दौड़ाने की स्थिति भी स्पष्ट हो जाएगी। यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह बेहद जरूरी है। वरना संघ इस संबंध में आंदोलन करेगा।

डेंगू की रोकथाम के लिए जरूरी है सभी की भागीदारी- इशराक खान

नई दिल्ली। सीलमपुर के पूर्व विधायक एवं दिल्ली राज्य हज समिति के पूर्व अध्यक्ष हाजी मौहम्मद इशराक खान ने जारी किए गए अपने एक वक्तव्य में कहा है कि दिल्ली में डेंगू की रोकथाम के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है।उन्होंने कहा है कि दिल्ली में पिछले वर्ष की तरह ही अभी तक डेंगू की स्थिति नियंत्रण में है और इसके लिए समस्त दिल्ली वासियों का प्रयास सराहनीय है।उन्होंने दिल्ली वासियों से आग्रह किया है कि घर में एकत्रित स्वच्छ जमा पानी को बदलें क्योंकि डेंगू के मच्छर साफ स्थिर पानी में पनपते हैं इसलिए बर्तन, कूलर, एयरकंडीशनर, टायर व फूलदान आदि में जमा पानी को हर सप्ताह बदलें।जमा पानी में तेल या पेट्रोल की कुछ बूंदें डालें जिससे कि पानी पर तेल की छोटी परत बन जाए।पानी की टंकी को हमेशा ढककर रखें। उन्होंने कहा कि हम सभी को चाहिए कि अपने घरों का निरीक्षण करें और अपने दस दोस्तों को भी कॉल करके इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करें ताकि हमें डेंगू को फैलने से रोकने में पूरी तरह से सफलता हासिल हो सके।

नमस्ते कर बुजुर्गों को लूटने वाले गैंग का सरगना दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 'नमस्ते गैंग' के सरगना को गिरफ्तार करने का मंगलवार को दावा किया है। यह गिरोह लोगों से लोगों से लूटपाट करने से पहले हाथ जोड़कर उनका अभिवादन करता है। पुलिस ने बताया कि हरियाणा के फरीदाबाद का रहने वाला चांद मोहम्मद (35) बुजुर्ग लोगों को उनके किसी संबंधी का परिचित या दोस्त बनकर निशाना बनाता था और उनके गहने लूट ले जाता था। पुलिस ने बताया कि चांद मोहम्मद ने 2017 के बाद दिल्ली और आसपास के इलाकों में ऐसे 100 से अधिक अपराधों को अंजाम दिया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपने शिकारों को हाथ जोड़कर नमस्कार करता था और उनके पैर छूकर आशीर्वाद मांगता था। इसके बाद वह धोखे से उनसे उनके गहने मांग लेता था और फिर वहां से फरार हो जाता था। इसके साथ ही पुलिस ने फरीदाबाद के ही रहने वाले दिनेश कुमार सोनी नाम के व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है जो चांद मोहम्मद से कथित तौर पर चोरी की वस्तुएं खरीदता था। महिला ने इस बारे में शिकायत की थी, तब मामला प्रकाश में आया था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने करीब 60 लाख तक के गहने चुराए, लेकिन ज्यादातर पैसा वह जुए में हार गया।

एमसीडी के डॉक्टरों को कई महीने से तनख्वाह नहीं मिली

दिल्ली सरकार ने बोला हमला, कहा- कुप्रबंधन और घोर भ्रष्टाचार से एमसीडी नहीं चल सकती

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी के डॉक्टरों को कई महीने से तनख्वाह नहीं मिल रही है, यह बेहद ही शर्मनाक बात है। इस तरह के कुप्रबंधन और घोर भ्रष्टाचार से एमसीडी नहीं चल सकती, एमसीडी में भ्रष्टाचार बंद होना होगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जिन डॉक्टरों ने हमारे और हमारे परिवारों की रक्षा, इलाज और सेवा करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाला, आज वे हड़ताल पर हैं। इस संवेदनशील मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 2015 में हमारी सरकार बनी है, तब से हमने पिछली सरकारों की तुलना में दोतीन गुना ज्यादा पैसे का भुगतान किया है, वह पैसा कहां गया? केंद्र सरकार दिल्ली नगर निगम को छोड़कर पूरे देश के सभी नगर निगमों को अनुदान देती है। केंद्र सरकार को अनुदान के 12000 करोड़ रुपए एमसीडी को देने हैं, अभी इसमें से कुछ पैसे दे देना चाहिए, ताकि डॉक्टरों के वेतन का भुगतान किया जा सके।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के उद्घाटन के मौके पर एमसीडी के डॉक्टरों द्वारा वेतन की मांग को लेकर की जा रही हड़ताल के संबंध में भी सरकार की स्थिति साफ की। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी अपने नगर निगम के कुछ डॉक्टर हड़ताल

पर बैठे हुए हैं। उनको कई महीने से तनख्वाह नहीं मिली है। यह हम सब लोगों के लिए बड़े शर्म से डूब मरने वाली बात है, जिन डॉक्टरों ने कोरोना के समय अपनी जान की बाजी लगाकर हमारे परिवार और हमारी रक्षा की, हमारा इलाज किया, हमारी सेवा की, उन डॉक्टरों को कईकई महीनों तक सैलरी नहीं मिले, यह सही नहीं है। यह बहुत ही बड़ा संवेदनशील मामला है। इस मुद्दे पर बिल्कुल भी राजनीति नहीं होनी चाहिए। किसी को भी इस मुद्दे पर कोई राजनीति नहीं करनी चाहिए। सबका प्रयास यह होना चाहिए कि उनको उनकी सैलरी कैसे दिलवाई जाए। इस पूरे मामले को मैंने समझने की कोशिश की। हम पिछले कई सालों से देख रहे हैं कि नगर निगम में बारबार तनख्वाह देने के लाले पड़ जाते हैं। कभी सफाई कर्मचारियों को तनख्वाह नहीं मिली, कभी शिक्षकों को तनख्वाह मिली, कभी डॉक्टरों को तनख्वाह नहीं मिली। आखिर नगर निगम के अंदर ऐसे पैसे की इतनी कमी क्यों हो रही है, यह सोचने वाली बात है। इतनी पैसे की कमी क्यों हो रही है? कुछ लोग कह रहे हैं कि दिल्ली सरकार ने पैसा नहीं दिया? मैंने अपने वित्तमंत्री और सभी अधिकारियों से पूरा पता किया और पाया कि एकएक पैसा, जितना एमसीडी का बनता था, दिया गया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि संविधान और कानून के अंदर साफसाफ लिखा हुआ है। टैक्स दिल्ली की आम जनता देती है, यह पैसा जनता का है।

यह पैसा मेरा नहीं है। संविधान में लिखा है कि टैक्स से कितने पैसे आएंगे और कैसेकैसे बांटे जाएंगे? जितना पैसा संविधान में लिखा हुआ है, हमने एमसीडी को अभी तक उससे 10 रुपए अधिक ही दिया है। हमारी सरकार 2015 में आई थी। 2013 में कांग्रेस की सरकार थी। 2014 में राष्ट्रपति शासन था, बीजेपी की सरकार थी। उन दिनों में नगर निगमों को जितने पैसे देते थे, हम लोगों ने उससे दोगुनातीन गुना पैसे देने शुरू कर दिए वो पैसे कहां गए? एमसीडी के अंदर 2013 और 2014 के बाद नई भर्तियां भी नहीं हुई है। कर्मचारियों की दोगुनीतीन गुनी सैलरी भी नहीं बढ़ी है। अगर हमने पैसे दोगुने तीन गुने देने शुरू कर दिए, तो नगर निगम में पैसे जा कहां रहे हैं? सफाई कर्मचारियों की तनख्वाह क्यों नहीं मिल पा रही है, डॉक्टरों की तनख्वाह क्यों नहीं मिल पा रही है, शिक्षकों की तनख्वाह क्यों नहीं मिल पा रही है? यह सोचने वाली बात है।

रेड लाइट पर गाड़ी बंद करके प्रदूषण को कम करने में योगदान दें दिल्लीवासी

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यहीं पर बगल में ही कूड़े का एक पहाड़ है, इसे कम करने में सालों साल लग गए, लेकिन एमसीडी इसे टस से मस नहीं कर पाई और योजनाएं बनती रहीं, घोषणाएं होती रहीं। भलस्वा के अंदर भी कूड़े का एक पहाड़ है। वहीं, दिल्ली सरकार ने आरोपों प्रत्यारोपों से आगे बढ़ कर एक नया मॉडल खड़ा किया है कि दिल्ली के अंदर मंडियों में जो कूड़ा पैदा होता है, उस कचरे से हम ऊर्जा भी पैदा करेंगे और खाद पैदा करेंगे। मुझे लगता है कि यह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी की जो दिल्ली को स्थाई रूप से प्रदूषण मुक्त बनाने की लड़ाई है, उसमें नई शुरुआत हुई है। इसके साथसाथ दिल्ली के अंदर ग्रीन क्षेत्र बनाने का काम निरंतर चल रहा है। दिल्ली के अंदर पेड़ों ग्रीन बेल्ट है, वह आगे बढ़े, इसीलिए अरविंद केजरीवाल ने ट्री ट्रांसप्लांट पॉलिसी दिल्ली की जनता को समर्पित किया, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पॉलिसी को समर्पित किया। दिल्ली के अंदर डेढ़

हजार ऐसी फैक्ट्रियां थीं, जो जहरीले ईंधन से चलती थी, पिछले 3 साल से लगातार मेहनत के बाद उनमें से लगभग 1400 फैक्ट्रियां आज पीएनबी पर चल रही हैं। दिल्ली के अंदर निरंतर काम हो रहा है, अस्थाई रूप से काम हो रहा है और तत्कालिक भी काम हो रहा है। उस दिशा में मुझे भरोसा है कि आज जो इस प्लांट की शुरुआत हुई है, इसे हम अन्य मंडियों तक लेकर जाएंगे और इसके सफलता के आधार पर आगामी दिनों में सरकार दिल्ली के अंदर और जगहों पर कूड़े कचरे से बिजली बनाने की तरह बढ़ेगी। मुझे भरोसा है कि आप सब लोगों का जिस तरह से अरविंद केजरीवाल को आशीर्वाद मिला है और अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में दिल्ली के अंदर विकास और प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई हम मिलकर लड़ेंगे। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान सीएम अरविंद केजरीवाल जी ने शुरु किया है, उसने हमें कोई नुकसान नहीं है, हमें सिर्फ फायदा ही फायदा है। रेड लाइट पर हम प्रतिदिन करीब 15 से 20 मिनट तक गुजारते हैं।

दिल्ली सरकार के एक स्कूल से 5 बच्चे IIT में चयनित, उपमुख्यमंत्री ने स्कूल जाकर दी बधाई

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज दिल्ली सरकार के एक स्कूल आरपीवीवी, पश्चिम विहार का दौरा किया।

इस साल इस स्कूल के 5 बच्चे **IIT** में दाखिला ले रहे हैं. इसी स्कूल के 22 बच्चों नें नीट की परीक्षा भी क्वालीफाई की है। सिसोदिया नें स्कूल जाकर वहां के शिक्षकों और प्रिंसिपल को इस ऐतिहासिक सफलता की बधाई दी। सिसोदिया ने कहा कि, जिस तरह आपके स्कूल से पांच बच्चे आइआइटी में और 22 बच्चे नीट की परीक्षा में सफल हुए हैं वैसा ही कमाल बाकी सभी स्कूल भी कर सकते हैं। आज मैं आपको इस सफलता की बधाई देने आया हूं। आपकी बेस्ट प्रेक्टिस से अन्य स्कूल भी सीख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस साल आरपीवीवी स्कूल, पश्चिम विहार के पांच बच्चों को आइआइटी में एडमिशन का मौका मिला है। इसी

स्कूल के 22 बच्चों को नीट में भी सफल रहे हैं। सिसोदिया ने आज विद्यालय का दौरा करके इस ऐतिहासिक सफलता के लिए प्रिंसिपल और शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी का सपना है कि दिल्ली के हर सरकारी स्कूल के बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने और देश का नाम रौशन करने का भरपूर अवसर मिले।सिसोदिया ने कहा कि पांच साल पहले हमने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में उत्कृष्ट शिक्षा का सपना देखा था। अब बारहवीं के बोर्ड में 98 फीसदी रिजल्ट आने और जेईई और नीट में मिली सफलता बताती है कि हमारा सपना साकार हो रहा है। इससे यह भी पता चलता है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता काफी उच्चस्तरीय हो चुकी है। हमें इन सफलताओं से सीखते हुए दिल्ली की शिक्षाक्रांति को इतना कारगर बनाना है ताकि इससे देश ही नहीं, पूरी दुनिया को प्रेरणा मिले। मीटिंग के दौरान स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षकों ने अपनी बेस्ट प्रेक्टिस की विस्तार से जानकारी दी। प्रिंसिपल प्रीति सक्सेना ने कहा कि हमलोग छठी से आठवीं कक्षा के दौरान ही बच्चों को सभी प्रकार के शैक्षणिक कैरियर के बारे में जागरूक करते हैं ताकि वे अपना सही रास्ता चुन सकें। उन्होंने कहा कि हमने फाइवसी मॉडल अपनाया है। इसमें कनेक्ट, काउंसिलिंग, कांस्टेंट मोटिवेशन, क्यूरियोसिटी और क्रिएटिव थिंकिंग शामिल है। शिक्षकों ने बताया कि हमने बच्चों को रोचक एवं व्यावहारिक तरीकों से सिखाने की भरपूर कोशिश की।

धर्म की परिभाषा तय करने के लिए दायर याचिका SC ने खारिज की

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने धर्म की परिभाषा तय करने के लिए दायर एक याचिका खारिज कर दी। चीफ जस्टिस एसए बोब्डे की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि हम न तो इस विषय के विशेषज्ञ हैं और न ही हम इस पर सुनवाई कर सकते हैं। याचिका रमेशचंद्र विट्ठलदास शेठ नामक 87 साल के बुजुर्ग ने दायर किया था।

सुनवाई के दौरान खुद याचिकाकर्ता पेश हुए और कोर्ट से कहा कि संविधान में धर्म की परिभाषा तय नहीं की गई है लेकिन धर्म से जुड़े कई धाराएं संविधान का हिस्सा हैं। धर्म की परिभाषा तय किए बिना इन धाराओं का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। तब चीफ जस्टिस ने कहा कि धर्म की परिभाषा तय करना कोर्ट का काम नहीं है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कोर्ट से कहा कि सभी धर्म एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। एक ही ईश्वर को मानते हैं। अगर धर्म की परिभाषा तय कर दी जाएगी तो हर तरह का विवाद खत्म हो जाएगा। आतंकवाद और और परमाणु युद्ध का खतरा टल जाएगा। पाकिस्तान से भी सारे विवाद खत्म हो जाएंगे, क्योंकि पाकिस्तान को भी ये समझ में आ जाएगा कि गीता और कुरान एक ही हैं। तब कोर्ट ने कहा कि आप 87 साल के हैं। आप पूरा जीवन क्या करते रहे। ये बातें आपने पहले क्यों नहीं रखीं। तब याचिकाकर्ता ने कहा, 'मैं पिछले 50 सालों से धर्म के बारे में लोगों को बता रहा हूं। मेरे अनुभव का लाभ उठाया जा सकता है। हमारा महान देश हमेशा के लिए सुरक्षित हो सकता है।' इस पर कोर्ट ने कहा कि हम भी चाहते हैं कि हमारा महान देश सुरक्षित रहे, लेकिन हम धर्म के विशेषज्ञ नहीं हैं। आप केंद्र सरकार के पास अपना प्रतिवेदन दीजिए।

सीएम अरविंद केजरीवाल कल ग्रीन दिल्ली एप का करेंगे शुभारंभ

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। सीएम अरविंद केजरीवाल ग्रीन दिल्ली एप का 29 अक्टूबर को 12 बजे शुभारंभ करेंगे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसको लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ आज समीक्षा बैठक की। ग्रीन दिल्ली एप से संबंधित शिकायत निवारण प्रक्रिया को लेकर की गई समीक्षा बैठक में पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, एमसीडी, एनडीएमसी, डीडीए, पीडब्लूडी, दिल्ली पुलिस, दिल्ली फायर सर्विस, एनएचएआई आदि विभागों के नोडल अधिकारी शामिल हुए। ग्रीन दिल्ली एप का इस्तेमाल कर लोग कचरा जलाने, औद्योगिक प्रदूषण, धूल की शिकायतों से सरकार को अवगत करा सकेंगे। समीक्षा बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि ग्रीन दिल्ली एप का शुभारम्भ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल 29 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे करेंगे। ग्रीन दिल्ली एप

से मिलने वाली शिकायतों के निवारण के लिए एक समय सीमा तय होगी, इसके अंतर्गत संबंधित विभाग को शिकायत का निपटारा करना पड़ेगा। एप से सभी संबंधित विभाग जुड़े रहेंगे और प्रदूषण से सबंधित कोई भी शिकायत आने पर वह स्वयं ही संबंधित विभाग को चली जाएगी। इस एप से संबंधित विभाग के नोडल अफसर एवं उनके अधीनस्थ अन्य अधिकारी जुड़े रहेंगे। यह एप फोटो और वीडियो शिकायत पर आधारित होगा। समय पर शिकायत का निस्तारण नहीं होने पर सम्बंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी ने विकसित की मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली दवा ओर एंटी ऐजिंग प्रौद्योगिकी

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने कम लागत वाली मेंब्रेन प्रौद्योगिकी का विकास किया है जिसमें खट्टे रसदार फलों और उनके छिलकों जैसे कृषि संसाधनों का इस्तेमाल कर मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली दवा और उम्र वृद्धि के प्रतिकूल यौगिक तैयार किया गया है। इस प्रौद्योगिकी का विकास आईआईटी गुवाहाटी के पर्यावरण केंद्र के प्रमुख और रासायनिक इंजीनियरिंग के प्रोफेसर मिहिर कुमार पुरकैट ने एम. टेक के छात्र वी. एल. धाडगे के साथ मिलकर किया है। इसमें किसी रासायनिक पदार्थ का इस्तेमाल नहीं किया गया है। पुरकैट ने बताया, ''मस्तिष्क को प्रभावित करने वाली दवाएं और उम्र वृद्धि के प्रतिकूल यौगिक एंजाइम कार्यकलाप का शुद्धिकरण करते हैं। चिकित्सकीय प्रयोगों के कारण उम्र वृद्धि के प्रतिकूल यौगिक को दवा उद्योग में काफी लोकप्रियता मिली है। ये कम मात्रा में बांस की पत्तियों, अंगूर, सेब और अन्य प्राकृतिक संसाधनों में भी पाए जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''विकसित प्रौद्योगिकी विशेष तौर पर सूक्ष्म कणों वाली है जिन्हें दबाव डालकर मेंब्रेन अलगाव प्रक्रिया से तैयार किया गया है।'' उपयुक्त मेंब्रेन इकाई के हिस्सों का शीतलन कर पाउडर की तरह उत्पाद तैयार कर लिया जाता है। प्रोफेसर ने बताया कि जो तकनीक व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हैं वे विभिन्न महंगे जैव विलयक जैसे क्लोरोफॉर्म, एसीटोन, एसीटोनाइट्राइल आदि का प्रयोग करते हैं और इस कारण इन दवा सामग्रियों की कीमत ज्यादा है, जिससे एंटीऑक्सीडेंट की कीमत ज्यादा हो जाती है। उन्होंने कहा, ''हमने जो तकनीकी विकसित की है उसमें महंगे जैव विलयकों की जरूरत नहीं है और इसमें केवल पानी का उपयोग किया गया है।

डीटीसी बहु-स्तरीय बस डिपो का निर्माण करेगा

विकास योजना के तहत मल्टी-लेवल बस पार्किंग डिपो का होगा निर्माण, हुआ समझौता

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । दिल्ली परिवहन निगम ने आज विभिन्न स्थानों पर स्थित डीटीसी के प्रमुख भूमि पार्सलों के विकास के लिए राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। समझौता ज्ञापन दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत की उपस्थिति में हस्ताक्षरित किये गए। इस मौके पर परिवहन आयुक्त, एमडी (डीटीसी), एमडी (एनबीसीसी) और परिवहन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। **NBCC** इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में कार्य करेगा जिसके तहत बहु स्तरीय बस पार्किंग डिपो का निर्माण , डीटीसी की आवासीय कॉलोनियों का पुनर्विकास और वाणिज्यिक सुविधाओं का विकास शामिल है। । एनबीसीसी पहले चरण में वसंत विहार डिपो, शादीपुर आवासीय कॉलोनी, हरि नगर आवासीय कॉलोनी और हरि नगर **I** और **II** डिपो का पुनर्विकास करेगा।

मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए लिखा डीटीसी

और एनबीसीसी ने हरि नगर और वसंत विहार में देश के पहले सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस बहु स्तरीय बस डिपो बनाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। अब अधिक बसें सीमित उपलब्ध स्थान पर खड़ी की जा सकती हैं। प्रति बस पार्किंग लागत भी बहुत कम होगी।

डीटीसी और **NBCC** के बिच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने एक बयान में कहा माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में परिवहन विभाग ने पिछले 1 वर्ष में कई नई पहल की हैं। आम लोगों के लिए हम विश्व स्तरीय पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुविधा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।आज हमने परिवहन आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। डीटीसी और एनबीसीसी के बीच इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ ही हम भारत के पहले मल्टीलेवल बस डिपो निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। एनबीसीसी, डीटीसी की कुछ अन्य संपत्तियों का भी पुनर्विकास करेगा। मुझे खुशी है कि इन परियोजनाओं को जीरो वेस्ट और सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल पर विकसित किया जाएगा। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर कई डिपो, टर्मिनलों, कार्यशालाओं और आवासीय कालोनियों का मालिक है। पिछले कई वर्षों में डीटीसी बसों की पार्किंग बढ़ाने के लिए विभिन्न संभावनाएं तलाश रहा था। इस समझौता ज्ञापन द्वारा डीटीसी का उद्देश्य बहुस्तरीय बस पार्किंग डिपो निर्माण, आवासीय कॉलोनियों का विकास और डिपो और टर्मिनलों का व्यावसायीकरण है। अगले कुछ महीनों में डीटीसी के अंतर्गत और अधिक बसें शामिल होंगी , ऐसे में पार्किंग आवशयक्ताओं को देखते हुए उपलब्ध भूमि के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता®
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । विश्व के कई प्रमुख देशों में वैश्विक महामारी कोविड 19 का प्रकोप एक बार फिर बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी बनी रहने से घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में मंगलवार को लगातार 25 वें दिन भी दोनों ईंधन की कीमतों में कोई घटबढ़ नहीं हुई।

डीजल के दाम में अंतिम बार कटौती दो अक्टूबर को हुई थी,जबकि पेट्रोल की कीमत पिछले 35 दिन से स्थिर हैं। पेट्रोल की कीमत में आखिरी बार 22 सितंबर को 7 से 8 पैसे प्रति लीटर की गिरावट देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हालांकि कच्चे तेल की कीमत में लगातार नरमी देखने को मिली। अमरीका और यूरोप में कोरोना वायरस की दूसरी लहर की वजह से मांग को लेकर चिंता है। तेल विपणन क्षेत्र की अग्रणी कंपनी इंडियन आयल के अनुसार आज दिल्ली में पेट्रोल 81.06 रुपये जबकि डीजल 70.46 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। वाणिज्यिक नगरी मुंबई में पेट्रोल 87.74 रुपये प्रति लीटर और डीजल 76.86 रुपये प्रति लीटर पर टिका रहा। कोलकाता में पेट्रोल 82.59 रुपये प्रति लीटर और डीजल 73.99 रुपये प्रति लीटर पर अपरिवर्तित रहा। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 84.14 रुपये प्रति लीटर और डीजव 75.99 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही।

स्कूटी हटाने के लिए कहने पर दुकानदार को अपहरण कर पीटा

नई दिल्ली। बिंदापुर इलाके में दुकान के सामने से स्कूटी हटाने के लिए कहने पर दो बदमाशों ने दुकानदार का दिनदहाड़े भरे बाजार से अपहरण कर लिया और उसकी जमकर पिटाई की। सड़क पर युवक को बेसुध पड़ा देख राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। वारदात 25 अक्तूबर की शाम की है। पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित मुकेश कुमार गुप्ता परिवार के साथ जैन कॉलोनी पार्ट1 उत्तम नगर में रहता है। वह इलाके में ही फुटपाथ पर दुकान लगाता है। 25 अक्तूबर की शाम को मुकेश दुकान लगा रहा था। उसी समय दो युवक पहुंचे और दुकान के सामने स्कूटी पार्क कर दी। इससे वहां जाम लगने लगा। मुकेश ने उनसे स्कूटी हटाने के लिए बोला तो वे झगड़ा करने लगे। इसके बाद मुकेश को जबरन अपनी स्कूटी पर बिठा लिया और उसे वहां से लेकर चले गए। आरोपी उसे हस्तसाल स्थित जेजे कॉलोनी की एक गली में ले गए, जहां लाठी, डंडों से जमकर पीटा। पिटाई के बाद जब वह बेसुध हो गया तो दोनों आरोपी उसे वहां छोड़कर फरार हो गए। सड़क पर पड़ा देख लोगों ने उसे पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसे डीडीयू रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। सूचना के बाद पहुंची बिंदापुर थाना पुलिस ने मुकेश के बयान पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

गाजीपुर मंडी से निकलने वाले कचरे से बनेगी बिजली

दिल्ली में कचरा प्रबंधन के लिए वेस्ट टू पावर प्लांट स्थापित किए जाएंगे: केजरीवाल

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज गाजीपुर के पोल्ट्री मार्केट में मंडी से निकलने वाले कूड़े से बिजली और खाद बनाने के प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन गोपाल राय समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गाजीपुर मंडी से प्रतिदिन निकलने वाले कचरे से वेस्ट टू पावर प्लांट की मदद से बिजली बनाई जाएगी। दिल्ली में कचरा प्रबंधन के लिए आने वाले कुछ वर्षों में इस तरह के कई छोटेछोटे प्लांट स्थापित किए जाने की जरूरत है। मौजूदा बड़े डब्ल्यूटीपी प्लांट और ऐसे सैकड़ों छोटे प्लांट्स को स्थापित करने के बाद रोजना निकलने वाले कचरे को कूड़े के पहाड़ों पर नहीं डालना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कचरे को रीसाइकिल किया जाना चाहिए, खाद में बदलने, बिजली पैदा करने या ईंट भट्ठों में उपयोग होना चाहिए, इससे दिल्ली समृद्ध हो सकती है। वहीं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा

कि इस प्लांट से बनी बिजली लोगों के घरों को रौशन भी करेगी और लोगों को कूड़े से निजात भी दिलाएगी। मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रदूषण के खिलाफ युद्ध का ऐलान किया है, वेस्ट टू एनर्जी प्लांट उस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मुझे बेहद खुशी है कि यह आज वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, कूड़े से बिजली बनाने और खाद बनाने वाला प्लांट शुरू हो रहा है। इस मंडी में जितना भी प्रतिदिन के आधार पर कूड़ा पैदा होगा, उस सारे कूड़े से रोज बिजली बनाई जाएगी।

दिल्ली देश की राजधानी है, राजधानी होने के नाते दिल्ली को राजधानी जैसे दिखना भी चाहिए, उस स्तर की साफसफाई भी होनी चाहिए, लेकिन हम देखते हैं कि चारों तरफ बहुत ज्यादा कूड़ाकूड़ा ही रहता है। दिल्ली के अंदर कूड़े के तीन बड़ेबड़े पहाड़ बन गए हैं। आज जो यह प्लान चालू हो रहा है, इसी तरह के ढेर सारे प्लांट पूरी दिल्ली में लगने की जरूरत है। यह छोटा सा प्लांट है, 15 टन कूड़ा कुछ भी नहीं होता है, उससे 1500 यूनिट बिजली प्रतिदिन बनेगी, जो बहुत ज्यादा नहीं है। लेकिन ऐसे छोटेछोटे सैकड़ों प्लांट पूरी दिल्ली के अंदर लगने की जरूरत है। एक तरफ कुछ बड़े प्लांट भी बेस्ट टू एनर्जी के प्लांट लगे हुए हैं, वह भी अच्छी बात है और दूसरी तरफ बहुत सारे छोटेछोटे प्लांट पूरी दिल्ली के अंदर लगेंगे, तो हम फिर ऐसी स्थिति में पहुंच सकते हैं कि दिल्ली का सारा कूड़ा, चाहे वह मंडी से निकले, चाहे घरों से निकले, चाहे दुकानों से निकले या फिर फैक्ट्रियों से निकले, वह सारा कूड़ा फिर इन पहाड़ों पर नहीं जाना चाहिए। कूड़े का एक भी दाना इन पहाड़ों पर नहीं जाना चाहिए, वह सारा का सारा कूड़ा रोजाना खत्म हो जाना चाहिए। उससे चाहे खाद बन जाए, बिजली बन जाए या फिर वो ईंट भट्ठे में चला जाए। उस कूड़े का कहीं न कहीं पर रीसाइकलिंग होनी चाहिए।

हवा की गति बढ़ने से दिल्ली की वायु गुणवत्ता में हल्के सुधार की संभावना

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार सुबह प्रदूषण का स्तर थोड़ा कम हो गया लेकिन हवा की गुणवत्ता अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि हवा की गति बढ़ने से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार होने की संभावना है।

हवा की गति कम होने और तापमान कम होने से प्रदूषक पदार्थ सतह के करीब हवा में जम जाते हैं, जबकि हवा की गति तेज होने से प्रदूषकों के बिखराव में मदद मिलती है। महानगर में सुबह 10 बजे एक्यूआई 335 दर्ज किया गया। 24 घंटे का औसत एक्यूआई सोमवार को 353 था। यह रविवार को 349, शनिवार को 345 और शुक्रवार को 366 था। उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 और 500 के बीच

'गंभीर' माना जाता है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसी 'सफर' के अनुसार, हवा की दिशा और गति पंजाब तथा हरियाणा के पड़ोसी क्षेत्रों में पराली जलाए जाने से निकले प्रदूषकों के यहां तक पहुंचने के लिए अनुकूल है। हालांकि, उसने कहा कि स्थानीय हवा की गति में सुधार होने से इसका प्रभाव कम होगा। पराली जलने से होने वाले प्रदूषण का दिल्ली की पीएम2.5 सघनता में हिस्सा सोमवार को 16 प्रतिशत था। यह रविवार को 19 प्रतिशत और शनिवार को 9 प्रतिशत था। नासा के कृत्रिम उपग्रह द्वारा ली गई तस्वीरों में पंजाब, हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पराली जलती हुई दिख रही है । पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, राज्य में इस साल 21 सितंबर से 25 अक्टूबर के बीच पराली जलाए जाने की 14,461 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि के दौरान इसकी 9,796 घटनाएं सामने आई थीं। हरियाणा में इस सीजन में अब तक पराली जलाए जाने की लगभग 4,284 घटनाएं दर्ज की गई हैं। केंद्र सरकार की वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली ने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता 31 अक्टूबर तक 'बहुत खराब' श्रेणी में रहने की आशंका है।

मुखबिरी के शक में व्यवसायी को मारी थी गोली

नई दिल्ली। उत्तर जिला पुलिस ने व्यवसायी वीरेंद्र को गोली मारकर घायल करने के मामले में सोमवार रात को दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को शक था कि वीरेंद्र पुलिस के लिए मुखबिरी करता है। इस दौरान एक आरोपी ने छत से कूदकर भागने का प्रयास किया, जिससे उसका पैर टूट गया। डीसीपी अंटो अल्फोंस ने बताया कि रविवार रात को तिमारपुर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। साइबर क्राइम टीम के एसआई रोहित और एसआई मनमीत की टीम ने सर्विलांस से जांच की। इस दौरान पुलिस को एक दर्जन से अधिक मोबाइल नंबर मिले। इन्हें खंगालने पर राहुल और रवि नाम के दो बदमाशों की भूमिका सामने आई। सर्विलांस से मालूम हुआ कि दोनों बदमाश बाइक से आगरा की तरफ जा रहे हैं। पुलिस की टीम दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए आगरा रवाना हुई। एसआई अशोक और अन्य पुलिसकर्मियों ने रवि के घर पर छापा मारा तो वह दूसरी मंजिल से कूद गया।

दिल्ली सरकार में पिछले 6 वर्षों एक भी नया कॉलेज स्कूल, सड़क, हाईवे बनाया गया: आदेश गुप्ता

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । दिल्ली सरकार अपनी संवेदनशीलता और मानवता को ताक पर रखकर नगर निगम को दबाने में जुट गई है और निगमों के बकाए फंड को देने में आनाकानी कर रही है। इस लेकर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली सरकार को कटघरे में खड़ा किया और पूछा कि दिल्ली सरकार का 60,000 करोड़ रुपए का बजट है, मुख्यमंत्री केजरीवाल हिसाब दें कि बजट का पैसा अभी तक दिल्लीवासियों के हितों में कहां और कितना खर्च हुआ? क्या पिछले 6 वर्षों में एक भी नया कॉलेज, स्कूल, सड़क, हाईवे बनाया गया?

आदेश गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार को नगर निगम को जो 13500 करोड़ रुपए देने हैं, पूरे तथ्यों के साथ वह तीसरे और चैथे डीएफसी का पैसा है, और निगमों के लिए जो स्वीकृत राशि जो निगमों का हक है वह भी दिल्ली सरकार नहीं दे रही है। निगमों के लिए शीला दीक्षित सरकार के समय जो ग्लोबल शेयर 17.6 प्रतिशत का था, वह भी केजरीवाल सरकार ने घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया

और कोरोना संकट में उस 10 प्रतिशत से भी 57 प्रतिशत की कटौती की। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य का नगर निगम राज्य सरकार से जुड़ा होता और उनसे ही संवैधानिक बाध्यता होती है। डीएमसी एक्ट भी कहता है कि नगर निगम की आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर दिल्ली सरकार को उनकी वित्तीय सहायता करना अनिवार्य है। यह दिल्ली सरकार की ही जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही है। बजट का 60,000 करोड़ खर्च कहां हो रहा है असल में मुख्यमंत्री केजरीवाल के प्रचारप्रसार के लिए खर्च हो रहा है। जिन निगम के कर्मचारियों के कामों का क्रेडिट मुख्यमंत्री केजरीवाल ले रहे हैं, उनके ही वेतन नहीं दे रहे हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था पर केंद्र सरकार खर्च करती, दिल्ली में मेट्रो, सड़क, हाईवे पर बड़ा हिस्सा केंद्र सरकार खर्च करती है, दिल्ली विकास प्राधिकरण के सोसाइटी, पार्क, घरों पर सीधा खर्च केंद्र सरकार करती है, दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों पर केंद्र सरकार खर्च करती है, दिल्ली में विकास योजनाओं पर भी केंद्र सरकार खर्च करती है, यहां तक कि दिल्ली के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और उनके तमाम मंत्रियों की सुरक्षा पर भी सारा पैसा केंद्र सरकार ही खर्च करती है, तो क्या दिल्ली सरकार सिर्फ राजस्व वसूलने के लिए है।

एक्सक्लूसिव सिख छात्रों को सिविल सेवा में प्रशिक्षण देने के लिए अकदमी खुली

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने प्रतिष्ठित आई.ए.एस सहित अन्य सिविल सेवाओं में सिख बच्चों के चयन को सुनिश्चित करने के लिए राजधानी दिल्ली में केवल मात्र सिख बच्चों के प्रशिक्षण के लिए गुरु तेग बहादुर अकादमी स्थापित की है।

देश में सिख युवक/युवतियों की प्रशासन में हिस्सेदारी बढ़ाने के उद्देश्य से खोली गई इस पहली अकादमी में केवल मात्र सिख छात्र/छात्राओं को प्रतिष्ठित सिविल सेवाओं के लिए गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि सिविल सेवाओं में सिखों की भागीदारी बढ़ाई जा सके। यह अकादमी विश्व पंजाबी संगठन के अध्यक्ष एवं दानवीर विक्रम सिंह साहनी की अध्यक्षता में स्थापित की गई है। यह जानकारी देते हुए दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि अकादमी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सिख बच्चों को प्रतिष्ठित प्राईवेट कोचिंग संस्थानों में स्पांसर करेगी तथा स्पॉसर बच्चों की कोचिंग फीस का 85 फीसदी अंशदान दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गरीब परिवार के मेधावी सिख छात्र/छात्रा को शत प्रतिशत कोचिंग फीस भी स्पांसर की जाएगी ताकि वह देश के सुविधा सम्पन्न अमीर परिवार के बच्चों की बराबरी कर सकें।

सिरसा ने बताया कि सिविल सर्विस की प्रारम्भिक परिक्षा पास कर चुके सभी सिख धर्म के छात्र/छात्राएं इस योजना के लाभ के स्वतः ही पात्र हैं तथा देश के किसी भी हिस्से में बसने वाले सिख धर्म के छात्र/छात्राएं इस योजना में स्वंय को पंजीकृत करवा सकते हैं। श्री सिरसा ने बताया कि सभी स्पांसर किए गए छात्र/छात्राओं को दिल्ली सिख गुरुद्वारा कमेटी दिल्ली में मुफ्त में रहने तथा भोजन,परिवहन आदि की भी व्यवस्था करेगी ताकि वहां से आने वाले छात्रों को किसी दिक्कत का सामना न करना पड़े।

एयर एशिया में उड़ान के दौरान मिलेगा खाना, एयरलाइन ने फिर शुरू की सेवा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । एयरएशिया में अब उड़ान के दौरान भोजन की सुविधा उपलब्ध होगी। एयरलाइन ने एक बार फिर से इसे बहाल कर दिया है। एयरएशिया इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसने सरकार द्वारा नियामकीय दिशानिर्देश में ढील के बाद यात्रियों के लिए विमान में भोजन की सुविधा को बहाल कर दिया है। विमान कंपनी ने कहा कि एयरलाइन ने विमान में भोजन की पेशकश के लिए पहले से ऑर्डर बुक करने की सुविधा को शुरू कर दिया है। उड्डयन मंत्रालय ने 27 अगस्त को विमान कंपनियों को घरेलू उड़ानों के दौरान पहले से पैक भोज्य पदार्थों, पेय पदार्थों तथा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के दौरान गरमा गरम भोज्य पदार्थों की पेशकश करने की अनुमति दे दी थी।

दूसरी विमान कंपनियों के साथ ही एयर एशिया इंडिया ने भी लॉकडाउन के कारण दो महीने के अंतराल के बाद 25 मई से घरेलू यात्री विमानों का संचालन बहाल किया। कंपनी ने कहा, एयर एशिया

इंडिया सरकार द्वारा जारी नियामकीय दिशानिर्देश में रियायत के बाद उड़ान के दौरान भोजन सेवा को बहाल करने जा रही है। एयरलाइन ने बयान में कहा कि इसमें 9 आइटम वैगन फूड के होंगे, इसके अलावा शाकाहारी भोजन, एगिटेरियन, पेस्केटेरियन (मछली से बने खाद्य पदार्थ) और जैन भोजन के ऑप्शन भी उपलब्ध होंगे। बयान के मुताबिक, सुरक्षा के उच्चतम मानदंडों को अपनाते हुए एयरएशिया इंडिया जानीमानी केटरिंग 'स्काईगोरमेट' और 'ताजएसएटीएस एयर कैटरिंग' का भोजन उपलब्ध कराएगी। इसके पहले चाय या कॉफी सहित दूसरे गरम पेय पदार्थों को परोसने पर भी बैन लगा दी गई थी। कुछ समय पहले इसी तरह फ्लाइट में एंटरटेन्मेंट की सुविधाओं को भी बहाल कर दिया गया था।

रेलवे स्टेशनों पर कर सकेंगे भ्रष्टाचार की शिकायत

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (वेबवार्ता)। रेलवे में कहीं भी आपको भ्रष्टाचार दिखे तो आप रेलवे स्टेशनों पर बने विशेष काउंटर पर इसकी शिकायत कर सकते हैं लेकिन यह सुविधा सिर्फ एक सप्ताह के लिए है। दरअसल सतर्कता सप्ताह के दौरान भ्रष्टाचार की शिकायत के लिए रेल प्रशासन प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर विशेष काउंटर खोल रहा है। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिकारी स्टेशनों का दौरा कर अनियमितताओं की जांच करेंगे और यात्रियों व रेल कर्मियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक करेंगे। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चैधरी ने बड़ौदा हाउस में आयोजित कार्यक्रम में रेल कर्मियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर सतर्कता सप्ताह की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आम जनता को जागरूक करके और उनकी सक्रिय भागीदारी से ही भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी क्यों जरूरी है और इसका क्या औचित्य है, इस बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए सभी सरकारी संस्थाओं में प्रतिवर्ष सतर्कता सप्ताह

का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष 'सतर्क भारत समृद्ध भारत'' थीम के साथ सतर्कता सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक आयोजित किए जा रहे सतर्कता सप्ताह के दौरान ऑनलाइन सतर्कता सेमिनार, वेंडर्स मीट, वाद विवाद सहित कई प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

गांधी पर सबसे बेहतरीन गांधी हैं: रमाशंकर सिंह

नई दिल्ली। गांधी को लेकर, युवाओं के मन में दो तरह की बातें हैं ;एक तो गांधी को लेकर युवाओं के मन में बेचैनी है और दूसरा कई सवाल हैं। साथ ही युवाओं के बीच गांधी को लेकर बहुत ज्यादा सामग्री है, जो इस नए तरह के मीडिया द्वारा

रोज परोसी जाती है, और इस तरह से गांधी की अच्छी बुरी,कमतर या हीन छवि यह मीडिया निर्मित करता है। सुपरिचित अध्येता रमाशंकर सिंह ने उक्त विचार हिन्दू कालेज के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किये। डॉ सिंह ने युवाओं के लिए गांधी विषय पर कहा कि किसी भी देश का क्या स्वरूप होगा यह उस देश के नौजवान की सोच के ऊपर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि किसी देश केराजनीतिक मानस का बहुत ही तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रकटीकरण वहां के युवा मस्तिष्क में होता है इसलिए युवा को हर नई चीज के बारे में बताना चाहिए। किसी भी देश का समाज, संस्कृति और राजनीति का निर्माण युवा करता है। उन्होंने कहा कि यह बात महात्मा गांधी बहुत अच्छी तरह से जानते थे कि जब भी देश आजाद होगा ,यही युवा लोग देश को आजाद करवाएंगे। इसी संदर्भ में रमाशंकर जी ने गांधीजी के 1916 के बी एच यू के भाषण का उल्लेख करते हुए बताया कि गांधी युवाओं को संबोधित करने से पहले खुद के अंदर के युवा को संबोधित करते हैं । उन्होंने युवावस्था के संकट, द्वंद्व, प्रश्न, भय, रोमांच, सच और झूठ की धुंधली रेखा ;इन सब बातों को बहुत गहरे तरीके से देखा और फिर अपनी आत्मकथा में लिखा। सूत्र रूप में कहें तो गांधी ने भारतीय समाज के सामने आत्मा को अनावृत करने की एक शैली खड़ी की। जब गांधी उन्होंने कहा कि गांधी को को जानने के लिए उनकी आत्मकथा पढ़ना बहुत जरूरी है। इससे भी ज्यादा उनकी आत्मकथा इसलिए पढ़ी जानी चाहिए क्योंकि यह उस समय की युवा मस्तिष्क की सोच समझ को जानने का एक साधन है।

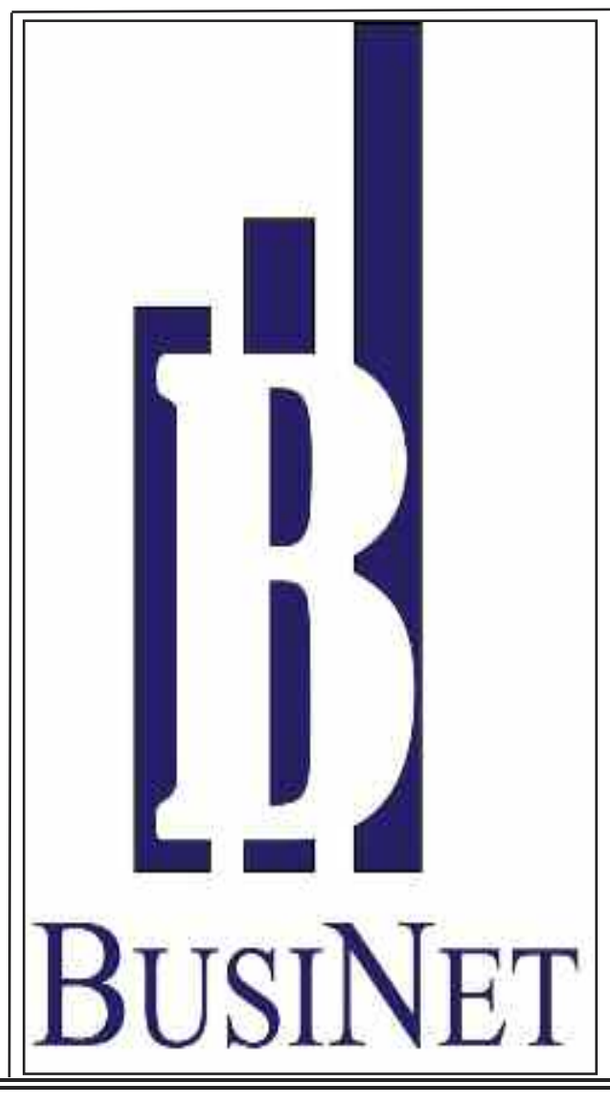

संपादकीय

बेरोजगारी में महंगाई की दोहरी मार-गृहणियां लाचार व परेशान

इस समय देशदुनिया में कोरोना काल चल रहा है। कई लोगों की नौकरी जा चुकी है और लोग बेरोजगार हो गए हैं। व्यापारियों का काम धंधा खुल गया है पर व्यापार नदारत है। ऐसे में गृहणियों को अपना किचन चलाना बहुत कठिन हो रहा है ऊपर से प्याजआलू जो मुख्य रूप से रसोई में उपयोग होता है के दाम आसमान को छू रहे है।इस समय प्याज के दाम तो 80 रुपए से ऊपर पहुंच गए है। नवरात्र में आलू की कीमतें हमेशा ही बढ़ती हैं लेकिन इस बार प्याज, टमाटर के अलावा हर सब्जी महंगी हुई है। कभी प्याज हमारे आंसू निकालता है तो कभी टमाटर इतना लाल हो जाता है कि टमाटर नहीं आग का गोला लगने लगता है।

प्याज का मुख्य उत्पादन महाराष्ट्र की नासिक में होता है जहाँ इस समय प्याज 8 हजार से 9 हजार प्रति क्विंटल बिक रहा है, यही कारण है कि कई राज्यों में प्याज के दाम सौ रुपए किलो से भी ऊपर पहुंच गए। बताया जाता है कि प्याज के भाव बढ़ने की बड़ी वजह है बारिश से प्याज का नुक्सान होना है। किसानों का कहना है कि बारिश के कारण नर्सरी का रोप खराब हो गया इसलिए प्याज की नई फसल नहीं लगा पाए। वहीं जो प्याज उनके पास रखा हुआ था, वह भी बारिश की भेंट चढ़ गया। प्याज के रखरखाव की पर्याप्त व्यवस्था के बावजूद बरसात से बचाव के लिए बनाए गए शेड फेल हो गए और प्याज को पानी लग गया।

आखिरकार गला हुआ प्याज मजबूरी में फैंकना पड़ा। महाराष्ट्र में उस समय भारी बारिश हुई जब प्याज उत्पादक जिलों में किसान प्याज की पछेती खरीफ की नर्सरी की बुवाई और अगेती खरीफ प्याज खेत से निकाल रहे थे। इससे किसानों को बड़ा नुक्सान हुआ।इसी तरह आलू उत्पादन में दूसरा सबसे बड़ा राज्य पश्चिम बंगाल है, जहां 14 से 15 लाख टन उत्पादन कम हुआ। वहां केवल 86 लाख टन आलू की पैदावार हुई थी। इन दोनों बड़े आलू उत्पादक राज्यों में उत्पादन घटने की वजह से आपूर्ति बाधित हुई है। कोल्ड स्टोर में पड़े आलू की सर्वाधिक मांग इस समय बोआई के लिए है। आलू कारोबारियों के मुताबिक, कीमतों में गिरावट नवंबर में आलू की नई फसल के आने से पहले तक नहीं आएगी।

केन्द्र सरकार ने बढ़ते प्याज के दामों को देखते हुए 14 अक्तूबर को प्याज निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इससे कुछ राहत की उम्मीद की जा रही थी लेकिन इसके बाद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में भारी बारिश हुई, जिसने रहीसही कसर भी पूरी कर दी। केन्द्र सरकार ने स्थिति को देखते हुए 15 दिसम्बर तक प्याज के आयात को सुलभ बनाने के लिए कुछ शर्तों में ढील दी। इससे अन्य देशों से प्याज आयात करने में व्यापारियों को सुगमता होगी। केन्द्र ने प्याज के स्टॉक की सीमा भी तय कर दी है। बिहार में चुनावी घमासान चल रहा है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी उपचुनाव के लिए जोरशोर से प्रचार युद्ध चल रहा है।यद्यपि प्याज, आलू और टमाटर के दाम बिहार या अन्य राज्यों के उपचुनाव में पहले की तरह चुनावी गणित पर कोई अधिक प्रभाव नहीं डाल रहे, लेकिन कोरोना महामारी से पहले ही आर्थिक रूप से परेशान आम आदमी को काफी दर्द दे रहे हैं।

अक्सर देखा जाता है कि कोरोना काल हो या कोई और संकट। शादियां हों या कोई समारोह, उसे यूनीक बनाने के लिए लोग नएनए आइडियाज पर काम करते हैं। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर की एक शादी काफी सुर्खियां बटोर रही है। एक जोड़े की शादी की रिसैप्शन में दोस्तों ने तीन किलो प्याज उपहार स्वरूप दिया। तमिलनाडु और केरल में तो प्याज 125 रुपए किलो बिका। प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें भले ही कुछ लोगों के लिए व्यंग्य का विषय हो सकता है लेकिन आम आदमी इससे बहुत प्रभावित हो रहा है। दाल और खाने के तेल के दाम तो पहले ही काफी बढ़ चुके हैं।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

नियमों के बोझ से टेलीविजन चैनलों की गुणवत्ता हो रही प्रभावित

भारतीय टेलीविजन के दर्शक बीते कुछ महीनों के दौरान टीवी समाचार की गुणवत्ता में लगातार गिरावट देख रहे होंगे। हाल ही में सबके सामने जिस 'टीआरपी घोटाले' का नुमाया किया गया वह तो इस गिरावट का केवल एक उदाहरण भर है। इस प्रकार का 'घोटाला' शायद इतिहास में पहली बार देखा सुना गया है। जिसके कारण न्यूज मीडिया, ब्रॉडकास्टर और विज्ञापनदाताओं के साथ ही सरकार की भूमिका को भी लोग शक की नज़र से देख रहे हैं।

टीवी न्यूज चैनल हमेशा से अपनी दर्शकों की संख्या को अधिक बताने का प्रयास करते रहते हैं, क्योंकि उनका कारोबार बहुत हद तक विज्ञापन से होने वाले राजस्व पर निर्भर होता है। यही कारण है कि इन चैनलों का मकसद अधिक से अधिक टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) हासिल करना होता है। इसी अभिष्ट ने 'टीआरपी घोटाले' को जन्म देकर इस पूरे सिस्टम प्रणाली पर भी सवालिया निशान लगा दिया है। टीआरपी हासिल करने की लोलुपता ही इसके मूल में रही है। जिसके वशीभूत होकर निर्माता व ब्रॉडकास्टरों ने अपने कंटेंट को 'अर्श से फर्श' पर उतारने से भी परहेज नहीं किया। हालांकि इस घटना के पीछे सरकार द्वारा 16 वर्षों से सख्त नियंत्रण को इस सिस्टम की परिणति के रूप में देखा जाना कहीं से गलत नहीं है।

1991 में नरसिम्हा राव की सरकार ने आर्थिक उदारीकरण को माध्यम बनाकर देश में वित्तीय सुधारों की शुरूआत की। इन्हीं सुधारों के बीच 2004 में 'भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण' को दूरसंचार क्षेत्र का एक स्वतंत्र नियामक बना दिया गया। जिसका मूल कार्य योग्यता के आधार पर दूरसंचार क्षेत्र को रेगूलेट करना रहा है। इसका कार्य इसके नाम भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण को परिभाषित करता है। जिस ट्राई की योग्यता हमेशा से केवल दूरसंचार क्षेत्र में रही, बाद में उसे प्रसारण क्षेत्र की भी जिम्मेदारी अस्थाई तौर पर दे दी गई। इसके बाद दूरसंचार क्षेत्र की अपनी योग्यता का प्रयोग ट्राई ने प्रसारण क्षेत्र में करना शुरू कर दिया। उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के उद्धेश्य से ट्राई ने प्रसारण क्षेत्र के विकास और गुणवत्ता में सुधार के प्रयास शुरू कर दिए। बड़ी बात यह रही कि दूरसंचार क्षेत्र की अपनी योग्यताओं को ही ट्राई ने अपने प्रयासों का आधार बनाया। जिस कारण बीते दशकों में टीवी के कंटेंट में गिरावट देखी जा रही है।

अधिकांश लोगों को याद होगा कि एक समय हम टीवी मनोरंजन के लिए लोकल केबल ऑपरेटरों पर भी निर्भर थे। लेकिन उस समय देखने लायक उपयोगी व मानक अनुरूप कंटेंट के विकल्प उपलब्ध नहीं थे, और हम इनके अभाव से जूझ रहे थे। ट्राई का उद्देश्य प्रसारण क्षेत्र को विनियमित करने, उपभोक्ताओं को अधिक से अधिक विकल्प देने, पारदर्शिता लाने और टीवी सेवाओं को अधिक किफायती बनाने का होना चाहिए था। लेकिन तात्कालिक कार्यप्रणाली और मौजूदा परिस्थितियों की समीक्षा करें, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि ट्राई इन मुद्दों को सही तरीके से लागू नहीं कर पाया।

यद्यपि ट्राई की जिम्मेदारी इन तीन मुद्दों जिनमें टैरिफ, उपभोक्ताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता के अलावा ब्रॉडकास्टर और वितरकों जैसे कि एमएसओ, एलसीओएस, एचआईटीएस और डीटीएच ऑपरेटरों के बीच परस्पर संपर्क स्थापित करना होना चाहिए था। लेकिन इस नियामक ने अपना पूरा ध्यान केवल टैरिफ पर ही केंद्रित रखा है। ट्राई द्वारा टीवी चैनलों के मूल्य निर्धारण पर अंकुश लगाने से प्रसारण क्षेत्र के उस रिटर्न ऑफ इंवेस्टमेंट पर भी असर पड़ा, जो सब्सक्रिप्शन व विज्ञापन के राजस्व पर निर्भर था। ट्राई के इस दृष्टिकोण के कारण ही चैनलों ने विज्ञापन राजस्व पर अपनी निर्भरता बढ़ा दी।

गौर करने वाली बात यह है कि 2019 में जहां सभी कुल विज्ञापनों का 37त्न सिर्फ टीवी पर खर्च किया गया, वहीं ट्राई द्वारा मार्च 2019 में पेश किए गए नए टैरिफ ने उपभोक्ताओं का टीवी देखने के लिए देखने वाले खर्च को 25त्न तक बढ़ा दिया। जिसकी वजह से लगभग 2 करोड़ 60 लाख टीवी ग्राहकों ने अपने सब्सक्रिप्शन को समाप्त कर दिया। जिससे इस सेक्टर को 8500 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। इसके अलावा, टेलीविजन रेटिंग के कारण चैनलों के वित्तीय फैसले, कार्यक्रमों का उत्पादन और इनकी समयसारणी भी काफी हद तक प्रभावित कर दी थी। इसके बाद 2008 में ट्राई ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बार्क) के गठन के माध्यम से स्व नियमन के दृष्टिकोण की सिफारिश की। इस सिफारिश के बाद बार्क को सरकारी मान्यता प्राप्त टेलीविजन रेटिंग एजेंसी बना दिया गया। इसके बाद बार्क ने मीडिया इंडस्ट्री के लिए एक रिपोर्ट जारी की जिसका नाम दिया गया व्हाट इंडिया वॉचेस अर्थात भारत के दर्शक क्या देखते हैं। वर्तमान में बार्क 40,000 घरों से टीवी के सैंपल लेता है जबकि देशभर में कुल 15.35 करोड़ घरों में टीवी देखा जाता है।टीवी व्यूअरशिप हासिल करने के लिए इन 40 हजार घरों में टीवी उपकरण पर चलने वाले कंटेंट को 'पीपूलमीटर' ट्रैकिंग डिवाइस द्वारा ट्रैक किया जाता है। जिससे टीवी दर्शकों की संख्या का अनुमान लगाने में आसानी होती है।

आशीष पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

सवालों में महिला सशक्तिकरण

देश में दोस्तों अंग्रेजो के खिलाफ संघर्ष के दौरान महिलाओं को साथ लेने की जरूरत ने 19वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में नारीवादी चेतना का विकास किया। इसी के परिणामस्वरुप ही आजादी के आंदोलन में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था । लेकिन दुर्भाग्य से नारीवादी चेतना का विकास आजादी की लड़ाई तक ही सीमित रह गया है। हम सभी ने देखा भी अपने आस पड़ोस में ही की जब कोविड 19 से उपजी वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निपटने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया तब घरेलू हिंसा कितना अधिक बढ़ गया। पिछले माह में ही दोस्तों राष्ट्रीय महिला आयोग ने कोरोना वायरस के मद्देनजर लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा और प्रताड़ना की घटनाएं बढ़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि लॉकडाउन में परिवार के सभी सदस्य एक साथ होने के कारण परिवार में कलह बढ़ गया है। जिसमें सबसे अधिक प्रताड़ना महिलाएं झेल रही है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक भी पहले के मुताबिक अब महिलाओं पर होने वाले सामाजिक अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है । एनसीआरबी ने दोस्तों अभी हाल ही में आंकड़े जारी करते हुए कहा था कि जब देशव्यापी लॉकडाउन लगाया गया तब महिलाओं पर घरेलू हिंसा पहले की अपेक्षा दोगुना हो गया है।

दोस्तों भारतीय संस्कृति में नारी को सम्मानजनक स्थान देने की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति बहुत ही अच्छी थी ,व इनके साथ भेदभाव नहीं किया जाता था । वैदिक काल में महिलाओं को कुटुंब समाज में पर्याप्त सम्मान प्राप्त होता था और उस वक्त समाज में यह धारणा थी कि नारी के बगैर पुरुष को धर्म ,कर्म ,अर्थ काम और मोक्ष की प्राप्ति नहीं हो सकती। दोस्तों यह बात आप भी जानते हैं कि हम सभी इंसान एक मां के कोंख से ही जन्म लेते हैं , हर एक नारी किसी ना किसी का मां है , हम सब को भी एक मां ही 9 माह अपने कोंख में रखकर इस धरती पर लाती है , फिर क्यों हम मां के साथ अत्याचार करते हैं? यहां मेरा मां कहने का मतलब है कि दुनिया का हर एक नारी चाहे उस नारी से हमारा कोई रिश्ता हो लेकिन वह मां ही है ना किसी ना किसी का , यह आप भी जानते हैं कि एक नारी कभी मां बनकर तो कभी दादी मां तो कभी बहन तो कभी दोस्त और हमारा अर्धांगिनी और भी अलगअलग रिश्ते नानी, मासी ,चाची, बुआ ना जाने कितनी भूमिका में एक नारी ही हमें संवारती है । फिर क्यों आए दिन महिलाओं पर इतना अत्याचार होता है जबकि हर एक नारी किसी ना किसी की मां है ? दोस्तों मेरे लिए तो दुनिया के हर एक नारी मां है चाहे उससे मेरा कोई भी रिश्ता हो । आखिर हमारा समाज यह कब समझेगा कि हमारा अस्तित्व ही एक नारी से है ?

दोस्तों एनसीआरबी ने 2017 के अपने रिपोर्ट में बताया था कि 3,59,849 नया केस देशभर में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज किया गया, जिसमें की घरेलू हिंसा ,यौन शोषण , हत्या , बलात्कार ,दहेज हत्या, आत्महत्या के लिए उकसाना , तेजाब हमले, क्रूरता और अपरहण आदि के मामले शामिल हैं । जिसमें की महिलाओं पर होने वाले अपराध में उत्तर प्रदेश आगे रहा है। यहां पर महिलाओं से जुड़े अपराधियों की 56,110 रिपोर्ट दर्ज किया गया है। दोस्तों महिलाओं पर बढ़ते अपराधों की एक बड़ी वजह पुरुषवादी सोच है। हम सब देखते हैं अपने परिवार में ही की लड़कियों को बचपन से सिखाया जाता है कि औरतों को दबकर रहना चाहिए। यह काम घर की बड़ी बुजुर्ग महिलाएं सिखाती रहती है और अधिकतर परिवार में हम देखते हैं कि लड़कियों को बचपन से ही यह घुट्टी पिला दी जाती है । आप ही अपने परिवार में देखिए ना अगर दो जुड़वा भाई बहन रहेंगे तो जब खिलौना लाकर देना होगा तो मातापिता बेटे को तो बहादुरी वाले खिलौना ला कर देंगे जैसे कि बंदूक और अन्य बहादुरी वाले खिलौने वही जब लड़कियों को देना होगा तो उनको गुड्डी गुड्डे और चौके बर्तन वाले खिलौने लाकर देंगे। यहीं से लड़कियों के साथ भेदभाव शुरू हो जाता है । आज भी हमारे देश की औरतें घरेलू हिंसा को छुपाती है और महिलाओं को बच्चा जन्मने तक का अधिकार नहीं है। आज भी देश में पुरुष और महिला नसबंदी में भारी अंतर है। महिला नसबंदी का प्रतिशत पंचानवे है वही पुरुष नसबंदी का आंकड़ा मात्र 5 फ़ीसदी है। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में महिलाओं के प्रति अत्याचार को लेकर अपना नजरिया स्पष्ट किया। लेकिन दोस्तों महिलाओं के शोषण को सिर्फ कानून बनाकर नहीं रोका जा सकता है । इसके लिए जरूरत है मुझे लगता है कि कानून के साथ ही सामाजिक सुधार और लोगों की मानसिकता में बदलाव लाना होगा। इसके लिए नीति निर्माताओं को सामाजिक तौर पर मूल्यों , मान्यताओं और संस्कृति से जुड़े सभी पहलुओं पर सोचना होगा ।

विक्रम क्रांतिकारी
दिल्ली विश्वविद्यालय ।
www.womenexpress.in

महबूबा को पंसद नहीं अमन चैन!

पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को लेकर विवादित बयान दिया है। महबूबा ने कहा कि जब तक धारा 370 बहाल नहीं होती, वह न तो तिरंगे को छुएंगी और न ही चुनाव लड़ेंगी। यह बयान एक ऐसे नेता द्वारा दिया गया है, जिनकी पार्टी ने जम्मूकश्मीर में कई वर्षों तक राज किया। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने के बाद से ही बौखलाई महबूबा ने तिरंगे का अपमान करके अपनी असलियत सामने ला दी है। उनके बयान से ऐसा आभास होता है कि उन्हें कश्मीर में शांति सुहाती नहीं है। रिहा होने के बाद वो घाटी में फिर से लोगों को बहकाने का काम कर रही हैं। महबूबा के बयान से पूर्व कुछ दिन पहले नेशनल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री फारुख ने चीन का समर्थन लेने की बात कही थी। पीओके को लेकर भी वह कई बार विवादित बयान दे चुके हैं। वहीं लंबी नजरबंदी के बाद हाल ही में रिहा हुई महबूबा ने फिर एक बार धारा 370 का राग अलापना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में धारा 370 लागू थी, उस समय जम्मू कश्मीर राज्य का अलग संविधान और झंडा हुआ करता था। पिछले साल अगस्त में धारा 370 की समाप्ति के बाद से ये विशेष स्थिति भी खत्म हो गई है। ऐसे में अपने राजनीतिक जीवन और सुख सुविधाओं की समाप्ति से परेशान महबूबा और तमाम दूसरे दल के नेताओं ने धारा 370 का लेकर रोना गाना शुरू कर दिया है। असल में चाहे महबूबा हो या फिर अब्दुल्ला इनकी वफादारी भारत से ज्यादा पाकिस्तान और चीन के साथ ज्यादा दिखाई देती है। धारा 370 को हटाने के बाद से घाटी में शांति का वातावरण बनाये रखने के मद्देनजर महबूबा, फारुख अब्दुल्ला, उमर तथा उनके अलावा लगभग सभी अलगावाद समर्थक नेताओं को नजरबंद किया गया था। महबूबा भी पिछले दिनों ही रिहा हुई हैं। उसके बाद पीडीपी के अलावा नेशनल कांफ्रेंस औए कुछ छोटे दलों ने मिलकर 370 की वापिसी के लिए संघर्ष की साझी घोषणा की है। महबूबा ने तिरंगे को लेकर जो बयान दिया है वो उसी संघर्ष का श्रीगणेश कहा जा सकता है। लेकिन पुराने झंडे की वापिसी तक तिरंगा भी नहीं फहराए जाने की बात से साबित होता है कि वे अभी धारा 370 की समाप्ति के समय लगे सदमे से अभी उभर नहीं पायी हैं। वो अभी भी अतीत में जी रही हैं।

घाटी में धीरे धीरे ही सही वातावरण में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। पिछले सवा साल में घाटी वासियों ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया जिससे इस बात का आभास हो कि वह नेताओं की नजरबंदी के खिलाफ है। इस दौरान सुरक्षा बलों ने दर्जनों आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा। वहीं आंतकियों से मुठभेड़ के दौरान उनके बचाव के लिए सुरक्षा बलों पर पथराव करने जैसी घटनाएं शून्य के स्तर पर पहुंच गयी है। आंतकियों के अंतिम संस्कार में उमड़ने वाला जनसैलाब भी दिखाई नहीं दिया। इसका प्रमुख कारण यह है कि केंद्र शासित हो जाने से राज्य की पुलिस और प्रशासन दोनों दिल्ली के नियन्त्रण में आ गये। जमीनी सच्चाई यह भी है कि फारुख अब्दुल्ला, महबूबा से लेकर तमाम दूसरे नेता घाटी में धारा 370 की बहाली के लिए किसी बड़े आन्दोलन की जमीन तैयार नहीं कर सके। असल में महबूबा और फारूख जैसे नेता पूरी तरह जमीन से कटे हुए हैं। जनता को भड़काकर और भटकाकर इन लोगों ने लंबे समय तक अपनी राजनीति चमकाई है।

महबूबा ने नेशनल कांफ्रेंस के साथ कुछ दलों की जो बैठक की, उससे भी कोई ठोस बात सामने नहीं आई। उस बैठक में कांग्रेस की गैर मौजूदगी से ये संकेत मिला था कि वह इन पार्टियों के साथ खड़े होने से बच रही है। इसका प्रमाण गत दिवस कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा महबूबा के तिरंगे संबंधी बयान का विरोध किये जाने से मिला।

तिरंगा नहीं थामने के अलावा चुनाव नहीं लड़ने के उनके बयान पर फारुख और उमर की कोई प्रतिक्रिया नहीं आने से ये साबित होता है कि राज्य की दोनों प्रमुख पार्टियां एकमत नहीं हैं। दरअसल पीडीपी के अनेक बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। तिरंगे के बयान बाद से तीन प्रमुख नेताओं ने महबूबा का साथ छोड़ दिया है। महबूबा भाजपा के साथ सरकार चलाकर अपनी राजनीतिक जमीन और धाक पहले ही गंवा चुकी हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने उसकी आलोचना कर प्रशंसा योग्य कार्य किया है। बेहतर हो बाकी पार्टियां भी उसके विरोध में खड़ी हों। इस बारे में वामपंथी दलों की भूमिका पर भी सबकी विशेष दृष्टि रहेगी।

पिछले साल फरवरी में भी महबूबा मुफ्ती ने इस तरह का विवादित बयान दिया था। उस समय महबूबा ने कहा था कि विशेष दर्जा हटाने को लेकर चल रहे मामले पर कहा कि अगर ऐसा हुआ तो कश्मीरी तिरंगे की बजाय दूसरा झंडा उठा लेंगे, कौन सा झंडा उठाएंगे, ये मुझे नहीं पता। उन्होंने कहा कि अगर अनुच्छेद 35ए से छेड़छाड़ हुई तो फिर कुछ ऐसा होगा जो 1947 में भी नहीं हुआ होगा। यदि संविधान के अनुच्छेद 35 ए और अनुच्छेद 370 के तहत मिले अधिकारों से खिलवाड़ हुआ तो राज्य में हालात अरुणाचल प्रदेश से भी ज्यादा खराब हो जाएंगे।

राजेश माहेश्वरी
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

क्या आपकी वाट्सएप चैट सुरक्षित है?

जब से फिल्मी हस्तियों की वाट्सएप चैट पब्लिक डोमेन में वायरल हुई है, तब से ज्यादातर लोगों के मन एक शंका बैठ गई है कि क्या वाट्सएप चैट एक सुरक्षित प्लेटफार्म है? अगर वाट्सएप चैट सुरक्षित प्लेटफार्म है तो तीन महीने, छह महीने, उसी तरह दो साल पुरानी वाट्सएप चैट किस तरह रिकवर हो सकती है? किस तरह मोबाइल से डिलीट करने के बाद भी चैट वापस आ सकती है? वाट्सएप कंपनी ने तो पहले ही कह दिया था कि हम किसी तरह का डाटा अपने सर्वर पर सेव नहीं करते। लेकिन इस तरह का सेंसिटिव डाटा जब पब्लिक डोमेन में वायरल हुआ तो वाट्सएप की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। मात्र वाट्सएप ही नहीं, दुनिया में जितने भी अप्लिकेशनों के एन्क्रिप्शन का दावा किया गया है, उन सबकी कार्यशैली पर इस समय बहुत बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। यूजर अपने डाटा को सुरक्षित रखने के लिए और डाटा की प्राइवेसी को खतरा न हो, इसके लिए वाट्सएप के अलावा अन्य विकल्पों की ओर कूच कर चुका है। आज ज्यादातर यूजर अगर सेंसिटिव डाटा का लेदेन करते हैं तो उनके द्वारा ऐसे अप्लिकेशन की अब मांग उठ रही है, जो सक्रीनशॉट न लेने दें। किसी अन्य मोबाइल डिवाइस द्वारा अगर फोटो लेने का प्रयास किया जाए तो फोटो डार्क मोड में बदल जाए। किसी भी जगह डाटा का बैकअप न लिया जा सके न तो संग्रह किया जा सके। उसी तरह अप्लिकेशन के सर्वर पर किसी भी तरह का टाइम स्टेम्प या मेटाडाटा का संग्रह नहीं होना चाहिए। वाट्सएप एक एंड टू एंड अप्लिकेशन मैथड पर कार्य करता है। परिणामस्वरूप भेजने वाले और प्राप्त करने के सिवाय कोई भी अन्य तीसरा व्यक्ति अगर मैसेज को मेन इन मिडल अटैक से ट्रेस करता है तो भी वह व्यक्ति चैट को पढ़ नहीं सकता। वाट्सएप भी उस मैसेज को नहीं पढ़ सकता। जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को मैसेज भेजता है और वह मैसेज जब प्राप्त करने वाला व्यक्ति रिसीव कर लेता है तो वाट्सएप के सर्वर से मैसेज डिलीट हो जाता है। परिणामस्वरूप वाट्सएप का सर्वर इस तरह के किसी भी डाटा को अपने माध्यम पर कभी सेव नहीं करता। एंड टू एंड एन्क्रिप्शन टेक्स्ट, ऑडियो और वीडियो मैसेज पर भी यही नियम लागू होता है। पर वाट्सएप का सर्वर यूजर के मेटाडाटा को संग्रह करता है। मेटाडाटा में दो व्यक्ति या किसी ग्रुप में अगर किसी प्रकार की चैटिंग होती है तो जिस फोन नंबर का उपयोग होता है, उस फोन नंबर और किस तारीख और किस समय वाट्सएप सर्वर का उपयोग किया गया है, इसकी जानकारी टाइम स्टेम्प स्वरूप में संग्रह करता है। पर अगर किसी व्यक्ति के लिए देश की सरकार, सुप्रीम कोर्ट या पुलिस अधीक्षक द्वारा कानूनी कार्रवाई के अंतर्गत लीगल नोटिस वाट्सएप को भेजी जाए तो कैलीफोर्निया के डाटा एक्ट के तहत और मान्य शर्तों के अधीन व्यक्ति के वाट्सएप नंबर को वाट्सएप द्वारा सर्विलांस पर लगाया जाता है और उसके द्वारा होने वाली किसी भी तरह की बातचीत एक कायदे के तहत जांच एजेंसियों के साथ शेयर की जाती है। वाट्सएप के अल्टरनेटिव के रूप में टेलिग्राम और सिग्नल के अलावा अन्य पांच साफ्टवेयर अप्लिकेशन हैं, जिनमें स्पाइक, थिरिमा, सीम्समे, वायर और होसर हैं। वाट्सएप को छोड़ कर बाकी के तमाम अप्लिकेशन लॉगइन होने के लिए यूजर के मोबाइल नंबर के अलावा भी ऑप्शन हैं। जैसे कि स्टिकर, चैनल, ईमेल एकाउंट, अज्ञात लॉगइन आदि जैसे विकल्प हैं। पर ये सभी अप्लिकेशन स्क्रीनशॉट न ले सकने वाली यूजर्स की जरूरज पूरी नहीं करते। अन्य मोबाइल द्वारा फोटो लेने से फोटो डार्क में बदल जाए ऐसी सुविधा किसी भी अप्लिकेशन में नहीं है। परिणामस्वरूप किसी भी अप्लिकेशन का उपयोग करें, आपकी चैट प्राइवेट या सुरक्षित कभी नहीं है। इसीलिए सच कहा गया है कि इंटरनेट पर डिलीट बटन मात्र आपके संतोष के लिए है। एक बार पोस्ट की गई कोई भी जानकारी इंटरनेट से कभी डिलीट होती नहीं। वाट्सएप के अल्टरनेटिव के रूप में खास कर के लोगों की पसंद में टेलीग्राम और सिग्नल अप्लिकेशन हैं। परंतु इन दोनों अप्लिकेशनों की भी अपनी एक निश्चित मर्यादा है। जो वाट्सएप की तरह ही यूजर्स के मेटाडाटा और टाइम स्टेम्प का भी अपने सर्वर पर संग्रह करते हैं। मात्र सिग्नल अप्लिकेशन किसी भी यूजर्स का मेटाडाटा उस तरह काँटैक्ट का संग्रह नहीं करता और डाटा को एन्क्रिप्ट मोड में रखता है। परिणामस्वरूप सिग्नल अप्लिकेशन को छोड़ कर बाकी के अप्लिकेशनों में डाटा सुरक्षित नहीं रह सकता। इस अप्लिकेशन को लोग इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि अगर यह डिस्ट्रिक्टिव मैसेज मोड पर काम करता है, तो इसका अर्थ यह है कि मैसेज भेजने के निर्धारित समय में मैसेज डिलीट भी कर सकते हैं। दो सालों से सेल्फ डिस्ट्रिक्टिव मैसेज लाक्षणिकता पर कार्य कर रहा है। पर अभी तक वाट्सएप द्वारा यदि लाक्षणिकता जुड़ी नहीं है।

वीरेन्द्र बहादुर सिंह
नोएडा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

सीता का अपराधी कौन

हे सीता तेरे अपराधी को, हर
वर्ष सजा दिया जाता है,
तेरा हरण करने वाले रावण का
पुतला जलाया जाता है,
अच्छाई की जीत बुराई पर,हर
दशहरा दिखाया जाता है,
बड़े गर्व से भारत में
,विजयदशमी पर्व मनाया जाता है,
नजर बुरी मत डालो कभी
किसी परायी नारी पर,
इसी पाप की सजा अभी
तक,रावण काट रहा है जलकर,
किंतु सीता की नजरों मे, क्या
केवल रावण ही अपराधी था,
सीता के चरित्र पर लाँछन,
अग्निपरीक्षा के भी बाद लगाया,
जिस प्रज्ञा को संतान सम प्रेम
किया,सीता का दर्द नहीं जाना,
गर्भवती सीता के त्याग का
निर्णय,मर्यादा पुरुषोत्तम कर बैठा,
क्या सीता के इस हाल का,
उनको तनिक भी आभास न था,
जिसने पत्थर को जीवंत किया,
सीता के अंतर का भास न था,
लक्ष्मण जैसे धीर वीर देवर,
सीता को वन में कैसे छोड़ आए,
जो राम संग वनवास निभाये,
पहरे दिए बिना पलक झपकाए,
असहाय अकेली सीता के प्रति,
क्या उसने थे अपने फर्ज निभाए,
शायद एक यही कारण था
सीता के भूमि के गर्भ समाने का,
नहीं क्षमा कर पायी थी वो, उन
सब अपनों के अपराधों को,
नहीं भूल पायीं थी शायद,वो
मन पर लगे हुए आघातों को,
था सारा समाज तेरा दोषी, तेरे
दुःख के सब ही कारण थे,
लेकिन फिर भी सब मान रहे,
तेरा अपराधी केवल रावण है,
देश में अब भी कितनी सीतायें
हर दिन अग्नि में जलती हैं,
हर मन में छिपा कलयुगी
रावण,कैसे इनसे वो लड़ती हैं।

नीलम द्विवेदी
रायपुर, छत्तीसगढ ।
www.womenexpress.in

जग में सबसे प्यारी हूँ मैं, फिर भी बेचारी हूँ मैं

जग में सबसे प्यारी हूँ मैं,
फिर भी लगती खुदको बेचारी हूँ मैं,
अपने आँसुओ से सींचती हूँ,
तुम्हारी खुशिया ,,
फिर कैसे तुम्हारे परिवार
की हानि हूँ मैं,,
नयन तुम तो तुम्हारी ज्योति हूँ मैं,
सक्षम तुम तो तुम्हारी शक्ति हूँ मैं,
फिर भी आज बालिका दिवस पर ,
लगती खुदको हूँ बेचारी मैं,,
जग में सबसे प्यारी हूँ मैं,
फिर भी लगती खुदको बेचारी हूँ मैं ।।
पँख मेरे तुम काट कर ,
उड़ान की बाते जो हंसहंस कर
करते हो,
बखूबी जानती हूँ ,
सपनो को मेरे नोचकर कैसे तुम ,
खुदको महान समझते हो,,
तो सुन लो ,
तेरे भोजन की थाली
अन्नपूर्णा भी मैं,
तेरे मष्तिष्क की रखवाली
विद्या भी मैं,
तेरे जेब की अति प्यारी
लक्ष्मी भी मैं,
चाहे जहाँ जहाँ से मुझे बेदख़ल
बेशक़ तू कर दे,
पर तेरे चाय की प्याली से लेकर,
तेरे वंश की वाहिनी से लेकर,
है! पुरुषार्थ तेरे आरंभ की मातृ
ममता कहानी भी मैं।
जग में सबसे प्यारी हूँ मैं,
फिर भी लगती खुदको बेचारी हूँ मैं,

प्रिया चारण
उदयपुर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

आज के दौर का इंसान

आज का आदमी इतना
मुख्तियार है,
ढूंढता दाग औरो की शख्सियत पर
ना देखता खुद कितना दागदार है।
किसी का देख दर्द ना तरस खा रहा,
देख कर अपराध दूर से
वीडियो बना रहा।
खुद को समझता मुखिया जहां का,
और खुद में देखो कितना
लाचार है।
है बेखबर अपने ही घर से,
दूसरों के घर में बड़ी तांक झांक है।
मुखौटा धरे मुख पर ना जाने
कितने किरदार इसके,
दूसरों के किरदार से क्यों परेशान है।
मरते हुए इंसान की सहायता ना हुई,
शो उसके दर्द का लाइव एफ
बी पर कर दिया।
खुद के लिए जब नौका ना बनी,
दूसरों की बेड़ी में छेद कर दिया।
दूसरों की गलतियों में खुद को
ढक लिया,
देखो यह इंसान कितना
होशियार हैं।
देखी मासूमियत उस पर सवाल
उठ गए,
देख कर हवानियत सब चुप
कर गए।
मार ना सका आदमी खुद के
अहम को,
दूसरों का नाम तो बस बदनाम है।

मोनिका गर्ग
पंजाब ।
www.womenexpress.in

साहस

खामोश रहकर भी तुने बातें
हजार कह दी।
सैर पर निकला समंदर पार ।।
मगर ए तुफान तूने
मेरी नौका ।
इस पार ही कर दी।।
सहम सा गया था मैं ।
जुटा रणनीति बनाने में ।।
बनाई पुरुषार्थ की नौका ।
जिसने मेरी नौका पल में पार
कर दी ।।

परीक्षित

अनकही व्यथा

बिटिया थी दुलारी
अपने माँ बाबा की बहना थी प्यारी
अपने भाई बहना की
पर लगी नज़र ऐसी
जकड़ लिया अपने
पंजों में दानवों ने
कर के हरण किया
दुष्कर्म कर कर के
तार तार मासूमियत और इज़्ज़त मेरी
इतने पर भी न भरा
मन तोड़ दी गर्दन की
हड्डी काट दी जुबान
छोड़ यूँ अधमरा भाग
गए ऊंची जाति के वो दानव सारे
छोड़ तड़पने और मरने को
इस छोटी जाति की बेटी को
कई दिन हस्पताल में रहने
पर चली चाल ले जाने को
दिल्ली और एक ही दिन में
हो गई खत्म कहानी मेरी
अन्याय पर अन्याय ऐसा
मौत को भी न मिला सम्मान
न साथ अपने परिजनों का
बस जला दिया रातों रातों
तड़पती रही माँ बिलखते रहे पिता
छटपटाती रही बहन
गुहार लगाता रहा भाई
पर सुनी न सदा किसी ने
पहले दुष्कर्म फिर रहस्यमयी
मौत और यूँ मनमानी कर
बिना किसी को बताए जला देना
जात पात और मजहब की
राजनीति का आईना
है जिसने खड़े किए कितने
सवाल ताकतवर दरिंदो,सत्ता,
प्रशासन, कानून जिसने रचा खेल ये
सारा एक मासूम बेटी
के साथ जिसका कसूर भर
इतना था थी वो गरीब और निम्न
जाति की
क्या इज़्ज़त भी बड़ी छोटी होती है
क्या अपराध का मापदंड भी
छोटा बड़ा होता है
क्या गरीब को सज़ा
अमीर को संरक्षण
यही क्या एक बिटिया की नियति है
पूछती चीख चीख कर हर वी
बेटी जो आये दिन होती शिकार इस
घिनौने दुष्कर्म का
और पूरा सिस्टम लग जाता
फिर उसकी लिपा पोती पर
ये विडंबना नहीं तो और क्या है ??
कौन दिखाए आईना
जात पात, मजहब, राजनीति,
सत्ता, कानून
के इन मुट्ठी भर ठेकेदारों को
ताकि हो सकें सुरक्षित बेटियां हमारी

मीनाक्षी सुकुमारन
नोएडा, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

प्राण प्रिय

तुम मेरे प्राण प्रिय हो ।
तुम दीपक,मैं बाती हूँ ।
तुम चंदन, मैं उस में ।
समाई सुगंध हूं ।
तुम तरू और मैं छाया हूं ।

तुम उर मैं धड़कन हूं ।
तुम श्वास में प्रशवास ।
तुम परमेश्वर में भक्तन ।
तुम दाता में याचक ।
तुम पुष्प मैं उसमें ।
समाहित सुगंध तुम मोती, मैं
माला का धागा ।
तुम मेरे प्राण प्रिय ।
मैं तुम्हारी प्रयेसी ।
तुम सूरज हो मैं चंदा हूं ।
तुम अंबर में धरा हूं ।
तुम्हें निहार मैं नैन खोलूं ।

तुम्हें देख ही मैं ।
अपनी पलकें बंद ।
कर रात्रि विश्राम करूँ ।
तुम ही मेरा प्रेम हो ।
तुम ही मेरा संसार हो ।
तुम हर्षित होते हो तो ।
मेरा उर हर्षित होता है ।
तुम्हारे संग ही मेरा, अस्तित्व है ।

संगीता सूर्यप्रकाश
भोपाल, मध्यप्रदेश।
www.womenexpress.in

जान लड़ा जो अन्न उगाता, कृषक कहाता है

जान लड़ा जो अन्न
उगाता, कृषक कहाता है।
सकल देश को धन्य
कराता,कृषक कहाता है।

आँधी, तूफाँ, गरमी, वर्षा,
हर मौसम श्रम करता,
कर्मठता का नीर नहाता,
कृषक कहाता है।

धरती माँ का सच्चा बेटा
बनकर जो नित रहता,
पानी जैसा स्वेद बहाता,
कृषक कहाता है ।

शहरों से जो दूर रहे,पर
सबकी ख़ातिर हरदम,
माटी से नित प्यार
जताता, कृषक कहाता है।
पीर, दर्द, ग़म, तकलीफ़ों
में भी नहीं कभी मुरझाता,
नित साहस के गीत
सुनाता, कृषक कहाता है।

बहुत काम पर,पैसा
सीमित, कद्र न होती है,
पर हर मुश्किल को पी
जाता, कृषक कहाता है।

नहीं शिकायत जो करता
है, हर हालत में खुश,
हर इक को जो हरदम
भाता, कृषक कहाता है।

अर्थव्यवस्था का निर्माता,
श्रम सीकर सब मानें,
जय किसान का मान
निभाता, कृषक कहाता है।

वह तो सबके हित की
सोचे,पर बेवश है नित ही,
सबके हित मन भाव
जगाता, कृषक कहाता है।

सरकारें और हम सब
सोचें, हित साधें सब मिलकर,
कर्तव्यों का भाव जगाता,
कृषक कहाता है ।

प्रो.शरद नारायण खरे
मंडला, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

इंतजार

विरहता की टीस से
उभर जाता है प्रेम ज्वार भाटे सा
चाहत ,चकोर सी
आकर्षण दे जाती चंद्रमा को
आँगन में चांदनी की छाया
जब बादलों की ओट से
कराती पलपल इंतजार
लगता है चंद्रमा के रुख पे
डाल रखा हो बादलों ने नकाब
सोचती हूँ
अगर तुम आ जाओ
तो लिपट जाऊ बेल की तरह
और दिखा सकूँ
प्रेम के मील पत्थर बने
ताजमहल को विरहता में
समझ सकों प्रेम का मतलब तो
इंतजार के मायनों में
तुम्हें चंद्रमा की चांदनी
और भी उजली नजर आने लगेगी
जब पास होंगे तुम मेरे।

संजय वर्मा
धार (मध्यप्रदेश)।

दिल ढूँढता है

ना जाने क्यूँ दिल ढूँढता
वफ़ा की थोड़ी आस है।
घिरे कितने दर्दओसितम के
घने साये है।
अनजाने ही क्यूँ देखते,
राह तकते,एक चाँद वो
जो निकलेगा कभी अँगना में,
लेकर आएगा दामन में
खुशियाँ हज़ार। केवल बहार!
नहीं क्यूँ दिखती एक बूँद भी रोशनी।
साँझ ढले हरदिन,
उम्मीद ना ढलने पाए
जुगनुओं ने भी मानो
डेरों पर ना चमकने की हो ठानी।
कब आएगी वो शाम सुहानी।
ना दिखती कही कोई राह है
मन में फिर भी क्यूँ चाह है?
क्यूँ आवाज़ आती है
किसी कोने से कि देखना सखि
आएगी जीवन में तेरे
वो शाम सुहानी
वो शाम एक मस्तानी।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

मानव मूल्यों का पतन

मानवमूल्यों का पतन,
कुछ इस कदर हो रहा है।
छीनकर निवाला गरीबो का,
शासन नोटों के बिस्तर पर सो
रहा है।
अपने घर तो भर लिये खजानों से,
अब विदेशियों के घर भी भर
रहा है।
मानवमूल्यों का पतन,
कुछ इस कदर हो रहा है।
योजना की गगन चुम्बी इमारतों
के नीचे,
आम नागरिक खून के घूट पी रहा है।
कोख मे ही नष्ट होती बेटियां,
देवी संस्कृति का अपमान हो रहा है।
मानवमूल्यों का पतन,
कुछ इस कदर हो रहा है।
जीवन देने वाला रूपी भगवान,
मानव अंगों को क्यों बेच रहा है।
मुनाफा जमा खोरी की दौड़ मे,
लाशो का बाजार बना रहा है।
स्वार्थ के लिए जिस डाल पर
बैठा है,
मानव उस ही डाली को काट
रहा है।
मिट गए जो माटी के लिए
लड़ते लड़ते,
आज हक के लिए उनका
परिवार लड़ रहा है।
मानवमूल्यों का पतन,कुछ इस
कदर हो रहा है।

दिनेश सिह नेगी
देहरादून, उत्तराखंड ।
www.womenexpress.in

अब तुम्हारे लिए

लेखनी बनकर बस तुम
रहो साथ में
मैं लिखूं गीत बस अब
तुम्हारे लिए..।।

जो बचे खाली पन्ने हैं अरमानों के
प्रीति उस पर लिखूं
मैं तुम्हारे लिए..।।
मेरी फीकी हंसी में
मिला दो हंसी मुस्कुराउंगा मैं
बस तुम्हारे लिए..।।

रूठकर मुझसे तुम
न सताया करो प्रेम मेरा है बस
अब तुम्हारे लिए..।।

साथ से साथी बन जाएं
आओ चलें मेरा जीवन है बस
अब तुम्हारे लिए..।।
अब तुम्हारे लिए..।।

विजय कनौजिया
अम्बेडकर (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

सच्चा है आईना

सच्चा है आईना, झूठ की
फरमाईश फिजूल है
वफ़ा फितरत है, बेवफाई की
खूबाईश फिजूल है
ये जो देखेगा वही
दिखलाएगा,आदत है इसकी
हंसी मुखौटे से आईने की
आज़माइश फिजूल है
लुट रहा है सब कुछ फिर भी
ख़ामोश हर बशर
अंधो के शहर में आइनों की
रिहाइश फिजूल है
तुझको खुद मे देखा जब भी
आईना देखा मैने
तुझे लिखता हूँ, मेरी दादओ
सताइश फिजूल है
दिल तड़पता नहीं अगर गम
देख कर इंसान का
ये मंजिर मे पूजा,खुदा की ये
परस्तिश फिजूल है
सूख गए हैं अश्क आँखों के
देख हालातएवक्त
एहसास ना हो गर धड़कनों की
जुम्बिश फिजूल है
देख के आइना हकीकत से
अपनी रूबरू होता है
अश्क आँखों में हँसी चेहरे
पे,ये कोशिश फिजूल है

संगीता
वड़ोदरा, गुजरात ।
www.womenexpress.in

उसे याद रखो...

खिड़की के माध्यम से
दृश्यमान आकाश
का आनंद लें ....
हो सकता है आपके शौक
खूबसूरती से खिल जाएँज
स्थिर जीवन आश्चर्यजनक..
वे क्या सोच रहे हैं?
प्याज की कीमतें
ऊपर चढ़ गए? बस इतना ही
समय के साथ चढ़ाई
नीचे जाना बस, महंगा
मध्यम वर्ग की अर्थव्यवस्था में
क़ीमती निवासी बस ....
इसे समझें और इसे दूर फेंक दें
अपने जीवन को चलाना
सबसे कठिन है
हालांकि मुझे यह पता है कि
मैं क्या करूँ?
आपको जीना है और उसके
लिए खुद बनना होगा ...।
आपके शौक
अपनी आर्थिक प्रगति पर खर्च करें।
एक ही बात है
बस इतना याद रखें कि
आपको ऊंचा उठा देंगे ...

ओटेरी सेल्व कुमार
www.womenexpress.in

महामारी के बीच पलता प्रेम

इन बीमारों की भीड़ में रहते हुए थक गयी थी..तुम कल मुझे ज़िन्दगी देने आए थे,अंदर से खाली हो चुकी थी मैं ,तुम मुझे उम्मीद का पैकेट पकड़ाने आये थे...मैं दरवाज़े पर खड़ी इंतज़ार कर रही थी ..कहीं दूर से आती तुम्हारी गाड़ी की आवाज़ भी मुझे जल्द सब ठीक हो जाने का दिलासा दे रही थी,तुम मेरे सामने थे दरवाज़े के उस ओर..और मेरी बेबसी कि मैं तुम्हें महसूस न कर पायी...हर वक़्त तुम मुझसे कहते थे पॉजिटिव रहना चाहिए..आज यही पॉजिटिविटी हम दोनों के बीच दरवाज़े की शक्ल में दीवार बनकर खड़ी थी...इस महामारी ने दरवाज़े और दीवारों को एक कर दिया जैसे...तुम्हें देखते ही जी में आया तुरंत तुम्हारी बाहों में समा जाऊँ... उस वक़्त समझ आया जबरन दबाये हुए ज़ज़्बातों का कितना बोझ होता है , तुम्हें देख पा रही थी यही काफी था पर उसी समय बत्ती गुल हो जाना अंधकार को नया आयाम दे रहा था ,उसमें तुम्हारी रोशनी घुली थी। हमने खामोशियों को ओढ़ा था या खामोशियों ने हमें ...ये नहीं पता ...पर कुछ शोर था उस लम्हें में हमारी तेज़ धड़कनों का ,उफनती साँसों का, महसूस न कर पाने से मायूस, काँपते हाथों का..कुछ शोर तो था...तुम चले गये मुझे वहीं छोड़कर ..खामोशी ने दोबारा लम्हें पर अधिकार जमा लिया...मैंने दरवाज़े की सलाख की ठीक उसी जगह पर हाथ रखकर दोबारा उस शोर को सुनना चाहा ,जहाँ तुमने अपनी छाप छोड़ हाथ साफ कर लिए थे, मैं समेट रही थी तुम्हें अपनी मुट्ठी में , बादल की गड़गड़ाहट और हल्की बूँदाबाँदी, वातावरण की और मेरी तन्द्रा तोड़ने के लिए काफी थी,आसमान रो रहा था..मैंने भी अपने गालों पर नमी महसूस की...धरती और मैं..भीग रहे थे अकेले..खामोश। लौटते समय दरवाज़े से कमरे तक के सफर में कई भाव आये और बिखर गये मेरे आसपास..उस दिन कोविड सेंटर का हर हिस्सा मुझे खा जाने को बेताब लगा,गलियारे के हर खंभे पर उभरता तुम्हारा नाम, होठों को एक विशेष आकृति में मोड़ गया...एकाएक दीवारों की ओर नज़र गयी, चेहरा पीला पड़ गया, एक अजीब उदासी ने मुझे घेर लिया...मैं तुम्हें छोड़ आयी थी दरवाज़े पर..मुझे दीवारों पर कोफ्त हो रही थी...वे मिल रही थी एक दूसरे से हर कोने पर..मैं हर कोने को काट कर गोल आकृति में ढाल देना चाहती थी ताकि बिछड़ने और मिलने का ये खेल समाप्त हो जाये ...बस एक दूसरे के साथ चल सकें अनंतता की ओर...

कृति गुप्ता, अभिव्यक्ति
नरसिंहपुर, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

बस संसद में चिल्लायेंगे

कुछ लोग कैंडिल मार्च करेंगे
हफ्ते दस दिन शोक मनायेंगे
कवि लेखक साहित्यकार
अपने शब्दों से आवाज उठायेंगे
फिर सब भूल जायेंगे जो
जैसा चलता रहा वैसा ही चलेगा
कोई कानून नहीं आयेगा
नेतागण बस संसद में चिल्लायेंगे

सुमित रंजन दास
कहुआ, बिहार ।

एक मुलाकात का इंतेजार है साहब

राब्ता उससे अब कहाँ है साहब ,
मेरी चाहतों का सवाल है साहब ,
दर्दे दिल है कोई तो बता दो उसको ,
हमारी निस्बतों का सवाल है साहब ,
छोड़ कर चला गया फिर भी जिंदा हूँ ,
जान का मेरी अब सवाल है साहब ,
मुददत हुई उनको देखा ही नहीं मैंने ,
एक मुलाक़ात का इंतेज़ार है साहब ,
वो पढ़ाई के दिन और स्कूल का मंज़र ,
दिल वो पल भूलता ही नहीं है साहब ,
तेरा ही हूँ वो मुझसे ये कहा करता था ,
किसी ओर का क्यों वो हो गया साहब ,
हसता है , देखता है और मुस्कुराता है ,
उसका हर अंदाज़ लाजवाब है साहब ,
कोई रिश्ता है न वाबस्तगी भी मेरी मुश्ताक ,
दिल क्यों तवाफ़ उसका करने लगा साहब ,

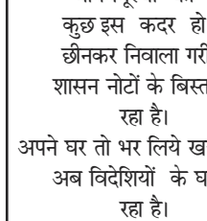

डॉ .मुश्ताक अहमद शाह
सहज, मध्यप्रदेश ।

मैं बुरी थी

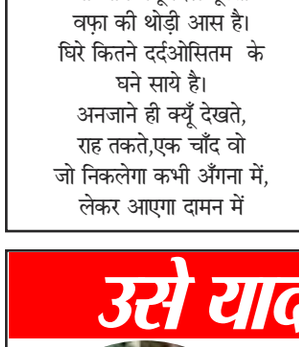

जब मै इतनी बुरी थी
दुर तुमसे खडी थी
क्यो आऐ थे मेरे पास
क्यू जगाई थी झुठी आस
जब मै इतनी बुरी थी
बडा प्यार जतलाते थे
आँखो मे हमको बसाते थे
कहते थे परछाई हू
तेरे दिल की गहराई हू
जब मै इतनी बुरी थी
तेरे लिए दुनिया को भूल जाऊगा
सब से छुपा के एक अलग
जहा बसाऊगा
तेरे दर्द को अपना दर्द बनाऊगा
तेरे होटो पर प्यार का नगमा सजाऊगा
जब मै इतनी बुरी थी
कहा गये तेरे वो वादे इरादे
नही होती बिन बादल बरसाते
अब तुम मुझे देख घबराते
कभी निकलते कभी छुप जाते
चाँद की अहम भूमिका निभाते
जब मै इतनी बुरी थी
शायद नजरे मिलाने से कतराते
दिल को साफ किया था मैने
हर गुनाह पर माफ किया था मैने
सोचा था सुधर जाओगे
अपनी करनी पर पछताओगे
जब मै इतनी बुरी थी
मेरे दिल का मर्म समझ पाओगे
लेकिन तुम ठहरे इक आवारा बादल
दिल से खेलना था तुम्हारी इबादत
इस से ज्यादा ना कुछ कह पाऊगी
तुम्हे पुजा है तुम्हे पुजे जाऊगी
और अब शायद दिल का दर्द
किसी से ना कह पाऊगी
मौन हू मौन ही रह जाऊगी
जब मै इतनी बुरी थी
दुर तुमसे खडी थी
क्यो आऐ थे मेरे पास
क्यू जगाई थी झुठी आस

रेखा वर्मा
जयपुर (राजस्थान) ।
www.womenexpress.in

ऐ जिंदगी रफ्तार मे हरदम न गुजरा कर

ऐ जिंदगी रफ्तार मे हरदम न
गुजरा कर
दौरएक़रार दे और ज़रा तो
ठहरा कर
अश्क़ों की गहरी नदी मे नांव
है उम्मीद की
बैठे हैं तनहा जहन मे है यादों
की भीड़ सी
भटक ना जाउं मै किनारा नांव
पे पहरा कर
ग़म के धूप संग दिया सितम
का जो हवा
हिस्से के हिज़्र का भी करेंगे
ना शिकवा
बन के ज़रा तबस्सुम इन लबों
पे पसरा कर
दौरएक़रार दे और ज़रा तो
ठहरा कर
जिंदगी तेरे वास्ते क्या से क्या
कर गये
हद्द से गुज़र गये संवर के
बिखर गये
मेरे वास्ते ऐ जिंदगी कभी तो
संवरा कर
दौर क़रार दे और ज़रा तो
ठहरा कर

बीना राय
गाजीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

ज़िंदगी के भँवर में हूँ उलझी हुई

ज़िंदगी के भँवर में हूँ उलझी हुई ,
थाम लो हाथ तो मैं
उबर जाऊंगी ।
है गहरी बहुत, उलझनों की नदी ।
नेहकी प्रीति पतवार,
तुम जो बनो ।
मेरी नईया किनारे, उतर जायेगी ।
ज़िंदगी के भवर में ,
हूँ उलझी हुई, थाम लो हाथ...
घन अंधेरी बहुत ,
जिंदगी की डगर ।
प्रेम की लौ जो तेरी, दिए सी जले ।
राहें रौशन हमारी, भी हो जाएंगी ।
ज़िंदगी के भँवर में ,
हूँ उलझी हुई ।
थाम लो हाथ ...
सूने खंडर सी काया ,
और सुना है मन ।
तेरे सांसों की सरगम ,
जो मन में घुले ।
वीरां दिल फिर ,
महफ़िल सी सज जाएगी ।
जिंदगी के भंवर में ,
हूँ उलझी हुई थाम लो हाथ

मधुलिका राय
गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

आत्मचिंतन...

माँ की दवाई का खर्चा,
उसे मज़बूरी लगता है।
उसे सिगरेट का धुंआ, जरुरी लगता है ।।
फिजूल में घूमता ,
दोस्तों के साथ इधरउधर।
बगल के कमरे में माँ से मिलना,
मीलों की दुरी लगती है।।

वो घंटों लगा रहता है फेसबुक पे,
अजनबियों से बतियाने में।
अब माँ का हाल जानना,
उसे बुरा लगता है।।
खून की कमी से मरती,
बेबस लाचार माँ।
वो दोस्तों के लिए,
शराब की बोतल पूरी रखता है।।

वो बड़ी कार में घूमता है ,
लोग उसे रईस कहते है।
पर बड़े मकान में,
माँ के लिए जगह थोड़ी रखता है।।

माँ के चरण देखे,
एक अरसा बीता उसका।
अब उसे बीवी का दर,
श्रद्धा सबुरी लगता है।।

ठकराराम प्रजापत
बाड़मेर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

भारतीय टीम में चुना जाना मेरे लिए बड़ी बात: वरुण चक्रवर्ती

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती को आगामी आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए पहली बार भारतीय क्रिकेट टीम में चुना गया है।

भारतीय टीम में चुने जाने पर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि उन्हें वास्तव में अच्छा महसूस हो रहा है, लेकिन उन्होंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। चक्रवर्ती ने बीसीसीआई टीवी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, 'आस्ट्रेलिया दौरे पर टी 20 श्रृंखला के लिए चुना जाना वास्तविक है। भारतीय टीम में चुना जाना मेरे लिए निश्चित रूप से बहुत बड़ी बात है। मैं वास्तव में इसकी उम्मीद नहीं कर रहा था।' 29 वर्षीय चक्रवर्ती आईपीएल

13 के 11 मैचों में अब तक 13 विकेट ले चुके हैं।

उन्होंने हाल में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक मैच में पांच विकेट लिए थे। 16 सदस्यीय भारतीय टीम में वह कुलदीप यादव की जगह लेंगे, जो खुद भी कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा हैं। कोलकाता ने इस बार नीलामी में चक्रवर्ती को चार करोड़ रुपये में खरीदा था।

उन्होंने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ घातक गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 20 रन देकर पांच विकेट लिए। चक्रवर्ती ने कहा, 'इस आईपीएल में मेरा मुख्य लक्ष्य नियमित रूप से टीम के लिए खेलना और टीम की जीत में योगदान देना था।

मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं अब तक अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं अपने इस प्रदर्शन को भारतीय टीम के लिए भी जारी रखूंगा।' उन्होंने कहा, 'इसके लिए मैं चयनकर्ताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे ऊपर भरोसा जताया है।' आस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को 27 नवंबर 2020 से 19 जनवरी 2021 तक तीन टी20, तीन वनडे और चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलनी है। हालांकि अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं हुई है।

मलाइका अरोड़ा ने शेयर की सनकिस्ड सेल्फी, खुद को बोली सनशाइन गर्ल

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 27 अक्टूबर । बॉलीवुड दिवा मलाइका अरोड़ा ने मंगलवार को अपने प्रशंसकों के साथ अपनी खास तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में मलाइका धूप का आनंद लेते नजर आ रही हैं।

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इस बार उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी सनकिस्ड सेल्फी शेयर की है। तस्वीर में मलाइका को नो मेकअप लुक में देख सकते हैं। हाल में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने अपने खास दोस्तों के साथ अपना 47वां जन्मदिन मनाया है। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपनी बेहद खूबसूरत सेल्फी को शेयर कर लिखा 'मॉर्निंग आर माई थांग... सनशाइनगर्ल।' तस्वीर में मलाइका अरोड़ा बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। सूरज की किरणें उनके बालों से होते हुए माथे और चेहरे पर बिखर रहा है। उनका चेहरा काफी चमक रहा है।

वहीं मलाइका अरोड़ा के पोस्ट पर उनके प्रशंसकों और कई सेलिब्रिटी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और पोस्ट को लाइक कर रहे हैं। मलाइका के पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने लिखा'वाह मेरी गोल्डन गर्ल।' रिद्धिमा कपूर साहनी, महीप कपूर सहित 1 लाख से अधिक प्रशंसकों ने मलाइका के पोस्ट को पसंद किया है और कई लोगों ने दिल वाली इमोजी शेयर की है। मलाइका अरोड़ा अक्सर वर्कआउट और योगा करते अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं। लॉकडाउन के दौरान मलाइका ने अपनी कुकिंग से भी अपने फैंस का दिल जीत लिया था। मलाइक अपनी हॉट फोटो और लव अफेयर की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा लंबे समय से एकदूसरे को डेट कर रहे हैं।

अक्सर दोनों साथ में पार्टी और डिनर डेट के लिए जाते हैं। अर्जुन और मलाइका फैमिली फंक्शन में भी अक्सर साथ देखे जाते हैं। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर लवबर्ड्स में से एक हैं।

हाल ही में मलाइका और अर्जुन कपूर कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। दोनों अब ठीक हो चुके हैं और अपने अपने काम पर लौट आए हैं। मलाइका अरोड़ा ने अरबाज खान से साल 1998 में शादी की थी। दोनों का 2017 में तलाक हो गया था। दोनों का एक बेटा अरहान खान हैं जो मलाइका के साथ रहता है।

असम और मणिपुर में हॉकी खिलाड़ियों ने शुरू किया प्रशिक्षण

गुवाहाटी, 27 अक्टूबर । असम और मणिपुर में हॉकी खिलाड़ियों ने हॉकी के विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। हॉकी इंडिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा,'विस्तृत एसओपी और दिशानिर्देश अप्रैल 2020 तक सभी राज्य सदस्य इकाइयों के साथ साझा किए गए थे और व्यवस्थित रोलआउट के लिए तैयार होने के इरादे से तैयार किया गया था। असम राज्य में, लगभग 100 खिलाड़ियों ने सीमित खेल गतिविधियों को फिर से शुरू किया है। हॉकी इंडिया ने आगे कहा,'खिलाड़ी, जो अंडर 16 और अंडर 19 आयु वर्ग के हैं, बुनियादी अभ्यास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और धीरेधीरे वापस लय हासिल कर रहे हैं। राज्य सदस्य इकाई के खिलाड़ी और कोच, जो वर्तमान में अपने अगले घरेलू टूर्नामेंट की ओर बढ़ रहे हैं नवंबर के पहले सप्ताह में हॉकी इंडिया द्वारा उनके लिए एक टेस्ट इवेंट

आयोजित किया जाएगा।' हॉकी इंडिया ने कहा, 'लगभग 150 खिलाड़ी, जो अंडर18 और अंडर20 श्रेणियों से संबंधित हैं, ने मणिपुर में खेल गतिविधियों को फिर से शुरू किया है। राज्य भर में खेल गतिविधियों की निर्बाध बहाली के लिए मणिपुर के विभिन्न पंजीकृत जिलों में 21 दिनों के कोचिंग सत्र आयोजित करने की योजना है। मणिपुर राज्य में खेल गतिविधियों के फिर से शुरू होने पर,मणिपुर हॉकी के अध्यक्ष बासुदेव सिंह ने कहा, 'हम बेहद खुश हैं कि हमारे राज्य में खेल गतिविधियां फिर से शुरू हो गई हैं। हम कई महीनों से खेल गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं और इसलिए हमें खुशी है कि मणिपुर के खिलाड़ियों को मैदान में वापसी करने का मौका मिला है। हमें उम्मीद है कि खिलाड़ी जल्द से जल्द अपने पूरे फॉर्म में वापस आ जाएंगे। हम हॉकी इंडिया के बहुत आभारी हैं। जिन्होंने सही समय पर प्रक्रियाओं में हाथ डाला ताकि मणिपुर के खिलाड़ी बिना किसी परेशानी के मैदान पर वापस आ सकें।'

गेल टी-20 क्रिकेट के अब तक के सबसे महान बल्लेबाज: मनदीप सिंह

शारजाह। किंग्स इलेवन पंजाब के सलामी बल्लेबाज मनदीप सिंह ने टीम के साथी खिलाड़ी क्रिस गेल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह टी20 क्रिकेट के अब तक के सबसे महान बल्लेबाज हैं और उन्हें इस छोटे प्रारूप से रिटायर नहीं होना चाहिए। मनदीप की यह टिप्पणी सोमवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में पंजाब द्वारा कोलकाता नाइट राइडर्स को आठ विकेट से हराने के बाद आई है। मनदीप और गेल ने 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए क्रमशः 66 और 51 रन बनाए। मनदीप ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'गेल को कभी भी टी20 क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए। वह हमेशा अच्छे टच में रहते हैं। मैंने उन्हें कभी संघर्ष करते नहीं देखा। वह शायद टी20 क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ी हैं।' केकेआर के खिलाफ टूर्नामेंट में पंजाब की यह लगातार पांचवीं जीत थी और टीम अब 12 अंकों के साथ अंक तालिका में चैथे स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब के मौजूदा स्वरूप पर विचार करते हुए।

ट्रोल्स पर ज्यादा ध्यान नहीं देता: कपिल शर्मा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । कॉमेडियन कपिल शर्मा का कहना है कि वह ट्रोल्स पर ज्यादा ध्यान नहीं देते हैं और अपने चुटकूलों के माध्यम से दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने में यकीन रहते हैं।

दरअसल, कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर लोगों ने कपिल को इसलिए आड़े हाथों ले लिया क्योंकि उन्हें अपने शो पर दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के बारे में कोई जिक्र नहीं किया।

ट्रोलिंग का वह किस तरह से सामना करते हैं? इसके जवाब में कपिल ने आईएएनएस को बताया, मैं सिर्फ अपने प्रशंसकों को हंसानेगुदगुदाने पर फोकस करता हूं और मैं अपने चुटकूलों के माध्यम से दुनिया को बेहतर जगह बनाने में यकीन रखता हूं। मैं ट्रोल्स पर ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं। कपिल इस वक्त अपने

मौजूदा दौर का जमकर आनंद ले रहे हैं। पिछले साल, वह पिता बने और अब वह खासतौर पर बच्चों के लिए बने एक शो के साथ जुड़े हैं।

कपिल कहते हैं, मैं खुद को बहुत धन्य मानता हूं। हर दिन कोई नया ऑफर मिल रहा है। पिता बनने से पहले भी मेरे अंदर बच्चों के लिए कुछ करने की ख्वाहिश थी। इसी का नतीजा है कि द कपिल शर्मा शो में आपकों बच्चों का अवतार देखने को मिल रहा है। बच्चों के लिए आगे भी बहुत कुछ करना जारी रखूंगा। द हनी बनी शो विद कपिल शर्मा इसकी एक अच्छी शुरुआत है।

शो के बारे में बात करते हुए कपिल ने कहा, पहली बार मैं किसी एनिमेटेड शो के लिए शूटिंग कर रहा हूं। यह एक नया अनुभव है, लेकिन समय के बाद मैं इसे समझ पाने में कामयाब रहा और मुझे अब इसमें मजा आ रहा है। यह एक अनोखा और रोमांचक अनुभव है।

कोरोना का हो रहा, धीरे-धीरे अंत

कोरोना का हो रहा, धीरेधीरे अंत।
साहस संयम से
सदा,जनमानस जीवंत।।

यद्यपि चीनी वस्तु का, नहीं
कोई विश्वास।
फिर कोविड में भर दिया,कौन
हलाहल खास।।

कोरोना का कहर तो, दावानल
सी आग ।
नियमों का पालन करें, रोग
जाएगा भाग।।
गुणीजनों का ले लिया,दिल से
यदि आशीष।
संकट के बादल छटें, हों
प्रसन्न जगदीश ।।

कोरोना से मुक्ति का, होवे ऐसा सेंस ।
सैनिटाइज घर रहे, हो सोशल डिस्टेंस।।
संयम और विवेक से, हो
संकट का नाश ।
सजग रहें तो तम हटे ,होगा
उदित प्रकाश।।

राम चरण
ग्वालियर (मध्य प्रदेश) ।
www.womenexpress.in

ओढनी को पर बना देता

हमारे ग़म को थोड़ी सी दवा
देता तो अच्छा था,
वो जाते जाते थोड़ा मुस्कुरा
देता तो अच्छा था।
जिसे देखो वो आता है यंहा
बस। दिल को बहलाने

खुदाया दिल को चिड़ियाघर
बना देता तो अच्छा था।
हमारे पैर में डाली गई दहलीज की बेड़ी,
हमारी ओढ़नी को पर बना
देता तो अच्छा था।
अजब है शौक उसका हर
किसी के घर ठहर जाना
किसी उजड़े हुए घर को
बसा देता तो अच्छा था।
बहुत आसान है दौलत जमाने
में कमा लेना,
किसी मज़लूम की खातिर लुटा
देता तो अच्छा था।

अभिलाषा सिंह,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश ।

द्रोपदी का प्रतिशोध

द्रोपदी के प्रतिशोध की उठी लपटें
दिल्ली, उन्नाव और कठुआ
पीड़ितों के इंसाफ़ के लिये
वासुदेव फिर से अवतार लेंगे क्या?
इंसानियत को शर्मसार करने वाले
दरिंदो के अधर्म के लिये

अस्मिता की रक्षा के लिए
वासुदेव फिर से अवतार लेंगे क्या?
भरी सभा में बचाई थी जिसने
द्रोपदी की लाज
धर्म की रक्षा के लिए जिसने
रचा था महाभारत
100-100 द्रोपदियों की चीख सुन
वासुदेव फिर से अवतार लेंगे क्या?
आत्मजा के जिस्म को नोचने
वाले गिद्धों के विनाश के लिये
अश्रुओं के वेग को रोकने के लिए
धर्म का संतुलन स्थापित करने
के लिए
वासुदेव फिर से अवतार लेंगे क्या?

विश्वजीत चौधरी
www.womenexpress.in

तुम शरदचंद्र की पूर्णिमा

तुम शरदचंद्र की पूर्णिमा ।
मैं धरा का.....एक दिया।।
मेरे जहन की रोशनी में,
प्रेम सा नित झिलमिला।
तुम शरदचंद्र की पूर्णिमा।
मैं धरा का.....एक दिया।।
तुम हो ख्वाब जन्नत का।
मैं मरगट में.....बसा।।
मेरे विचारों को क्षितिज दे।
मुझ में..... समा।।

तुम हो आफताब का नूर।
मैं धरा की निर्जीव धूल।।
तुम शरदचंद्र की पूर्णिमा।
मैं धरा का.....एक दिया।।
तुम प्रेम की अमिट कथा।
मैं विरहा की एक व्यथा।.
मुझको अमर रस प्रेम दे।
अमर गीत रस प्राण बन।।

प्रीति शर्मा, असीम
नालागढ़,
हिमाचल प्रदेश ।
www.womenexpress.in

सताते बहुत हैं

हैं वो बेचैन मशरूफियत से मेरी,
मशरूफियत के किस्से जो
सुनाते बहुत है, रुलाया है जिसने
खातिर दो पल के,
इल्ज़ाम बेरुखी का लगाते बहुत हैं।
है वास्ते मेरे जो सबसे जरूरी,
जरूरत पर वो कभी मिलते
नहीं है ,
वक़्त वे वक़्त कर जो जाते हैं तन्हा,
कसम से वो मुझको रुलाते
बहुत है ।
है मुहब्बत उन्हें या है ये जरूरत,
ना जाने क्यों वो बताते नहीं हैं,
जिसकी खुशियो में बसती है
खुशियां हमारी,
उफ वो मुझको सताते बहुत हैं ।
बसाया है जिसको हमने तो दिल में,
हमे वो नजर में बसाते नहीं हैं,
मिलना है जिसका मुझसे जरूरी,
क्या कहें इंतजार वो कराते
बहुत है।

करुणा कलिका,
बोकारो स्टील सिटी, झारखंड ।
www.womenexpress.in

ना हो उदास, तू गुड़िया!

देखकर उदास तुझे,
मन मेरा विरक्त हो जाता है,
तू आई है, घर हमारे,
तेरे आने का, बहुत बहुत शुक्रिया,
ना हो उदास तू गुड़िया !
खिलौनों से बहुत प्यार है तुझे,
तुमसे बहुत प्यार है मुझे,
मेरी हर खुशी तुझमें समाई है,
तुमसे ही मैंने, नई जिंदगी पाई है!

तेरा मुस्कुराना देखकर ये जमाना,
सीखेगा खिलखिलाना, होकर दीवाना,
महकती रहेगी खुशबू से,
जीवन की बगिया,
ना हो उदास तू गुड़िया !
मां तुम्हारी, कितनी सीधी,
कितनी प्यारी,
तुम्हे कितना प्यार करती है!
मिली है तुम्हें, ऐसी ममता मयी मां,
बड़ी खुशनसीब है, तू और
तेरी मां,
सुख दुःख के फूल और कांटों
से सजी है दुनिया,
अब तो ना हो उदास, मेरी गुड़िया!

पद्म मुख पंडा,
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

भावुक हूँ बहुत मैं

भावुक हूँ बहुत मैं
भावनाओं में खो जाती हूँ ।
या तो जुड़ती नही हूँ, जुड़ती हूँ तो,
शिद्दत से निभाती हूँ।
छोटी सी बात भी मुझे
कभी बहुत खुशी दे जाती हैं
छोटी सी बात ही कभी
दुखी भी कर जाती हैं।
रिश्ता नहीं जोड़ती हूँ मैं हर किसी से
दिल को जो भा जाए
निभाती हूँ उसी से।
लागलपेट चापलूसी से
कोसों दूर रहती हूँ जो भी हो दिल मे
बेबाक कह जाती हूँ
कुछ बेगाने भी मुझे अपने से
ही लगतें हैं
कुछ अपने है जो
रास नहीं आते है।
सुलझी हुई हूँ मैं,
अपने आप में उलझी हुई
समझ में आ जाऊँ जिसको
तो हूँ बयार सी, नहीं तो हूँ मैं
दहकती आग सी।
भावनाओं को मेरी ठेस नहीं पहुचाना,
मोम सी पिघलती हूँ
पर जलती हूँ शमा सी।
समझ में आ जाऊँ आसानी से
मैं कोई संज्ञा, सर्वनाम नही
मैं हूँ अलंकारों सी
समझना इतना आसान नहीं।
कभी हूँ उथली तरंगिनी
रेत नजर में आ जाए,
कभी अर्णव सी गहराई हूँ मैं
राज कई छुपाती सी।
जैसी भी हूँ हँसती बहुत हूँ
औरों को भी हँसाती हूँ
आँसू अपने अंतर्मन के,
एक चेहरे के आगे गिराती हूँ।
भावुक हूँ बहुत मैं
भावनाओं में बह जाती हूँ ।

गरिमा राकेश गौत्तम
कोटा, राजस्थान।
www.womenexpress.in

हमारा परिवार

सभी सदस्यों में प्रेम व स्नेह अपार;
कुछ ऐसा है हमारा परिवार!
बड़ो का आशीष और छोटों का प्यार;
कुछ ऐसा है हमारा परिवार!

साथ मिलकर मनाएँ, हम सारे त्योहार;
कुछ ऐसा है हमारा परिवार!
रूठना मनाना तो है रिश्तों का आधार;
कुछ ऐसा है हमारा परिवार!

मुस्कुराते हुए करते, कठिनाईयों को पार;
कुछ ऐसा है हमारा परिवार!
कैसे करें ईश्वर का धन्यवाद व आभार;
कि दिया इतना प्यारा और न्यारा परिवार!

इस कविता का मात्र, ये है सार;
कि सबसे अनमोल है, हम सबका
परिवार!

रूना लखनवी
www.womenexpress.in

हिंदुत्व के लिए लड़े

धर्म नाम की ज्योत जलाती मैं
पहली चिंगारी हूं।
मैं आज की प्रभुत्व नारी हर
अधर्मी पर भारी हूं।।
कलम को धार दे मैंने तलवार बनाया हैं।
धर्म के खातिर मैंने जुबां को
अंगार बनाया हैं।।
ना किसी का ख़ौफ पाला और
ना ही किसी से डरना हैं।
जीते तो सब हैं पर मुझे धर्म के
खातिर मरना हैं।।
शत्रु की धमकियों से डर जाऊ
मैं इतनी कमजोर नहीं ।
मेरे शब्दों को खरीद ले कोई
चंद नोटों से यह किसी के अब्बू की
जागीर नहीं।।
अरे! मैं तो हिन्दू हूं मुझे सिहनी
सा दाहड़ना आता हैं।

बन महिर्षासुर मर्दिनी बैरियों का
वक्ष चीरना आता हैं।।
सात लाख पंडितों की चिखे
आज भी कानों में गूंजा करती हैं।
हिन्द के इतने टुकड़ों के बाद
भी क्यों जिव्हा जय श्री राम के
नारों से डरती हैं।।
अरे! यह हिन्दुस्तान हैं तो यहा
हिंदू बदनाम क्यों हो रहा ।
एक हिन्दू ही अपने हिंदुत्व पर
सवाल कर रहा ।।
कायरों के साथ रह अब हम
भी कायर बन रहे।
प्रताप,शिवाजी और भगत सिंह
वाला आक्रोश भूल रहे।।
बहन बेटियों की लूटी अस्मत
पर किसी को शर्म नहीं आई।
लगे थे मीना बाजार पर एक
भी हिन्दू ने आवाज़ नहीं उठाई ।।
क्या यही नजारा तुम पुनः
दोहराना चाहते हो।
हिन्द का हर हिस्सा अब
बंगाल,कश्मीर बनाना चाहते हो।।

ऐसे ही मौन रहे तो हम टुकड़े
टुकड़े मैं बंट जाएंगे।
फिर तो हिंदुत्व का इतिहास
केवल किताबों में पढ़ पाएंगे।।
चुप क्यों हो अब तो रक्त में
उबाल भरो।
छोड़ जातियों का भेद तुम
केवल हिन्दू बनो।।
बताओ शत्रु को हम तलवारों के
साथ आज भी तलवार से बात करते हैं।
शीश कट जाए रण में पर हमारे
तो धड़ भी लड़ा करते हैं।।
हम हिन्दू हैं और हमें किसी से
डरना नहीं आता।
रण में जीत निश्चित ना हो तब
तक हमें मरना नहीं आता।।
लगाकर अब भवानी का
जयकारा युद्ध को आरम्भ करे ।
बहुत लड़े आपस में अब बन
हिंदू अपने हिंदुत्व के लिए लड़े।।

दीपिका राज बंजारा
पाली, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

बन सका न ये इंसान

देख तेरे इस जग की हालत
क्या हो गई भगवान।
ईंटगारे के महल बने हैं
बन सका न ये इंसान।

अंहकार में डूबा प्राणी
व्यर्थ करे इस जीवन को।
चक्रव्यूह में फंसा हुआ
समझे न इस उलझन को।
न जाने क्या खोज रहा
ये बन करके मेहमान।
देख तेरे इस जग की हालत
क्या हो गई भगवान।
ईंटगारे के महल बने हैं
बन सका न ये इंसान।

कपट का धन जोड़जोड़ कर
घर द्वार सब भर रहा।
झूठ की चौखट पर सर रख
खुशियाँ अपनी देख रहा।
अंत समय सब रह जाएगा
तन से जब जायेंगे प्राण।
देख तेरे इस जग की हालत
क्या हो गई भगवान।
ईंटगारे के महल बने हैं
बन सका न ये इंसान।

स्वार्थ की गठरी में बैठा
हर पल रहता ऐंठा ऐंठा।
लालच से भरा हर मानव
बन रहा अब तो है दानव।
नहीं किसी को किसी चिंता
दरदर बेच रहा ईमान।
देख तेरे इस जग की हालत
क्या हो गई भगवान।
ईंटगारे के महल बने हैं
बन सका न ये इंसान।

निशा नंदिनी भारतीय
तिनसुकिया, असम ।
www.womenexpress.in

भारत के किसानों की दशा

दिनरात करते काम किसान
भाई खेत में
चार माह लगते हैं फसल तैयार
होने रेत में।
बहुत सारा परिश्रम करने के
बाद में किसान
चार माह की मेहनत को ले
जाते बाजार में।।
बाजार में जाने पर दूर खड़े हो जाते हैं
कई व्यापारी आकर कुचलकर
चले जाते हैं।
फिर व्यापारी आकर अपने भाव
लगाते हैं
थोड़े से रुपए पाकर किसान
खुश हो जाते हैं।।
लेकिन फिर वह घर आकर
हिसाब लगाते हैं

फिर वह परिवार संग सोचते ही
रह जाते हैं।
जब वो खर्च ज्यादा और
मुनाफा कम पाते हैं
मुझसे ज्यादा मुनाफा व्यापारी
लोग कमाते हैं।।
कई साल खेती में ऐसे ही
उलझ जाते हैं
फिर वह साहूकार से ब्याज पर
रुपए लाते हैं।
कई साल तक वो ब्याज भर
नहीं पाते हैं
ऐसे ब्याज पर ब्याज किसानों
को खा जाते हैं।।
वह अगले साल अच्छी फसल उगाता है
लेकिन इस वर्ष वर्षा कम हो पाती हैं।
इस बार भी वो ज्यादा नहीं
कमा पाता है
आमदनी परिवार तक सीमित
रह जाती है।।
भारत के लोगों का अन्नदाता
कहलाता है
लेकिन व्यापारी लोग इन्हीं को
खा जाते हैं।

सरकार भी इनके लिए कुछ
नहीं करती हैं
किसान अपनी दुर्दशा पर उदास
रह जाते हैं।।
फिर वह सरकार से पुनः आस
लगाते हैं
सरकार उनके लिये कुछ नहीं
कर पाती हैं।
क्योंकि वह वादों को तो भूल
ही जाती हैं
पांच साल बाद दूसरी सरकार
आ जाती हैं।।
वोटों के बाद सरकार सोशल
डिस्टेंस बनाती हैं
अंत तक भी कोई सहायता नहीं
मिल पाती हैं।
किसान के जीने की सारी
आशा खत्म हो जाती हैं
फिर उसे आत्महत्या करने की
बीमारी हो जाती हैं।।

देवराज चौधरी
भड़वल (सांचौर)
राजस्थान ।
www.womenexpress.in

एक नजर

45 दिन बाद भी दहेज हत्या के आरोपी नहीं हुए गिरफ्तार

नोएडा । ग्रेनो के हैबतपुर गांव में दहेज के लिए गर्भवती विवाहिता की हत्या के आरोपियों को पुलिस घटना के 45 दिन बाद भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। आरोप है कि पुलिस पहले तो मुकदमा दर्ज नहीं कर रही थी और अब आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही है। इसकी शिकायत उन्होंने ट्विटर के माध्यम से पुलिस आयुक्त से की है। सिकंदराबाद निवासी योगेश कुमार की छोटी बहन मिथिलेश की शादी ग्रेनो के हैबतपुर निवासी गजेंद्र सिंह से जुलाई 2019 को हुई थी। आरोप है कि दहेज कि मांग पूरी न करने पर उनकी बहन की पिटाई की गई। अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी बहन की मौत हो गई। उनकी बहन तीन महीने की गर्भवती थी। इस मामले में बिसरख थाने में पति गजेंद्र समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

भ्रष्टाचार का वंशवाद देश को कर रहा खोखला, कई राज्यों में राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बना: मोदी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भ्रष्टाचार से लड़ना किसी एक एजेंसी का काम नहीं है, बल्कि यह सामूहिक जिम्मेदारी है। विजिलेंस और एंटी करप्शन पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज देश के सामने भ्रष्टाचार का वंशवाद बड़ी चुनौती बन गया है। पीएम ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराध, ड्रग्स और मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद टेरर फंडिंग सभी आपस में जुड़े होते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि बीते वर्षों में देश करप्शन पर जीरो टॉलरेंस की अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है। अब **DBT** के माध्यम से गरीबों की मिलने वाला लाभ 100 प्रतिशत गरीबों तक सीधे पहुंच रहा है। अकेले **DBT** की वजह से 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपए से

ज्यादा गलत हाथों में जाने से बच रहे हैं। आज ये गर्व के साथ कहा जा सकता है कि घोटालों वाले उस दौर को देश पीछे छोड़ चुका है।

पीएम मोदी ने देश में पीढ़ी दर पीढ़ी भ्रष्टाचार की समस्या का जिक्र करते हुए कहा, आज मैं आपके सामने एक और बड़ी चुनौती का जिक्र करने जा रहा हूं। ये चुनौती बीते दशकों में धीरेधीरे बढ़ते हुए अब देश के सामने एक विकराल रूप ले चुकी है। ये चुनौती है भ्रष्टाचार का वंशवाद। यानी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ट्रांसफर हुआ भ्रष्टाचार।

पीएम मोदी ने कहा, बीते दशकों में हमने देखा है कि जब भ्रष्टाचार करने वाली एक पीढ़ी को सही सजा नहीं मिलती, तो दूसरी पीढ़ी और ज्यादा ताकत के साथ भ्रष्टाचार करती है। उसे दिखता है कि जब घर में ही, करोड़ों रुपए कालाधन कमाने वाले का कुछ नहीं हुआ, तो उसका हौसला और बढ़ जाता है। इस वजह से कई राज्यों में तो ये राजनीतिक परंपरा का हिस्सा बन गया है। पीढ़ी दर पीढ़ी चलने वाला भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार का ये वंशवाद, देश को दीमक की तरह खोखला कर देता है।

रामगढिया बोर्ड की सालाना बैठक में लिए कई अहम फैसले

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । रामगढिया बोर्ड दिल्ली की वार्षिक बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्री राजेन्द्र पाल गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राजेन्द्र पाल गौतम ने कहा कि रामगढिया बोर्ड दिल्ली समाज के लिए बहुत बढिया काम कर रहा है। इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार मदद करेगी। इस मौके पर बोर्ड का लेखा जोखा पेश किया गया। साथ ही सुखबीर सिंह गिल को रामगढिया बोर्ड दिल्ली का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। बोर्ड के प्रधान जितेंद्र पाल सिंह ने कहा पिछले दो साल से बोर्ड तीन सिलाई सेंटर तथा एक कंप्यूटर सेंटर चला रहा है, जिसमें जरूरत मंद लोगों को मुफ्त में शिक्षा दी जाती है। इसके अलावा गरीब लड़कियों की शादी के लिए रामगढिया बोर्ड मदद करता है। आगे 21 लड़कियों की शादी करने

की बात कही है। इस मौके पर गुरशरण सिंह संधु, बलविंदर मोहन संधु, अवतार सिंह, गुरिंदर सिंह, अमरजीत सिंह सोढ़ी, मनमीत सिंह, केवल सिंह, हरपाल सिंह मान, तथा कई गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा विधायक शिवचरन गोयल, विधायक गिरीश सोनी, पूर्व मंत्री हरशरन सिंह बल्ली, गुरमुख सिंह बिटटु तथा सुखबीर सिंह गिल ने भाग लिया।

नवंबर 1984 नरसंहार का सिखों को न्याय कब: पतविंदर सिंह

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

प्रयागराज । नवंबर 1984 को आज 36 वर्ष होने जा रहे हैं । सिख नरसंहार दिल्ली,कानपुर सहित पूरे देश में जिसमें हजारों की तादाद में सिख मारे गए थे। और अरबों,करोड़ों की संपत्ति नष्ट कर दी गई सिख भाई,बहनों,बच्चियों के गलों में टायर डालकर जिंदा जला दिया गया था गुरुद्वारों को अग्नि भेंट कर दिया गया था चारों तरफ अनिश्चितता,आहाकार का माहौल कांग्रेस ने बना दिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार 2014 आई सिखों को उम्मीद जागी तब हमें कुछ सालों मैं एस आई टी बनाई गईद्य कांग्रेस का बड़ा मगरमच्छ सज्जन कुमार सहित कुछ लोग जेल की सलाखों में गए अखिल भारतीय दंगा पीड़ित राहत कमेटी ने 1985 से 2020 तक इस लड़ाई को जिंदा रखा और 2018 में राहत कमेटी ने सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका डाली जिसमें कहा गया कि कानपुर में 127 लोग मारे गए थे जो दोषी हैं जेल की सलाखों में नहीं गए हैंद्य सर्वोच्च न्यायालय में दो बातें कही गई थी सी बी आई या एस आई टी का गठन हो इसके बाद यूपी में बीजेपी सरकार आ गई राहत कमेटी

के प्रधान कुलदीप सिंह भोगल ने550वे गुरु नानक देव जी के प्रकाशउत्सव पर प्रधानमंत्री के निवास पर प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्हें 1984 नरसंहार की पूरी बात बताई 4 दिन बाद ही उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने में एस आई टी का गठन कर दिया मगर एस आई टी बनाई गई इतने साल हो गए एस आई टी ने ढुलमुल रवैया अपनाया हुआ है इसकी शिकायतमुख्यमंत्री ,प्रमुख सचिव, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री को बराबर मांग पत्र भेजने के साथ की जा रही है कि एसआईटी अपना कार्य ईमानदारी पूर्वक निर्वाह नहीं कर रही है राहत कमेटी के सदस्यों ने अपने आप जाकर गवाहीआ कराई और उनको आज तक सुरक्षा नहीं दी गई द्यना ही राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया गया है जिससे जो लोग 84 के बाद विभिन्न प्रांतों में चले गए उन्हें पता चल सके कि एसआईटी का गठन हुआ है और वह अपनी गवाही जा कर दे दे कुछ लोग तो 70 बरस के ऊपर हो गए हैं उनसे वीडियो कांफ्रेंसिंग भी नहीं कराई गई है राष्ट्रीय सचिव सरदार पतविंदर सिंह ने कहा कि इससे ऐसा यह लग रहा है कि एस आई टी दोषियों को बचाना चाहती है सिखों को न्याय नहीं देना चाहती इससे सिक्खो में काफी रोष है हमारी मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री ,गृहमंत्री से मांग है।

सेना के सभी शीर्ष कमांडरों ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर (वेबवार्ता)। इंफेन्ट्री यानी पैदल सेना के स्थापना दिवस के मौके पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ तथा सेना प्रमुख और सेना के सभी शीर्ष कमांडरों और कर्नल ऑफ रेजिमेंट्स ने आज यहां राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह पहला मौका है जब इंफेन्ट्री दिवस पर सेना के सभी शीर्ष कमांडरों और रेजिमेंटों के कर्नलों ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को एक साथ श्रद्धांजलि दी है। दरअसल सेना के शीर्ष कमांडर और कर्नल आफ रेजिमेंट्स सैन्य कमांडरों के सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए यहां आये हुए हैं। यह सम्मेलन सोमवार को यहां शुरू हुआ। संयोग से इसी बीच आज 74 वां इंफेन्ट्री दिवस भी है। सेना के प्रवक्ता ने यहां बताया कि पहली बार ऐसा हुआ है जब सभी शीर्ष कमांडरों और कर्नल ऑफ रेजिमेंट्स ने इस मौके पर एक साथ राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। शीर्ष कमांडरों के बाद सीडीएस जनरल बिपिन रावत, सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे और महानिदेशक इंफेन्ट्री ने भी युद्ध स्मारक जाकर शहीदों को पुष्प अर्पित किये। यह भी संयोग ही है कि इस मौके पर युद्ध स्मारक पर ड्यूटी पर 13 कुमाऊं रेजिमेंट है जिसके रणबांकुरों ने 1962 में बेहद प्रतिकूल परिस्थितियों में चीनी सेना के साथ रेजांगला का युद्ध लड़ा था। मेजर शैतान सिंह जिन्हें मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था ने अपनी टीम के साथ मिलकर अंतिम दम और अंतिम गोली तक रेजांगला की पहाड़ियों में प्राण न्यौच्छावर कर ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी थी। रेंजागला की पहाड़ियां वही क्षेत्र है जहां भारतीय सैनिकों ने पिछले महीने पेगोंग झील के निकट की चोटियों पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। हर वर्ष 27 अक्टूबर को इंफेन्ट्री दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन सिख रेजिमेंट और 13 कुमाऊं की दो इंफेन्ट्री कंपनियों को कश्मीर को पाकिस्तानी कबाइलियों और पाकिस्तानी सेना से मुक्त कराने के लिए विमान से दिल्ली से श्रीनगर ले जाया गया था ।

वाचन व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देता है: डॉ संजय चोरड़िया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पुणे। मिसाइलमैन भारतरत्न डॉ. अब्दुल कलाम लिखित इग्नाइटेड माइंड्स और टर्निंग पॉइंट्स किताब का वाचन कर के उन्हें सूर्यदत्ता ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के शिक्षकशिक्षकेतर कर्मचारियों ने अभिवादन किया। डॉ. कलाम की जयंती के अवसर पर उत्साह के साथ वाचन प्रेरणा दिवस मनाया गया। कोरोना के कारण कॉलेज में कोई छात्र नहीं हैं, फिर भी सभी दिन नियमित रूप से स्टाफ द्वारा मनाये जा रहे है।

वाचन प्रेरणा दिवस के अवसर पर डॉ. अब्दुल कलाम की प्रतिमा को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि आईटी विशेषज्ञ डॉ. दीपक शिकारपुर ने शिरकत की। सूर्यदत्ता के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय चोरडिया ने अपना अध्यक्षीय वक्तव्य दिया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी और समूह निदेशक डॉ. शैलेश कासंडे, डीन डॉ. प्रतिक्षा वाबले, शेफाली जोशी व अभिजित नायर आदि उपस्थित थे। डॉ. दीपक शिकारपूर ने कहा, डॉ. कलाम ने अपने जीवन के अंतिम समय तक छात्रों के साथ बातचीत करने का रवैया कायम रखा था। उन्होंने कहा कि ज्ञान बांटने से बढ़ता

है, इसको खुद के पास न रखते हुए बांटते रहना चाहिए, ऐसा कलाम कहा करते थे। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि सूर्यदत्ता संस्था में शिक्षकों द्वारा उनके काम को वास्तविकता में लाया गया है। अगर छात्र व शिक्षक की बातचीत बढ़ती रहेगी, तो उनकी बुद्धिमत्ता का गहरा विकास होगा तथा यह कल के भारत को और भी शानदार बना देगा।

डॉ. संजय चोरडिया ने कहा कि वाचन व्यक्ति के व्यक्तित्व को आकार देता है। वे बोले, डॉ. कलाम का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा है।हालांकि कोरोना की वजह से छात्र शिक्षक ऐसे एकत्रित रूप से कार्यक्रम करें ये संभव नहीं है, लेकिन शिक्षकों ने अनायास ही डॉ. कलाम की किताब को पढ़कर उन्हे अनोखे तरीके से अभिवादन किया गया है। डॉ संजय ने विश्वास जताया कि छात्रशिक्षक बातचीत जल्द होगा और ज्ञानोदय का काम फिर से शुरू होगा।

प्राधिकरण ने अवैध रूप से बने मकानों को किया ध्वस्त

नोएडा । थाना फेस 2 क्षेत्र में विशेष निर्यात जोन के पास अवैध रूप से बने मकानों को नोएडा प्राधिकरण के अतिक्रमण हटाओ दस्ते ने आज ध्वस्त कर दिया। प्राधिकरण की टीम का कुछ लोगों ने विरोध किया जिस पर पुलिस हल्का बल प्रयोग कर उन्हें खदेड़ दिया। थाना फेस 2 की प्रभारी निरीक्षक सुश्री अनीता चैहान ने बताया कि मंगलवार सुबह को नोएडा प्राधिकरण की टीम भारी पुलिस बल के साथ सेक्टर81 के पास पहुंची। उन्होंने बताया कि भूड़ा कॉलोनी के पास विशेष निर्यात जोन से सटी जमीन पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से मकान बना लिया थे। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की टीम ने अवैध रूप से बने दर्जनों मकानों को ध्वस्त कर दिया। कुछ नेता तथा अवैध निर्माण करने वाले लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया । जिन लोगों के मकान टूटे है, उनका कहना है कि एक सपा नेता ने इसे अपनी जमीन बताकर उन्हें बेचा है।

सोशल डिस्टेंसिंग के तहत जलाया गया रावण का पुतला

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । बिशेश्वरगंज सत्य की असत्य पर हुई जीत का प्रतीक विजयदशमी हर वर्ष पूरे उत्साह से लोग मनाते है लेकिन इस वर्ष वैश्विक महामारी के चलते सभी पर्व की भांति यह त्यौहार भी फीका रहा सिर्फ परम्परा और औपचारिकता निभाई गयी । शासन प्रशासन की सक्रियता और गाइडलाइन का पालन करते हुए समिति के पदाधिकारियों ने वर्षों से चली आ रही परंपरा को कोविड 19 के मद्देनजर सोशल डिस्टेंसिंग के तहत रावण के पुतले का दहन किया । जनपद बहराइच अंतर्गत विकासखंड बिशेश्वरगंज के ग्रामसभा पहुँचकट्टा में आदर्श बाल रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला का मंचन किया गया जिसमे परशुराम लक्ष्मण संवाद, राम विवाह, अंगद रावण संवाद, धनुष यज्ञ, लक्ष्मण शक्ति आदि का प्रसंग बड़ा ही मनोरम रहा जिसे देखकर दर्शक भावुक हो उठे । स्थानीय कलाकारों द्वारा निभाई गयी भूमिका का अभिनय देख कर लोग मंत्रमुग्ध रहे जिसमे लखीमपुर, बहराइच, रिसिया व आर्यनगर से आई नृत्यांगनाओ ने कार्यक्रम में चार चाँद लगाने का कार्य कर आयोजन को सफल बनाने का प्रयास किया ।सोमवार देर शाम तक पुतले का दहन कर कार्यक्रम का समापन हुआ। समिति के अध्यक्ष डॉ0 विकास द्विवेदी ने बताया कि इस बार महामारी के चलते सिर्फ परंपरा निभाई गयी , गाइडलाइन लाइन का पूरा पालन करवाया गया ।समिति के पदाधिकारियों में अध्यक्ष डॉ0 विकास द्विवेदी, उपाध्यक्ष पिंटू द्विवेदी, प्रबंधक अवनीश द्विवेदी, सह प्रबंधक संतोष पांडे घुल्लूर, कोषाध्यक्ष शिव शंकर द्विवेदी, उप कोषाध्यक्ष कमल द्विवेदी, सचिव जगदंबा प्रसाद भारती उर्फ गुड्डू बाबा, उपसचिव राजेश द्विवेदी शामिल रहे ।

नाटी इमली की भरत मिलाप में निभाई गयी परंपरा

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। 'परे भूमि नहिं उठत उठाए, बर करि कृपासिंधु उर लाए। स्यामल गात रोम भए ठाढ़े, नव राजीव नयन जल बाढ़े'।। जानहि राम सकहि बखानी...।' रामायण के इस चैपाई के बीच मंगलवार को काशी की 477 साल पुरानी विश्व प्रसिद्ध नाटी इमली के भरत मिलाप की परंपरा गोधूलि बेला में संपन्न हुई। ठीक 4.40 बजे गोधूली बेला में जब भगवान राम, लक्ष्ण, भरत व शत्रुघ्न आपस में गले मिले तो इस मनोरम दृश्य देख लोगों की आंखे भर आई। राजा रामचंद्र समेत चारों भाईयों के जयकारे से पूरा परिसर गूंजायमान हो गया। चारों भाईयों के इस पांच मिनट की अलौकिक व मनोरम छटा को निहारने के लिए पूर्व की सालों की तरह तो भीड़ नहीं दिखी, फिर भी श्रद्धालु पहुचे थे। छत, गली, सड़क

हर ओर भक्त अलौकिक छठा को नयनों में बसाने के लिए आतुर दिखे। इस मौके पर हाथी पर सवार काशी नरेश के वंशज कुंवर अनन्त नारायण सिंह के हाथों लीला का शुभारंभ किया गया। प्रभु श्रीराम का रथ खीचने वाले बंधुओं द्वारा जयश्रीराम जयश्रीराम का उद्घोष पूरे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर हो गया। आसपास के घरों की छतों से फूलों की वर्षा होती रही। मैदान में भरत मिलाप एवं राम के राजतिलक प्रसंग की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान भव्य शोभायात्रा निकाली गई। रथ पर सवार राम, लक्ष्मण, सीता, हनुमान, भरत, शत्रुघ्न समेत अन्य देवीदेवताओं का जगहजगह स्वागत किया गया। लोगों ने शोभायात्रा में शामिल चारों भाईयों को भगवान की प्रतिमूर्ति मानकर उन्हें नमन किया। बता दें, 14 वर्षों तक पादुकाओं का पूजन कर चुके भरत अंतिम दिन विरह सागर में डूब कर प्राणांत करना चाहते थे, पर प्रभु ने इस दर्द को समझ लिया।

शरद पूर्णिमा 30 को, खीर खाने से बढ़ेगी रोग प्रतिरोधक क्षमता: अनीष व्यास

जयपुर। हिन्दी पंचांग के अनुसार शरद पूर्णिमा हर वर्ष आश्विन मास में आती है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को शरद पूर्णिमा या आश्विन पूर्णिमा कहते हैं। इस वर्ष शरद पूर्णिमा या आश्विन पूर्णिमा 30 अक्टूबर, दिन शुक्रवार को है। शरद पूर्णिमा का एक विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस दिन धन, वैभव और ऐश्वर्य की देवी माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कोजागरी लक्ष्मी पूजा के नाम से भी जाना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक, ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि शरद पूर्णिमा की रात कई मायने में महत्वपूर्ण है। जहां इसे शरद ऋतु की शुरुआत माना जाता है, वहीं माना जाता है कि इस रात को चंद्रमा संपूर्ण 16 कलाओं से परिपूर्ण होता है और अपनी चांदनी में अमृत बरसाता है। पूर्णिमा की रात हमेशा ही बहुत सुंदर होती है लेकिन शरद पूर्णिमा की रात को सबसे सुंदर रात कहा जाता है। पुराणों में तो यहां तक कहा गया है कि इसकी सुंदरता को निहारने के लिए स्वयं देवता भी धरती पर आते हैं। धार्मिक आस्था है कि शरद पूर्णिमा की रात में आसमान से अमृत की वर्षा होती है।

महंगाईः सस्ती सब्जी के मौसम में बढ़ गए रेट

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। आलू, प्याज़ और टमाटर के दाम क्या बढ़े अब रोटी भी बेस्वादी लगने लगी है। सब्जी नहीं रहने के कारण खाने का जायका भी बिगड़ने लगा है। नवरात्र खत्म होते ही महंगाई के मामले में तीनों प्रमुख सब्जियां आलू, प्याज़ और टमाटर एक दूसरे को पछाड़ने में पूरी जोर लगाएं हुए है। लेकिन इनके टक्कर यानी लड़ाई में आम आदमी की जेब हल्की हो रही है। दाल में तड़का तो अब सपना हो चला है। सब्जियों के दाम आसमान पर होने के कारण आमलोग महंगाई की मार से त्रस्त हैं। सब्जियों के दामों में एकाएक उछाल आने से आम आदमी अब सब्जियों को कम ही मात्रा में खरीदने पर मजबूर हैं।

लौकी, भिंडी, करैला, मटर, बैगन, गोभी, परवल, मूली, सेम, पत्ता गोभी, सिमला मिर्च तो ठीक पर गवई मिर्च तक के दामों में उछाल आ गया है। ऐसे में आम आदमी को सब्जी खरीदने से पहले कई बार सोचना पड़ रहा है। कईयों की थाली से तो सब्जी गायब ही होने लगी है। एक पखवाड़े से अचानक सब्जियों के दामों में हुई बढ़ोतरी से आम और खास, दोनों वर्ग के लोग परेशान हो उठे हैं। स्थिति यह है कि सर्वाधिक खाई जाने वाली अरहर की दाल के भाव 120 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है क्या प्रदेश आवक में कमी आई है या सप्लाई चेन में गड़बड़ी और जब स्टॉक में पड़ा है माल, तो कैसे बिगड़ा हाल? वो भी सस्ती सब्जी के मौसम में कैसे बढ़ गए रेट? मतलब साफ है कोरोना काल में पहले ही आर्थिक मार झेल रहे लोगों के सामने दालरोटी का संकट भी खड़ा हो गया है।

वैसे तो बरसात के मौसम की शुरुआत के साथ ही हरी सब्जियों की कीमत में वृद्धि प्रारंभ हो गई थी, लेकिन हाल के समय में इसकी कीमतें और बढ़ गई है। वर्तमान समय में बाजार में कोई भी हरी सब्जी 60 से 80 रुपये प्रति किलो ग्राम से नीचे नहीं है। बाजार में 50 से 60 रुपया किलो बैगन और भिंडी 50 रुपया किलो के दाम सुन कर ही सब्जी खरीदने मंडी जाने वाले लोगों के होश उड़ जा रहे हैं। इस समय बाजार में गोभी 120 रुपया किलो तो परवल 80 से 100 रुपया किलो बिक रहा है। हर सब्जी के स्वाद में तीखापन लाने के काम आने वाली मिर्च की कीमत सब्जियों के स्वाद को फीका कर दे रही है। बाजार में शिमला मिर्च के साथ ही हरी मिर्च 100 रुपये किलो पहुंच गई है।

मुक्त विश्वविद्यालय में फिर बढ़ी प्रवेश तिथि, अब 31 अक्टूबर तक प्रवेश

(विनोद मिश्रा)

प्रयागराज 27 अक्टूबर । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में प्रवेश सत्र जुलाई 202021 के प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31अक्टूबर 2020 कर दी गई है।

यह जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड 19 के कारण प्रदेश के विभिन्न अध्ययन केंद्रों पर छात्रों द्वारा अभी तक प्रवेश न ले पाने के कारण एक बार प्रवेश तिथि को और आगे बढ़ाया गया है।एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि भी 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। विभिन्न अध्ययन केंद्र समन्वयक एवं छात्रों की मांग पर लोकप्रिय कार्यक्रमों में प्रवेश सुविधा का लाभ देने के लिए कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि प्रदेश के प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, बरेली, आगरा, मेरठ, वाराणसी, झांसी, नोएडा, आजमगढ़, गोरखपुर

तथा कानपुर आदि क्षेत्रीय केंद्रों से संबद्ध अध्ययन केंद्रों पर विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय वर्ष में 31अक्टूबर तक ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होगी। ऐसे शिक्षार्थी जिन्होंने जुलाई सत्र के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में अभी तक प्रवेश नहीं लिया है, वह भी बिना परीक्षा फल का इंतजार किए अपना प्रवेश सुनिश्चित करा सकते हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शिक्षार्थियों के लिए मददग़ार सिद्ध हो रही है। प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी घर बैठे प्रदेश भर में फैले 1088 अध्ययन केंद्रों पर लगभग 105 कार्यक्रमों में अपने मनपसंद कार्यक्रम में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शिक्षार्थियों की सहायता के लिए आईसीटी सेल को और प्रभावी बनाया गया है, जिससे प्रदेश के सभी छात्रों को ऑनलाइन सहायता तुरंत उपलब्ध हो सके।

विश्वविद्यालय ने इस सत्र से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, योग, बीसीए, वेब टेक्नोलॉजी, डेयरी उद्योग, पंचायती राज, अंत्योदय, एकात्म मानववाद, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, जैविक खेती, बागवानी, फॉरेंसिक साइंस तथा कोविड19 आदि कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की है। जिसमें छात्रों का काफी रुझान देखने को मिल रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने एमबीए और एमसीए में प्रवेश के लिए छात्रों के रुझान को देखते हुए सत्र 202021 में एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में प्रवेश के इच्छुक प्रवेशार्थियों के पंजीकरण हेतु अंतिम तिथि 31अक्टूबर तक बढ़ा दी गयी है। एम.बी.ए. तथा एम.सी.ए. में इस बार प्रवेश परीक्षा का आयोजन न करके निर्धारित शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया जायेगा। शिक्षार्थी वेबसाइट व वेबलिंक पर पंजीकरण कराते हुए प्रवेश हेतु आवेदन कर सकते हैं।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक **सुनील पाण्डेय** ने आदित्य ग्राफिक्स **INC**, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व **ई–4/168,** गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।

RNI.DELHIN / 2013/ 48606

मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

वूमेन एक्सप्रेस

भारतीय सेना की बनेगी पांच थिएटर कमांड

एक नजर

हैदराबाद एयरपोर्ट ने इंटरनैशनल फ्लायर्स के लिए शुरू की ई-बोर्डिंग की सुविधा

हैदराबाद । हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिये कागजरहित ईबोर्डिंग सुविधा शुरू की है। यह ऐसा करने वाला भारत का पहला हवाई अड्डा बन गया है। हैदराबाद हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी जीएमआर समूह ने मंगलवार को यह कहा। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि जीएमआर समूह के नियंत्रण वाले हवाई अड्डे के पास पहले से ही भारत के पहले और एकमात्र ऐसा हवाई अड्डा होने का श्रेय है, जो सभी उड़ानों में अपने सभी घरेलू यात्रियों को ईबोर्डिंग की सुविधा प्रदान करता है। कंपनी ने कहा कि यह सेवा अभी इंडिगो एयरलाइंस की चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिये उपलब्ध है। उसने कहा कि सघन व सफल परीक्षण के बाद सरकार से मंजूरी मिलने पर उसने अपनी ईबोर्डिंग सेवाओं को शुरू किया है। इस शुरुआत में इंडिगो साझीदार कंपनी है। इस तरह से ई बोर्डिंग सुविधा देने के मामले में इंडिगो पहली भारतीय विमानन कंपनी बन गयी है। इंडिगो की शारजाह जाने वाली दो उड़ान 6ई1405 के यात्रियों ने दो अक्टूबर को इस सुविधा का लाभ उठाया।

रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 73.71 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों की तेजी के दम पर रुपया शुरुआती गिरावट से उबरने में कामयाब रहा। मंगलवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 73.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपये ने 73.94 प्रति डॉलर पर कारोबार की नरम शुरुआत की। हालांकि जल्दी ही यह उबरने में कामयाब रहा और अंततः 13 पैसे बढ़कर 73.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 73.71 प्रति डॉलर के उच्च स्तर और 73.94 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर रहा। पिछले दिन यानी सोमवार को रुपया 73.84 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर का सूचकांक 0.07 प्रतिशत बढ़कर 93.11 प्रति डॉलर पर रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 230.14 अंक बढ़कर 40,375.64 अंक पर और निफ्टी का एनएसई 77.20 अंक मजबूत होकर 11,844.95 अंक पर चल रहा था। शेयर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 119.42 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। इस बीच कच्चा तेल का अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.52 प्रतिशत मजबूत होकर 40.67 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

जम्मू-कश्मीर में अब कोई भी भारतीय खरीद सकेगा जमीन

जम्मू । केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के लिए भूमि कानून के तहत आज एक महत्वपूर्ण अधिसूचना केंद्र सरकार ने जारी की है। इसके बाद भारत का कोई भी नागरिक जम्मूकश्मीर में अब मकान, दुकान और कारोबार के लिए जमीन खरीद सकेगा और वहां पर बस सकेगा।

फिलहाल खेती की जमीन को लेकर रोक बरकरार रहेगी। इस आदेश को यूनियन टेरिटरी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर रिऑर्गनाइजेशन थर्ड ऑर्डर, 2020 के नाम से जाना जाएगा। पांच अगस्त, 2019 से पूर्व जम्मूकश्मीर राज्य की अपनी एक अलग संवैधानिक व्यवस्था थी। उस व्यवस्था में सिर्फ जम्मूकश्मीर के स्थायी निवासी ही राज्य में जमीन खरीद सकते थे।

देश के किसी अन्य भाग का कोई भी नागरिक जम्मूकश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकता था। इसके अलावा अनुच्छेद 370 व 35ए लागू होने के कारण पहले देश के बहुत सारे कानून इस राज्य में लागू नहीं होते थे।

कुछ चंद कानूनों को छोड़कर अन्य कानून तभी लागू हो सकते थे, जब राज्य की विधानसभा में उन्हें मंजूरी मिल जाती थी। यहां तक कि पश्चिमी पाकिस्तान से आए हुए रिफ्यूजियों, पंजाब से लाए हुए सफाई कर्मचारियों व सदियों से रह रहे गोरखा लोगों को भी राज्य की नागरिकता प्राप्त नहीं थी। वे राज्य विधानसभा के चुनावों में वोट तक नहीं डाल सकते थे।

यूपी के 'लोकल उत्पाद' दे रहे चीन के उत्पादों को टक्कर

'लोकल फॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की राह पर बढ़े यूपी के कदम

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ दिल्ली, 27 अक्टूबर । 'लोकल फॉर वोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की राह पर बढ़ते यूपी के कदम इस दिवाली चीनी उत्पादों को टक्कर दे रहे हैं। चीनी उत्पादों के बहिष्कार के चलते यूपी में बनने वाले लोकल उत्पादों की मांग बाजार में काफी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक जनपद एक उत्पाद' से यूपी के व्यापारियों के लिए एक ओर आर्थिक उन्नति की नई राहें खोल दी है वहीं प्रदेश के उत्पादों का लोहा देश ही नहीं विदेशों में भी बोल रहा है।

गोरखपुर मंडल के अन्तर्गत देवरिया जनपद में तकरीबन 1500 लोगों के व्यापार को नई गति मिली है। इन उत्पादों को ओडीओपी के तहत राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने का मौका मिल रहा है।

देवरिया जनपद में ओडीओपी के तहत काम कर रहे हजारों लोगों में से सफलता की इबारत गढ़ने वाली पूजा शाही और विवेक सिंह हैं।

साल 2008 में महज अपनी मम्मी और चाची के साथ हैंडिक्राफ्ट का छोटा सा काम शुरू करने वाली पूजा शाही आज पूजा शाही इंटरप्राइजेज से 400 महिलाओं को रोजगार दे रही हैं। ओडीओपी से जुड़ने के बाद आज पांच हजार महिलाएं उनकी टीम का हिस्सा हैं। वर्चुअल फेयर से लेकर ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए उनके उत्पाद यूपी समेत देश और विदेश में भी धूम मचा रहे हैं।

2.5 करोड़ की हुई आमदनी

गोरखपुर मंडल के देवरिया की 150 यूनिट में 1500 कारीगर जुड़े हैं। पिछले साल एक करोड़ का टर्नओवर इस साल बढ़कर डेढ़ करोड़ हो गया है। देवरिया के उत्पाद बिहार, वेस्ट बंगाल, लखनऊ, वाराणसी, दिल्ली समेत सिंगापुर और यूएस में निर्यात होते हैं। ओडीओपी की शुरूवात से अब तक यहां के उत्पादों से 2.5 करोड़ की आमदनी हुई है।

भयमुक्त होकर ग्रामीण महिलाएं कर रही काम

पूजा कहती हैं कि हैंडिक्राफ्ट के काम को पहचान तब मिली जब 24 जनवरी 2018 को प्रदेश सरकार ने इसे ओडीओपी में शामिल करा दिया। मुझे पांच लाख रुपए तक का लोन राज्य सरकार द्वारा ओडीओपी के तहत मिला है। इस योजना के शुरू होने से पहले जहां मैं केवल 50 पीस तैयार कर पाती थी वहीं अब प्रतिदिन 500 पीस तैयार करती हूं। उन्होंने बताया कि सजावटी सामान, इम्यूनिटी गुड़, अचार, हैंडिक्राफ्ट, दीए, मोम्बत्ती जैसे उत्पादों की मांग यूएस, दुबई समेत देश के अलग अलग राज्यों में बढ़ गई है। ओडीओपी से मांग और उत्पादन में 60 से 80 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है वहीं अब मेरे साथ 500 महिलाएं अपने स्वरोजगार के सपने को पूरा कर पाई हैं। उन्होंने कहा कि ओडीओपी के साथ अब योगी जी के 'मिशन शक्ति' अभियान से ग्रामीण महिलाएं भयमुक्त होकर काम कर पाएंगी।

चाइना के माल को दे रहे टक्कर

दीपावली पर देवरिया की झालरों, सजावटी सामान, हैंडिक्राफ्ट, दीए और मोम्बत्ती ने बाजारों में चीन के उत्पादों को टक्कर दे रहे हैं। यूपी सरकार ने हैंडिक्राफ्ट के व्यापार से जुड़े लोगों को चीन के टक्कर की झालरों, सजावटी सामान के टक्कर की मूर्तियां बनाने के लिए न सिर्फ प्रोत्साहित किया बल्कि जरूरी सहायता भी उपलब्ध कराई है। नई डिजाइन के सांचे उपलब्ध कराए हैं। रंगों के संयोजन के लिए विशेषज्ञों के जरिए प्रशिक्षण भी दिलाया गया है। नतीजतन, अब यहां के आकर्षक सामान बन रहे हैं।

देवरिया के झालर झूमर से विदेश भी हो रहा रोशन

देवरिया के विवेक सिंह ने बताया कि वीएस एनेर्जी इंटरप्राइजेज से डेकोरेटिव हैडिक्राफ्ट और बैंबू लाइट का व्यापार करता हूं। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा तैयार की गई लाइट, झूमर और झालर की मांग नाइजेरिया, अफगानिस्तान, दुबई समेत देश के अलग राज्यों में मांग बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इस योजना के तहत सीधे तौर पर 3000 महिलाओं को रोजगार दिया है। इसके साथ ही देवरिया और दूसरे राज्यों में ग्रो सेंटर बनाकर महिलाओ को एक ही छत के नीचे ट्रेनिंग दी जा रही है।

बिहार में बदलाव की बयार, जनता की आवाज महागठबंधन के साथः सोनिया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने बिहार विधानासभा चुनाव में राज्य के मतदाओं से महागठबंधन को समर्थन देने की अपील करते हुए मंगलवार को कहा कि प्रदेश में बदलाव की बयार चल रही है और लोगों की आवाज राजद, कांग्रेस एवं वाम दलों के गठबंधन के साथ है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र और बिहार में फिलहाल 'बंदी सरकारें' हैं जिन्होंने नोटबंदी, तालाबंदी, व्यापारबंदी, आर्थिकबंदी, खेत खलिहान बंदी और रोटीरोजगारबंदी की है। सोनिया ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''आज बिहार में सत्ता और उसके अहंकार में डूबी सरकार अपने रास्ते से भटक गई है। ना उनकी करनी अच्छी है, ना कथनी। मजदूर आज मजबूर है। किसान आज परेशान है। नौजवान आज निराश है।'' उन्होंने यह दावा भी किया, ''अर्थव्यवस्था की नाजुक स्थिति लोगों के जीवन पर भारी पड़ रही है। धरती के बेटों पर

आज गंभीर संकट है। दलितों और महादलितों को बदहाली के कगार पर लाकर छोड़ दिया गया है। समाज के पिछड़े वर्ग भी इसी बदहाली के शिकार हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''बिहार की जनता की आवाज कांग्रेस महागठबंधन के साथ है। यही है आज बिहार की पुकार। '' उन्होंने दावा किया, ''दिल्ली और बिहार की सरकारें, 'बंदी सरकारें' हैं नोटबंदी, तालाबंदी, व्यापारबंदी, आर्थिक बंदी, खेतखलिहान बंदी, रोटीरोजगार बंदी। इसीलिए, बंदी सरकार के खिलाफ अगली नस्ल और अगली फसल के लिए, एक नए बिहार के निर्माण के लिए, बिहार की जनता तैयार है।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' अब बदलाव की बयार है। क्योंकि बदलाव जोश है, ऊर्जा है, नई सोच है और शक्ति है। अब नई इबारत लिखने का समय आ गया है।'' सोनिया के मुताबिक, बिहार के हाथों में गुण है, हुनर है, ताकत है, निर्माण की शक्ति है, लेकिन बेरोजगारी, पलायन, महंगाई, भुखमरी ने उनकी आंखों में आंसू और पैरों में छाले दे दिए हैं।

एनजीटी के नियमों का उल्लंघन करने पर हुई दंडात्मक कार्रवाई

नोएडा । नोएडा प्राधिकरण ने शहर में वायु गुणवत्ता कूप्रभावित होने से रोकने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत सड़कों पर पानी के छिड़काव के साथ वायु प्रदूषण संबंधित नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधितों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जा रही है। जन स्वास्थ्य अधिकारी एससी मिश्रा ने बताया कि वर्क सर्किल 8 द्वारा निर्माण कार्य में नियमों का पालन नहीं करने पर दो लोगों से 15 हजार रुपए का अर्थदंड लिया गया। उन्होंने बताया कि वर्क सर्किल 9 द्वारा निर्माण कार्य में नियमों का उल्लंघन करने और खुले में निर्माण सामग्री पाए जाने पर तीन लोगों से 5,20,000 रूपये दण्ड के रूप में लिया गया। जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग करने तथा कूड़ा फैलाने के मामले में सात ठेले वालों पर 4000 रुपये का दंड लगाया गया। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर को कुल 5,39,000 रुपए का अर्थदंड लगाते हुए ।

संसदीय समिति की पूछताछ के बाद फेसबुक इंडिया पॉलिसी हेड ने दिया इस्तीफा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। फेसबुक इंडिया की पब्लिक पॉलिसी हेड अंखी दास ने इस्तीफा दे दिया है। सोशल साइट फेसबुक पर घृणास्पद स्पीचों को लेकर पक्षपात के हाल के विवादों में नाम सामने आने के बाद अंखी ने कंपनी में अपने पद से इस्तीफे दिया है। समाचार एजेंसी रायटर्स ने मंगलवार की शाम को यह खबर दी है। दास का इस्तीफा ऐसे वक्त पर हुआ है जब कुछ हफ्ते पहले कंपनी और उन्हें आंतरिक रूप से कर्मचारियों और साथ ही सरकार दोनों तरफ से सवालों का सामना करना पड़ा कि कैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर राजनीतिक कंटेंट को रेगुलेट किया जाता है। सिर्फ भारत में ही फेसबुक के 30 करोड़ यूजर हैं। फेसबुक के भारत में प्रबंध निदेशक अजीत मोहन ने ईमेल के जरिये बयान में कहा, अंखी दास ने फेसबुक में अपने पद से हटने का निर्णय किया है। उन्होंने जन सेवा में अपनी रुचि के

अनुसार काम करने के लिये यह कदम उठाया है। अंखी हमारे उन पुराने कर्मचारियों में शामिल हैं, जिन्होंने कंपनी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई...। गौरतलब है कि संसदीय समिति ने फेसबुक से कहा था कि वे नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा का विज्ञापन, व्यवसाय या चुनावों के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। सभी दलों के सांसदों ने कथित तौर पर यह सवाल किया था कि फेसबुक अपने आय का कितना डेटा की सुरक्षा पर खर्च करता है। अंखी को उस वक्त भारी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब अगस्त महीने में अमेरिका में एक न्यूज रिपोर्ट सामने आई जिसमें यह कहा गया कि उसने सत्ताधारी बीजेपी नेता के घृणास्पद बयान पर हेट स्पीट नियमों को लागू करने का विरोध किया था। जब पिछले महीने सांसदों ने फेसबुक को समन भेजा उस समय अंखी दास नहीं बल्कि कंपनी के बिजनेस हेड अजीत मोहन पेश हुए थे और सवालों का सामना किया था।

हिमाचल प्रदेश में 02 नवंबर से खुलेंगे स्कूल-कॉलेज

(विशेष संवाददाता)

शिमला । हिमाचल प्रदेश में नौवीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों की अब नियमित कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस आशय का निर्णय मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया है। इन विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं लगेंगी। इसके साथ ही कॉलेजों में भी दो नवंबर से शैक्षणिक सत्र शुरू होगा। प्रथम, द्वितीय और अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं लगाई जाएंगी। यूजीसी के निर्देशानुसार प्रदेश सरकार ने यह फैसला लिया है। सरकार ने केंद्र सरकार की एसओपी के अनुसार अभिभावकों के सहमति पत्र पर ही विद्यार्थियों को स्कूलकॉलेजों में प्रवेश देने की शर्त अभी बरकरार रखी है। इसके अलावा केंद्र सरकार की एसओपी का पालन करते हुए विद्यार्थियों के बीच पर्याप्त शारीरिक दूरी बनाए रखने और थर्मल स्क्रीनिंग के बाद ही प्रवेश देने का फैसला लिया गया है। वहीं, प्रदेश के डिग्री कॉलेजों में पढ़ने वाले प्रथम और द्वितीय वर्ष के करीब 60 हजार विद्यार्थियों को सरकार ने बिना परीक्षाएं लिए ही अगली कक्षाओं में प्रमोट करने का फैसला ले लिया है। कैबिनेट शिक्षा विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। प्रमोट किए जाने वाले विद्यार्थियों की बीते साल की परीक्षा के 50 फीसदी अंकों, वर्तमान सत्र की आंतरिक परीक्षा के 30 फीसदी और शिक्षकों की असेसमेंट के 20 फीसदी अंकों के आधार पर कुल अंक दिए जाएंगे। अगर कोई छात्र इन अंकों से नाखुश रहता है तो वो अगले साल पुरानी कक्षा की परीक्षाएं देकर अपने अंकों में सुधार ला सकता है। इसके साथ ही शिक्षा विभाग में आउटसोर्स आधार पर सेवाएं दे रहे आईटी शिक्षकों का मानदेय एक अप्रैल, 2020 से 10 प्रतिशत बढ़ाने को मंजूरी प्रदान की।

हाथरस मामले की सीबीआई जांच की निगरानी इलाहाबाद उच्च न्यायालय करेगा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर । उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले की एक दलित लड़की के साथ कथित सामूहिक बलात्कार और फिर उसकी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत के मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो करेगा और इलाहाबाद उच्च न्यायालय इसकी निगरानी करेगा। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने इस मामले में फैसला सुनाते हुये कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय पीड़ित परिवार के सदस्यों और गवाहों को सुरक्षा प्रदान करने और इसकी सीबीआई जांच की निगरानी सहित सभी पहलुओं पर विचार करेगा। पीठ ने कहा कि इस मामले की सुनवाई उत्तर प्रदेश से बाहर कराने के मुद्दे पर

सीबीआई की जांच पूरी होने के बाद ही विचार किया जायेगा। शीर्ष अदालत ने हाथरस की घटना को लेकर गैर सरकारी संगठन, अधिवक्ताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा दायर कई याचिकाओं पर यह फैसला सुनाया। इन याचिकाओं में दावा किया गया था कि उप्र में इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई संभव नहीं है क्योंकि जांच को पहले ही कुंद कर दिया गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई अपनी जांच की प्रगति रिपोर्ट उच्च न्यायालय में पेश करेगी। पीठ ने उप्र सरकार के अनुरोध पर विचार किया और उच्च न्यायालय से कहा कि वह लंबित जनहित याचिका में दिये गये अपने आदेशों में से एक से पीड़ित का नाम हटाये। हाथरस के एक गांव में 14 सितंबर को 19 वर्षीय दलित लड़की से अगड़ी जाति के चार लड़कों ने कथित रूप से बलात्कार किया था। इस लड़की की 29 सितंबर को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी। पीड़ित की 30 सितंबर को रात के अंधेरे में उसके घर के पास ही अंत्येष्टि कर दी गयी थी। उसके परिवार का आरोप है कि स्थानीय पुलिस ने जल्द से जल्द उसका अंतिम संस्कार करने के लिये मजबूर किया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों का कहना था कि परिवार की इच्छा के मुताबिक ही अंतिम संस्कार किया गया।

रिया ने हाईकोर्ट से की अपील, सुशांत सिंह की बहनों की याचिका को किया जाए खारिज

मुंबई । अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट से दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की दो बहनों की एक याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया। उस याचिका में दोनों बहनों ने अपने भाई के लिए फर्जी मेडिकल बनवाने और हासिल करने के आरोप में उनके खिलाफ दर्ज की गई प्राथिमकी को रद्द करने का अनुरोध किया है। चक्रवर्ती पर अपने प्रेमी राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। इस मामले में राजपूत की बहनोंप्रियंका सिंह और मीतू सिंह के खिलाफ शिकायतकर्ता अभिनेत्री ने उनकी अर्जी का विरोध करते हुए मंगलवार को हलफनामा दायर किया और कहा कि दोनों के खिलाफ लगे आरोप गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि राजपूत की बहनों के खिलाफ इस मामले की जांच अभी प्रारंभिक चरण में है, इसलिए जांच एजेंसी को समय दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजपूत को वे दवाएं दिलाने में फर्जी मेडिकल पर्ची का उपयोग किया गया जो एनडीपीए) के तहत प्रतिबंधित हैं। चक्रवर्ती ने हलफनामे में कहा, राजपूत द्वारा उक्त पर्ची हासिल करने के पांच दिन बाद उनकी मौत हो गई। इस पर्ची में उन्हें अवैध रूप से उनकी बहन (प्रियंका) और डॉ. प्रियंका कुमार के कहने पर प्रतिबंधित दवाएं लेने को कहा गया है।%% हलफनामे में कहा गया है कि इसकी जांच की जानी चाहिए कि राजपूत ने वे दवाएं लीं या नहीं, जिससे शायद उनकी मृत्यु हो गई हो या मानसिक स्थिति और बिगड़ गई हो। उसमें कहा गया है कि याचिका को खारिज किया जाए। अभिनेत्री ने अपने वकील सतीश मानशिंदे के माध्यम से हलफनामा दाखिल की है। न्यायमूर्ति एस एस शिंदे और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की खंडपीठ ने इस पर सुनवाई की अगली तारीख 4 नवंबर तय की क्योंकि सीबीआई और मुंबई पुलिस ने अपनाअपना हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा।

खादी को ब्रांड बनाने में जुटा भारतीय विदेश मंत्रालय

मेक्सिको की ओहाका खादी की दुनिया में हो रही चर्चा, बढ़ी लोकप्रियता

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने में भारतीय विदेश मंत्रालय भी जुट गया है। मंत्रालय इस अभियान के तहत भारत के स्थानीय उत्पादों का प्रचार प्रसार विश्व के अन्य देशों में कर रहा है। जिसका नतीजा है कि दुनिया के तमाम देशों में भारतीय उत्पादों को लोकप्रियता बढ़ी है।

ऐसी ही एक खबर उत्तरी अमेरिका के देश मेक्सिको से सामने आई है, जहां के ग्रामीण इलाकों में लोग खादी से जुड़े उत्पाद बना रहे हैं, जिसे मेक्सिकन लोग ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के लोग भी काफी पसंद कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार मेक्सिको के ओहाका राज्य के कई गांवों में स्थानीय लोग खादी बुनने का काम कर रहे हैं, जो अब एक ब्रांड बन चुका है। जिसे दुनिया में लोग ओहाका खादी के नाम से जानते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रयासों का नतीजा है कि लम्बे समय तक सादगी की पहचान रही खादी आज इको फ्रेंडलीफैब्रिक के रूप में पहचानी जा रही है।

ओहाका में ऐसे पहुंची खादी

मेक्सिको के एक युवा मार्क ब्राउन ने महात्मा गांधी पर एक फिल्म देखी। गांधी जी से वह इतना प्रभावित हुए कि भारत आ गए और 12 वर्ष तक यहीं रहे।

इस दौरान दो वर्ष उन्होंने (1986-88) तक, गुजरात के साबरमती आश्रम में गुजारे, जहां उन्होंने खादी के बारे में जाना। ब्राउन ने उन कपड़ों को पहनना भी शुरू कर दिया, जो उन्होंने खुद काते थे। वर्ष 1990 के दशक में वह एक चरखा लेकर मेक्सिको के ओहाका चले गए। जहां के सैन सेबेस्टियन रियो

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कर चुके हैं जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने

होंडो गांव में उन्होंने स्थानीय परिवारों को सूत कातना सिखाया और अंततः 2010 में उन्होंने फार्म टू गारमेंट समूह खादी ओहाका शुरू किया। जिसमें ग्रामीण इलाको में रहने वाले लगभग 400 परिवार शामिल हैं।

मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भी ओहाका खादी का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि हमारे कई स्थानीय उत्पादों में वैश्विक होने की बहुत बड़ी शक्ति है। जिसमें खादी बॉडी फ्रेंडली फैब्रिक के रूप में दुनिया में कई जगहों पर बनाई जा रही है। मेक्सिको में ऐसी ही एक जगह है ओहाका, जहां के ग्रामीण इलाकों में लोग खादी बुनने का काम कर रहे हैं। आज ओहाका खादी पूरी दुनिया में ब्रांड बन चुकी है। क्या कहते हैं अधिकारी इस बारे में जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के लिए दुनिया के तमाम देशों में स्थित भारतीय मिशन जुटे हुए हैं। इसके तहत भारत के उत्पादों से लोगों का परिचय कराया जा रहा है। जिसमें खादी सबसे महत्वपूर्ण है, यह भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भरता की पहचान है। ओहाका खादी के ब्रांड बनने से लोगों की रूचि खादी के कपड़ों के अलावा खादी से जुड़े अन्य उत्पादों में भी बढ़ी है।

भारत और मेक्सिको के बीच संबंध

मेक्सिको 1950 में भारत के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाला लैटिन अमेरिका का पहला देश है। आज दोनों देशों के बीच गर्मजोशी और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध हैं। मेक्सिकन लोगों में, भारत की संस्कृति, सामाजिक मूल्य और बहुलवादी लोकतंत्र की व्यापक रुचि है। यही नहीं यहां के लोग महात्मा गांधी, रविंद्रनाथ टैगोर और मदर टेरेसा के विचारों से काफी प्रभावित हैं। मेक्सिको के चार बड़े शहरों में गांधी जी मूर्तियां भी स्थापित हैं। मेक्सिको में भारतीय समुदाय छोटा है, जिसमें से दस हजार लोग मेक्सिको सिटी में रहते और बाकी गुआडलजारा, मॉन्टेरी, क्यूर्नवेका, क्वेरेटारो आदि में फैले हुए हैं।

शिक्षण संस्थानों की बहुभाषी सोच करेगी छात्रों का समग्र विकासः निशंक

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा शिवपुर स्थित भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान सोलर पीवी हब का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि कोई संस्थान अगर बहुभाषी, बहुविषयक तथा बहुआयामी सोच के साथ आगे बढ़े एवं अपने पाठ्यक्रम में भी इस अप्रोच को अपनाएं तो संस्थान के साथ साथ उसके छात्रों के भी बहुआयामी तथा चहुमुखी विकास को एक उच्च गति मिल जाती है। निशंक ने कहा, 'आईआईईएसटी शिवपुर 1856 से वैज्ञानिक सोच, समझ, ज्ञान और तकनीक को संरक्षित रखने एवं पोषित करने का कार्य बहुत जिम्मेदारी से कर रहा है। निर्माण से निश्चित रूप से सौर ऊर्जा गतिविधियों में संलग्न पूर्वी तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र में कई उद्योगों और अनुसंधान संगठनों को प्रत्यक्ष रूप से इस हब के साथ नई एवं व्यवहारिक तकनीकों में कुशलता प्राप्त करने तथा उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने की पूरी संभावना है।